गुवाहाटी व जोरहाट से एक साथ प्रकाशित

सच से समझौता नहीं

# प्रातः खबर

www.pratahkhabar.com

RNI NO. ASSHIN/2005/15049 PRATAH KHABAR, Guwahati, Wednesday, 3 June, 2026 वर्ष 23 अंक 34, गुवाहाटी, बुधवार 3 जून, 2026, ज्येष्ठ मास, कृष्ण पक्ष-2 मूल्य : दस रुपये पेज-12

फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले 5 खिलाड़ी-10

हिमंत का तीखा वार और विपक्ष का विचार-12

# सीबीएसई के चेयरमैन व सचिव को हटाया

## विवादित ऑन स्क्रीन मार्किंग के टेंडर की जांच के आदेश, लोखंडे प्रशांत सीताराम नये चैयरमेन

**नयी दिल्ली, 2 जून (एजें)।** केंद्र सरकार ने आज ऑन स्क्रीन मार्किंग (ओएसएस) में विवाद के बीच सीबीएसई के चेयरमैन राहुल सिंह और सचिव हिमांशु गुप्ता का ट्रांसफर कर दिया। इसके अलावा ओएसएम सर्विस के टेंडर और खरीद प्रक्रिया की जांच के लिए एक सदस्यीय कमेटी गठित कर दी है। इस बीच ओएसएम प्रणाली में गड़बड़ी का खुलासा करने वाले 12वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत आज दोपहर एक बजे संसद की स्थायी समिति के सामने पेश हुए। ऐसा पहली बार हुआ कि किसी मामले में कोई स्टूडेंट को अपनी बात रखने के लिए बुलाया गया। उधर री-इवैल्यूएशन पोर्टल पर साइबर अटैक हुआ। सीबीएसई के अनुसार 2 मिनट में 15 लाख एक्सेस अटेंप्ट हुए, जबकि 1 लाख से ज्यादा बार सिस्टम की फाइलों तक बिना अनुमति पहुंचने की कोशिश की गयी। हालांकि साइबर अटैक के बावजूद पोर्टल काम करता रहा और दोपहर 3 बजे तक 16 हजार से ज्यादा छात्रों ने आवेदन कर दिया। यह पोर्टल कल शुरू होना था। दरअसल 13 मई को सीबीएसई ने12वीं का रिजल्ट जारी किया था। इस बार पहली बार कॉपियां कंप्यूटर स्क्रीन (सर्विस) पर चेक की गयी थीं। रिजल्ट आने के बाद कई छात्रों ने नंबरों को लेकर शिकायत की, जिसके बाद पूरे मामले की जांच शुरू की गयी है। 12वीं के छात्र सार्थक सिद्धांत ने आज संसद की स्थायी समिति के सामने पेश हुए। उन्होंने ओएसएम प्रणाली के लागू होने और इसके टेंडर प्रक्रिया में कथित अनियमितताओं को लेकर अपनी बात रखी। सूत्रों के मुताबिक संसद भवन एनेक्सी में शिक्षा, महिला, बाल, युवा और खेल मामलों की संसदीय स्थायी समिति की बैठक में सार्थक सिद्धांत ने कहा कि मेरे ब्लॉग के अनुसार कम से कम 15 खामियां हैं। इसके बाद शिक्षा मंत्रालय ने सीबीएसई से कोएम्प्ट को टेंडर देने को लेकर बोर्ड से रिपोर्ट मांगी है। संसदीय स्थायी समिति के अध्यक्ष दिग्विजय सिंह ने कहा कि सार्थक ने समिति के समक्ष अपनी बात रखी है। अब समिति उनके उठाये गये मुद्दों और सीबीएसई के जवाबों पर विचार करेगी। दिल्ली के वेदांत श्रीवास्तव ने भी 12वीं की परीक्षा दी थी। फिजिक्स में 65 नंबर मिले तो उन्होंने आवाज उठायी। रीवैल्युएशन में कॉपी मिली तो गड़बड़ी का पता चला। पहले उन्हें सोशल मीडिया पर ट्रोल किया गया। ट्रोलर्स ने उन्हें देशद्रोही तक कहा, बाद में बोर्ड ने गलती मानी और माफी मांगी। रांची के 17 साल के शेष पृष्ठ आठ पर

## धर्मेंद्र प्रधान को बचाने के लिए अधिकारियों पर गिरी गाज : राहुल

**नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के चेयरमैन और सचिव के तबादले के बाद आज कहा कि यह मामले पर पर्दा डालने की कोशिश है, क्योंकि अधिकारियों को हटा दिया गया और शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को बचा लिया गया। उन्होंने यह भी कहा कि शिक्षा मंत्री को बर्ख़ास्त किया जाए और स्वतंत्र न्यायिक जांच हो। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किया कि सीबीएसई चेयरमैन का तबादला, सीबीएसई सचिव का तबादला, एक-सदस्यीय जांच समिति गठित। और असल ज़िम्मेदार, धर्मेंद्र प्रधान सुरक्षित। उन्होंने आरोप लगाया कि अधिकारियों को हटा दिया गया और मंत्री को बचा लिया गया। उन्होंने कहा कि यह जवाबदेही नहीं, बल्कि यह यह शेष पृष्ठ आठ पर

## पुनर्मूल्यांकन पोर्टल पर सेवा को बाधित करने का प्रयास : सीबीएसई

**नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने आज कहा कि दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने साइबर हमलों की एक श्रृंखला के माध्यम से उसके पुनर्मूल्यांकन पोर्टल पर सेवाओं को बाधित करने का प्रयास किया, जिसमें एक ऐसा हमला भी शामिल है, जिसके कारण दो मिनट के भीतर प्लेटफॉर्म पर 15 लाख हिट हुए और अनधिकृत रूप से फाइल हासिल करने के एक लाख से अधिक प्रयास किये गये। सीबीएसई ने कहा कि पोर्टल वर्तमान में 8,000 से अधिक उपयोगकर्ताओं को सहायता प्रदान कर रहा है और अपराह्न 3 बजे तक 16,000 से अधिक छात्रों ने सफलतापूर्वक अपनी प्रविष्टियां जमा कर दीं। बोर्ड ने एक्स पर एक पोस्ट शेष पृष्ठ आठ पर

## मूंगा रेशम क्षेत्र को बढ़ावा, सेनेह जोरी मिशन शुरू

- 411 करोड़ का निवेश, 2.5 लाख हितधारक होंगे लाभांवित
- कृषि व ग्रामीण विकास के लिए फंड की नहीं होगी कमी : चौहान

गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)। असम के प्रसिद्ध मूंगा रेशम उद्योग की तस्वीर बदलने के लिए पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आज 411 करोड़ रुपये की लागत वाली मिशन मूंगा सिल्क सेनेहजोड़ी परियोजना की वर्चुअल शुरुआत की। राष्ट्रीय राजधानी के संचार भवन में आयोजित इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा, कपड़ा राज्य मंत्री पवित्र मार्घेरिटा और डोनेर राज्य मंत्री सुकांत मजूमदार भी शामिल हुए। इस महत्वाकांक्षी परियोजना का मुख्य उद्देश्य असम में मूंगा रेशम उत्पादन से जुड़े 2.5 लाख से अधिक बुनकरों, पालकों और उद्यमियों को सशक्त बनाना है। केंद्रीय मंत्री सिंधिया ने इस पहल को असम के सुनहरे धागे के लिए एक परिवर्तनकारी कदम बताते हुए कहा कि यह तीन वर्षीय मिशन मूगा रेशम की गुणवत्ता सुधारने, उत्पादन बढ़ाने और इसे वैश्विक बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेगा, ताकि इसे खेत से लेकर विदेशी तटों तक पहुंचाया जा सके। केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के आठ राज्यों को अष्टलक्ष्मी के रूप में उनकी अनूठी ताकत के आधार पर पहचाना है, जिसमें असम को उसके विश्व प्रसिद्ध मूगा रेशम के लिए चुना गया है। इस मिशन के तहत डोनेर मंत्रालय, असम सरकार, कपड़ा मंत्रालय, सहकारिता मंत्रालय, अपेडा, आईसीएआर और डीआरडीओ सहित 11 हितधारक मिलकर काम कर रहे हैं। परियोजना के हिस्से के रूप में जोरहाट, शिवसागर, सुआलकुची, माजुली और लखीमपुर में पांच आधुनिक शेष पृष्ठ आठ पर

**सुप्रभातम्**

दूसरों से हमेशा ऐसा व्यवहार करो, जैसा आप दूसरों से अपने लिए चाहते हैं।

## आज भारत आएंगी वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति

**नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज ऊर्जा, व्यापार और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए कल पांच दिन की भारत यात्रा पर आएंगी। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी। मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने बताया कि रोड्रिगेज तीन से सात जून तक भारत की यात्रा पर रहेंगी शेष पृष्ठ आठ पर

## हैलाकांदी कांग्रेस के चार महासचिव तत्काल प्रभाव से निलंबित

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई के निर्देश पर पार्टी ने एक बड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की है। इसके तहत हैलाकांडी जिला कांग्रेस के चार महासचिवों को पार्टी से तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है। पार्टी के महासचिव (संगठन) रामन्ना बरुआ द्वारा जारी एक आधिकारिक आदेश के अनुसार निलंबित किये गये पदाधिकारियों में हैलाकांडी के महासचिव जहान उद्दीन बरभुइया, सारिम शेष पृष्ठ आठ पर

## एक करोड़ के ड्रग्स के साथ दो गिरफ्तार

**जोरहाट, 2 जून (भा)।** जोरहाट जिले में आज लगभग एक करोड़ रुपये के मादक पदार्थ जब्त किये गये। इस मामले में दो कथित तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर एक टीम ने जोरहाट सदर पुलिस थाना क्षेत्र के व्यस्त चोलोधारा इलाके में मोटरसाइकिल पर सवार दो लोगों को रोका। तलाशी अभियान के दौरान पुलिस ने उनके पास से 22 पैकेटों में छिपायी गयी हेरोइन और नकदी जब्त की। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी कथित तौर पर नगालैंड के वोखा से जोरहाट तक हेरोइन की तस्करी कर रहे थे।

## नलबाड़ी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए बने कानून : भाजपा

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** प्रदेश भाजपा ने राज्य में मिया समुदाय के अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उनके खिलाफ सख्त कानून बनाने की वकालत की है। पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने नलबाड़ी जिले के चामता भकतपारा में युवा छात्र नेता माधुर्य बर्मन की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि लव जिहाद की साजिश का शिकार हुई अपनी बहन मृदुमुद्रा डेका की जान बचाते हुए माधुर्य ने अपनी शहादत दी, जो पूरे समाज के लिए साहस का एक बड़ा आदर्श है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल उनकी बहन वर्तमान में गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही हैं। उन्होंने इस घटना को सनातन संस्कृति और असमिया समाज पर एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया हमला करार दिया है। प्रवक्ता ने कांग्रेस, राइजोर दल, असम जातीय परिषद और वामपंथी विचारधारा के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की शेष पृष्ठ आठ पर

## गौरव ने जताया दुख, महिला सुरक्षा के लिए एकजुट होने का किया आह्वान

गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष गौरव गोगोई ने नलबाड़ी में घटित माधुर्य बर्मन की सनसनीखेज हत्या और मृदुमुद्रा डेका नाम की युवती पर हुए बर्बर हमले को लेकर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। इस दुर्भाग्यपूर्ण और जघन्य कांड की कड़े शब्दों में निंदा करते हुए उन्होंने महिला सुरक्षा के हित में समाज को और अधिक जागरूक होने की अपील की है। एक आधिकारिक बयान में गोगोई ने कहा कि नलबाड़ी में हुई इस दुखद घटना ने पूरे असम के साथ-साथ उन्हें भी अंदर तक झकझोर कर रख दिया है। हमले में गंभीर रूप से घायल होकर अस्पताल में जिंदगी की जंग लड़ रही युवती के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करते हुए गोगोई ने ईश्वर से प्रार्थना की कि वह जल्द से जल्द ठीक होकर अपनी सामान्य जिंदगी में लौट सके। इसके साथ ही इस हमले में बेरहमी से अपनी जान गंवाने वाले युवक माधुर्य बर्मन की असामयिक मृत्यु पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना की और शोक संतप्त परिवार के शेष पृष्ठ आठ पर

## अब भी खतरे से बाहर नहीं मृदुमुद्रा

**गुवाहाटी, 2 जून (एजें)।** नलबाड़ी में हुए चाकू हमले की शिकार मृदुमुद्रा की हालत में कुछ सुधार जरूर हुआ है, लेकिन चिकित्सकों के अनुसार वह अभी भी पूरी तरह खतरे से बाहर नहीं हैं। वर्तमान में उनका इलाज गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार मृदुमुद्रा के शरीर पर चार से पांच स्थानों पर चाकू से गंभीर वार किये गये थे। हमले में लगी चोटें इतनी गंभीर थीं कि उनका एक घाव फेफड़ों तक पहुंच गया था, जिसके कारण उनकी स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। आज जीएमसीएच के प्राचार्य देवजीत चौधरी ने मीडिया को मरीज की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पहले की तुलना में मृदुमुद्रा की हालत में सुधार हुआ है, लेकिन अभी उन्हें पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता। डॉक्टरों के अनुसार दो यूनिट रक्त शेष पृष्ठ आठ पर

## हिमंत ने की नीति आयोग के नये उपाध्यक्ष से भेंट

### सुधार संबंधी साझेदारी को मजबूत करने का लिया संकल्प

गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में डॉ. अशोक लाहिड़ी की हालिया नियुक्ति पर उन्हें बधाई दी और राष्ट्रीय नीति विचार-मंथन संस्था के साथ अपनी साझेदारी को मजबूत करने के लिए राज्य की प्रतिबद्धता व्यक्त की। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में डॉ. लाहिड़ी के साथ अपनी मुलाकात का विवरण साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि नव नियुक्त उपाध्यक्ष सार्वजनिक नीति और वित्त में व्यापक अनुभव रखते हैं। उन्होंने नीति आयोग के नीति निर्माण और सुधार एजेंडा में डॉ. लाहिड़ी के योगदान की सराहना भी की। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि असम सरकार सुधारों और विकासात्मक नीतियों को लागू करने में नीति आयोग के साथ अपने सहयोग को और गहरा करने के लिए उत्सुक है। बैठक के बाद एक सोशल मीडिया पोस्ट में उन्होंने कहा कि असम सरकार का मुख्य उद्देश्य नीति आयोग के साथ उन सुधारों और नीतियों को लागू करने में अपनी साझेदारी को और मजबूत करना है, जो राज्य के लोगों के जीवन स्तर को बेहतर बनाएंगी। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है, जब असम केंद्रीय संस्थानों के सहयोग से शासन सुधारों, अवसंरचना विकास और कल्याणकारी पहलों को आगे बढ़ा रहा है। राज्य के अधिकारियों का भी मानना है कि नीति आयोग के साथ इस घनिष्ठ सहयोग से नीति कार्यान्वयन में तेजी आएगी और प्रमुख क्षेत्रों में बेहतर परिणाम प्राप्त होंगे। गौरतलब है कि प्रतिष्ठित अर्थशास्त्री और सार्वजनिक नीति विशेषज्ञ डॉ. लाहिड़ी ने सरकार और शिक्षा जगत में कई महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है। नीति आयोग के उपाध्यक्ष के रूप में उनकी इस नियुक्ति से भारत की विकास प्राथमिकताओं को निर्धारित करने और राज्यों को सतत एवं समावेशी विकास प्राप्त करने में सहयोग देने में संस्थान की भूमिका को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

## पार्टी छोड़ने की अटकलों के बीच अन्नामलाई ने की शाह से मुलाकात

**नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के पूर्व अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने पार्टी छोड़ने और नया दल बनाने की अटकलों के बीच आज यहां केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से उनके आवास पर मुलाकात की। सूत्रों ने बताया कि अन्नामलाई और शाह की मुलाकात करीब 30 मिनट तक चली, लेकिन बैठक में दोनों के बीच क्या शेष पृष्ठ आठ पर

### असम साइबर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

## 3.85 करोड़ के डिजिटल अरेस्ट साइबर ठगी मामले में आरोपी गिरफ्तार

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** साइबर अपराध के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत असम पुलिस की साइबर शाखा ने करोड़ों रुपये की ऑनलाइन ठगी में कथित रूप से शामिल एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी पर विभिन्न राज्यों के लोगों को निशाना बनाकर डिजिटल अरेस्ट के नाम पर ठगी करने का आरोप है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान अमित कुमार बेरिया के रूप में हुई है, जिसे दिसपुर क्षेत्र से साइबर पुलिस की टीम ने हिरासत में लिया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार आरोपी एक संगठित साइबर ठगी गिरोह से जुड़ा हुआ था और उस पर लगभग 3.85 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी में संलिप्त होने का आरोप है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी और उसके सहयोगी मुख्य रूप से असम से बाहर के लोगों को अपना निशाना बनाते थे। आरोप है कि उन्होंने तेलंगाना के एक व्यक्ति से 26 लाख रुपये, जबकि महाराष्ट्र के दो लोगों से लगभग 44 लाख रुपये की ठगी की। इसके अतिरिक्त ओडिशा के एक व्यक्ति से भी कथित रूप से 26.20 लाख रुपये ठगे गए। पुलिस के अनुसार मामले का खुलासा तब हुआ जब कम समय में आरोपी के बैंक खाते में असामान्य रूप से बड़ी रकम जमा होने लगी। इस संदिग्ध लेन-देन को देखते हुए एचडीएफसी बैंक की सिक्स माइल शाखा ने सीआईडी साइबर पुलिस थाने में शिकायत दर्ज शेष पृष्ठ आठ पर

## कांग्रेस के वाजिद अली चौधरी बने विस के विपक्ष के नेता

**गुवाहाटी, 2 जून (भा)।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता वाजिद अली चौधरी को असम विधानसभा में विपक्ष का नेता बनाया गया है। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक आधिकारिक संदेश से मिली। असम विधानसभा ने एक फेसबुक पोस्ट में बताया कि विधानसभा अध्यक्ष रणजीत कुमार दास ने चौधरी को विपक्ष का नेता नियुक्त किया है। कांग्रेस ने 26 मई को चौधरी को असम में अपने विधायक दल का नेता नामित किया था और जॉय प्रकाश दास को कांग्रेस विधायक दल का उपनेता नियुक्त किया गया था। भाजपा, असम गण परिषद (अगप) और बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) से मिलकर बने राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने विधानसभा चुनाव में शानदार जीत हासिल करते हुए 126 सदस्यीय विधानसभा में रिकॉर्ड 102 सीट जीतीं। अकेले भाजपा को 82 सीट मिलीं, जबकि अगप और बीपीएफ ने 10-10 सीट जीतीं। छह दलों के विपक्षी गठबंधन का हिस्सा रहीं कांग्रेस और राइजोर दल ने शेष पृष्ठ आठ पर

## वैभव सूर्यवंशी पर आईआईएस इंदौर करेगा स्टडी

**जयपुर, 2 जून (एजें)।** इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आईआईएस) इंदौर क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी को केस स्टडी में शामिल करने जा रहा है। वैभव मॉडल पर देश की पहली मल्टी-डिसिप्लिनरी स्टडी होगी। इसमें खेल-मनोविज्ञान-प्रबंधन के एक्सपर्ट मिलकर छोटी उम्र में बड़ी सफलता का फॉर्मूला खोजेंगे। 15 साल के वैभव आईपीएल के एक सीजन में सर्वाधिक 72 छक्के मारकर क्रिस गेल (59) का रिकॉर्ड तोड़ चुके हैं। उनकी हैरतंगेज बैटिंग की दुनिया कायल है। अब आईआईएम इंदौर उनके सक्सेस फॉर्मूले को डिकोड करने पर काम शुरू कर रहा है। डायरेक्टर हिमांशु रॉय ने कहा- यह स्टडी वैभव की उपलब्धियों का विश्लेषण करने के साथ उन सामाजिक, मनोवैज्ञानिक, पारिवारिक व संस्थागत कारकों को भी गहराई से समझेगी जो कम उम्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली प्रतिभाओं को आकार देते हैं। प्रो. राय ने कहा कि का मानना है कि वैभव की क्रिकेट जर्नी अद्भुत है। इसके पीछे व्यक्तिगत क्षमता के अलावा कड़ी मेहनत, परिवार का त्याग, समर्पण, मेंटर का योगदान भी अहम है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा उपहार हो सकती है,

### माइंडसेट-मैनेजमेंट का होगा स्कैन

पर उसे स्थायी उत्कृष्टता में बदलने के लिए सही मूल्य, संतुलित सोच, मजबूत समर्थन तंत्र व दूरदर्शी नेतृत्व जरूरी है। मैनेजमेंट फैकल्टी डॉ. आरती चोपड़ा कहती हैं कि वैभव पर स्टडी भविष्य के प्रबंधकों व नीति-निर्माताओं के लिए अत्यंत मूल्यवान है। 57 हाइट और 55 किलो वजन के वैभव अपनी जबर्दस्त बैट स्पीड और टाइमिंग के दम पर गेंद को बाउंड्री पार भेजते हैं। बचपन के कोच मनीष ओझा द्वारा तराशे गये वैभव की तकनीक और बैट स्पीड पर अब राजस्थान रॉयल्स के जुबिन भरूचा काम कर रहे हैं। कोच विक्रम राठौर भी इनके बैलेंस के कायल हैं। महज 0.3 सेकंड के डिसीजन टाइम के कारण गेंदबाजों को सेट होने का मौका नहीं मिलता। राहुल द्रविड़ ने जब इन्हें संभलकर खेलने को कहा, तो इनका बेबाक जवाब था- सर, गेंदबाज मुझे देखे। आउट होने के डर से मुक्त इनका शेप प्रेशर में भी नहीं बिगड़ता। हिमांशु रॉय ने कहा कि स्टडी में डार्क साइड पर भी फोकस होगा। कम उम्र में प्रसिद्धि, करोड़ों के ऑफर व सोशल मीडिया का दबाव टैलेंट को विचलित कर देता है। कई बच्चे मानसिक थकान और उम्मीदों के बोझ के कारण पूरी क्षमता तक नहीं पहुंच पाते। उन्होंने कहा कि कोशिश ऐसे सहयोगी तंत्र का शेष पृष्ठ आठ पर

## काजीरंगा में पायी गयी येलो थ्रोटेड-मार्टेन की नयी प्रजाति

**गुवाहाटी, 2 जून (भाषा)** असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में मार्टेन की एक नयी प्रजाति पायी गयी है। राज्य सरकार ने आज यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया पर जारी एक पोस्ट में कहा कि काजीरंगा में पीले गले वाला मार्टेन (येलो-थ्रोटेड मार्टन) दिखाई देना असम के संरक्षण मॉडल की मजबूती को रेखांकित करता है। यहां के संरक्षित आवास अपनी समृद्ध जैव विविधता और वन्यजीवों के संरक्षण में निरंतर मदद करते हैं। येलो-थ्रोटेड मार्टन नेवला प्रजाति का एक जीव है। बयान में कहा गया है कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम संरक्षण की ऐसी सफलता की कहानियां लिख रहा है, जो न केवल प्राकृतिक श्यों की रक्षा करती हैं बल्कि फूलते-फलते पारिस्थितिकी तंत्र के पोषण तक विस्तृत हैं। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान एवं बाघ अभयारण्य पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है, जहां प्रसिद्ध एक सींग वाले गैंडे को देखने के लिए बड़ी संख्या में घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटक आते हैं। यूनेस्को के विश्व धरोहर स्थल काजीरंगा पार्क को 1974 में राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया था। इस उद्यान में दुनिया के एक सींग वाले गैंडों की सबसे बड़ी आबादी निवास करती है। इसके साथ ही यह बाघ, हाथी, तेंदुए और भालू सहित कई स्तनधारियों तथा हजारों पक्षियों का बसेरा भी है।

पेज : 6 देश को एकता के सूत्र में जोड़ेगा त्रिभाषा फॉर्मूला

पेज : 8 मुंबई की सड़कों पर नमाज पढ़ने से रोका जाए, नेता किरीट सोमैया ने लिखा लेटर

पेज : 9 कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान से राजस्थान में होगा नयी ऊर्जा का संचार

प्रातः खबर
बुधवार, 3 जून, 2026

# विप्र फाउंडेशन की घटती प्रासंगिकता के बीच पूर्वोत्तर में अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा का गठन

## संगठन के सदस्यों में दिखा भारी असंतोष, केंद्रीय नेतृत्व के अधिनायकवादी रवैये से खफा

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** देशभर में ब्राह्मण समाज के बीच तेजी से अपनी प्रासंगिकता खो रहे विप्र फाउंडेशन को पूर्वोत्तर भारत में बड़ा झटका लगा है। लंबे समय से संगठन से जुड़े कई प्रमुख पदाधिकारियों एवं प्रभावशाली समाजबंधुओं ने संगठन से दूरी बनाते हुए एक नए मंच अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा के गठन की घोषणा कर दी है। इस घटनाक्रम को पूर्वोत्तर में विप्र फाउंडेशन के प्रभाव में आई बड़ी गिरावट के रूप में देखा जा रहा है। सूत्रों के अनुसार, परशुराम सेवा सदन में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के प्रमुख चेहरों में शामिल राजकुमार सोती, सी कुमार पारीक तथा अन्य वरिष्ठ समाजबंधुओं ने विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नये संगठन के गठन का निर्णय लिया उल्लेखनीय है कि इन नेताओं की पहचान लंबे समय तक विप्र फाउंडेशन के मजबूत स्तंभों के रूप में रही है। ऐसे में उनका नये संगठन के साथ आगे आना संगठन के भीतर बढ़ते असंतोष का स्पष्ट संकेत माना जा रहा है। जानकारों का मानना है कि पिछले कुछ वर्षों में विप्र फाउंडेशन की संगठनात्मक सक्रियता, कार्यप्रणाली और नेतृत्व शैली को लेकर समाज के भीतर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। पूर्वोत्तर में इसका प्रभाव उस समय और स्पष्ट रूप से सामने आया, जब संगठन के कई वरिष्ठ पदाधिकारियों ने न केवल नये मंच के गठन में सक्रिय भूमिका निभायी, बल्कि सोशल मीडिया पर भी खुले तौर पर उसके प्रचार-प्रसार में जुट गये। इससे यह संदेश गया कि संगठन के भीतर असंतोष अब दबा हुआ नहीं, बल्कि सार्वजनिक रूप धारण कर चुका है। सूत्रों की मानें तो पूर्वोत्तर में विप्र फाउंडेशन से जुड़े अनेक कार्यकर्ता और पदाधिकारी अब नए संगठन के साथ जुड़ने की तैयारी में हैं। समाज के एक बड़े वर्ग का मानना है कि वर्तमान परिस्थितियों में ब्राह्मण समाज के हितों, सामाजिक सरोकारों और संगठनात्मक उद्देश्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने के लिए एक नये और अधिक सक्रिय मंच की आवश्यकता थी, जिसकी पूर्ति अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा कर सकती है। नवगठित अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा का उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के सभी राज्यों में ब्राह्मण समाज को एकजुट करना, समाज सेवा, शिक्षा, सांस्कृतिक संरक्षण, युवा नेतृत्व निर्माण तथा सामाजिक जागरूकता के क्षेत्रों में कार्य करना होगा। संगठन के मुख्य संरक्षक के रूप में राजकुमार सोती को दायित्व सौंपा गया है। उनके नेतृत्व में संगठन को मजबूत आधार देने तथा समाज के अधिकाधिक लोगों को जोड़ने की रणनीति बनायी जा रही है। इस संबंध में कल एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की जाएगी, जिसमें संगठन की संरचना, विभिन्न पदों पर नियुक्तियां, आगामी कार्यक्रमों तथा पूर्वोत्तर के सभी राज्यों में विस्तार की रूपरेखा पर चर्चा होगी। समाज के वरिष्ठ लोगों का विश्वास है कि अंतर्राष्ट्रीय ब्राह्मण सभा आने वाले समय में पूर्वोत्तर भारत में ब्राह्मण समाज के लिए एक सशक्त, प्रभावी और परिणामोन्मुखी मंच के रूप में स्थापित होगी। वहीं, इस घटनाक्रम ने यह भी स्पष्ट संकेत दे दिया है कि पूर्वोत्तर में ब्राह्मण समाज की संगठनात्मक दिशा अब एक नये अध्याय की ओर बढ़ रही है।

## सीमा मुद्दे पर बालेन की टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन, संसद की कार्यवाही स्थगित

**काठमांडू, 2 जून (भा)।** नेपाल की संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही आज स्थगित कर दी गयी, क्योंकि सांसदों ने भारत के साथ सीमा विवाद को लेकर प्रधानमंत्री बालेन शाह की टिप्पणियों के विरोध में लगातार हंगामा जारी रखा। संसद के निचले सदन- प्रतिनिधि सभा की कार्यवाही आठ जून तक के लिए स्थगित कर दी गयी, जबकि नेशनल असेंबली को कल तक स्थगित किया गया। इससे पहले, कल भी संसद सत्र स्थगित किया गया था। विपक्षी सांसद प्रधानमंत्री बालेन की रविवार को संसद में की गयी टिप्पणी का विरोध कर रहे थे, जिसमें उन्होंने कहा था कि न केवल भारत, बल्कि नेपाल ने भी कई स्थानों पर भारत के क्षेत्रों पर अतिक्रमण किया है, जिससे विवाद खड़ा हो गया। बालेन ने अपने संबोधन में, विस्तार से बताये बिना, यह संकेत दिया कि भारत और नेपाल ने इतिहासकारों, सर्वेक्षकों और विशेषज्ञों की मदद से समाधान निकालने पर सहमति जतायी है। उन्होंने यह भी कहा कि काठमांडू ने इस मामले को चीन और ब्रिटेन के समक्ष भी उठाया है। भारत ने हिमालयी देश के साथ सीमा विवाद के समाधान में तीसरे पक्ष की किसी भी प्रकार की भूमिका को आज स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। प्रतिनिधि सभा में आज बैठक शुरू होते ही विपक्षी सांसदों ने प्रधानमंत्री बालेन शाह की टिप्पणी के खिलाफ विरोध जताया। अध्यक्ष डोल प्रसाद आर्यल ने सदस्यों से शांत रहने और सदन की कार्यवाही में सहयोग करने का आग्रह किया, लेकिन विपक्षी सांसदों ने उनकी अपील पर ध्यान नहीं दिया। विपक्षी सदस्य प्रधानमंत्री बालेन के बयान को वापस लेने और उसे संसद की कार्यवाही के अभिलेख से हटाने की मांग कर रहे थे। संसद सचिवालय के सूत्रों के अनुसार इसके बाद सदन की कार्यवाही स्थगित कर दी गयी।

### पंचांग

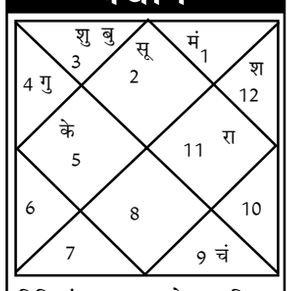


तिथि संवत: प्रथम ज्येष्ठ (अधिक) कृष्ण पक्ष तृतीया रात्रि 9.20 बजे तक रहेगी।
विक्रम संवत 2083 शाके 1948, सूर्य उत्तरायण, ऋतु ग्रीष्म, नव सवंत्सर (रौद्र) तारीख 3 जून बुधवार।
सूर्योदयकालीन नक्षत्र : पूर्वाषाढ़ा।
योग :- शुभ प्रातः 8.11 बजे तक इसके बाद शुक्ल योग रहेगा।
करण-वणिज प्रातः 8.11 बजे तक तदुपरांत विष्टि करण रात्रि 9.20 बजे तक रहेगा।
ग्रह विचार : (प्रातः 4.30) सूर्य-वृष, चंद्र-धनु, मंगल-मेष, बुध-मिथुन, गुरु-कर्क, शुक्र-मिथुन, शनि-मीन, राहु-कुंभ, केतु-सिंह राशि में स्थित है।
राहुकाल : दोपहर 12.00 बजे से 1.30 बजे तक रहेगा।
सूर्योदय : 4.30 बजे सूर्यास्त 6.10 बजे।

**ज्योतिर्विद विकास तिवाड़ी**
**गुवाहाटी मो. 9529781915**

## ममता के धरना प्रदर्शन में तृणमूल के चंद नेता शामिल हुए : शुभेंदु अधिकारी

**कोलकाता, 2 जून (भा)।** पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने आज दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस के कुछेक नेता ही कोलकाता में पार्टी प्रमुख ममता बनर्जी के धरने में शामिल हुए। शुभेंदु अधिकारी ने हुगली जिले के प्रसिद्ध तारकेश्वर मंदिर में पूजा-अर्चना करने के बाद संवाददाताओं से कहा कि ममता बनर्जी के विरोध प्रदर्शन में सिर्फ तीन सांसद और छह विधायक ही शामिल हुए, तृणमूल की हालत अब दयनीय है। यह फाल्टा जैसी हो गयी है। बनर्जी ने विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) जीत के बाद तृणमूल कार्यकर्ताओं और नेताओं पर कथित तौर पर हुए हमलों के विरोध में आज मध्य कोलकाता में एक दिवसीय धरना दिया। फाल्टा विधानसभा सीट पर हुए पुनर्मतदान में भाजपा ने एक लाख से अधिक मतों के अंतर से जीत हासिल की थी। इस निर्वाचन क्षेत्र को लंबे समय से तृणमूल का गढ़ माना जाता था। हालांकि, 24 मई को पुनर्मतदान के आये नतीजे में तृणमूल उम्मीदवार जहांगीर खान चौथे स्थान पर रहे और उनकी जमानत जब्त हो गयी। शुभेंदु ने तारकेश्वर के शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि मंदिर का बंगाल के राजनीतिक इतिहास में महत्वपूर्ण स्थान रहा है। उन्होंने कहा कि बंगाल में हिंदुत्व आज भी जीवित है और फल-फूल रहा है। मुझे यहां तिलक लगाने और पूजा-अर्चना करने का अवसर मिला। शुभेंदु ने कहा कि तारकेश्वर से संबंधित कुछ कदम उठाये जाने की योजना बनायी जा रही है। हालांकि, मैं कल की कैबिनेट बैठक से पहले कुछ भी खुलासा नहीं करूंगा। उन्होंने कहा कि मंदिर के कामकाज की देखरेख के लिए एक अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट को प्रशासक नियुक्त किया जाएगा, क्योंकि फिलहाल कोई न्यासी बोर्ड मौजूद नहीं है।

## वन्यजीव जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** असम राज्य चिड़ियाघर सह वानस्पतिक उद्यान में आज प्रथम अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट गठबंधन (आईबीसीए) शिखर सम्मेलन भारत-2026 के उद्घाटन संस्करण का आयोजन किया गया। केंद्रीय चिड़ियाघर प्राधिकरण के निर्देशों के अनुसार इस विशेष दिन पर असम राज्य चिड़ियाघर परिसर के भीतर स्कूली छात्रों के साथ एक जागरूकता पदयात्रा और बड़ी बिल्ली प्रजातियों के संरक्षण पर एक विशेष सत्र का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान चिड़ियाघर के वन्यजीव वैज्ञानिकों और पशु चिकित्सकों ने एक परिचर्चा का आयोजन किया। उन्होंने भारत में पायी जाने वाली स्वदेशी बड़ी बिल्ली प्रजातियों की जैव विविधता, पर्यावरण का संतुलन बनाये रखने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और उनके संरक्षण के लिए आवश्यक विशेष चिकित्सा सेवाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला। इस जागरूकता कार्यक्रम ने गुवाहाटी के शंकरदेव विद्या निकेतन के 150 युवा छात्रों के बीच वन्यजीवों के प्रति भारी उत्सुकता पैदा की।

## एलएंडटी व भारती एंटरप्राइजेज ने मुख्यमंत्री से असम में विस्तार योजनाओं पर चर्चा की

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) और भारती एंटरप्राइजेज के शीर्ष नेतृत्व के साथ अलग-अलग महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन मुलाकातों के दौरान राज्य में चल रही विभिन्न विकास परियोजनाओं की समीक्षा की गयी और भविष्य के निवेश के अवसरों पर विस्तार से चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक आवास पर एलएंडटी के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक एसएन सुब्रह्मण्यन से मुलाकात कर कंपनी द्वारा असम में चलायी जा रही इंजीनियरिंग और बुनियादी ढांचा क्षेत्र की प्रमुख परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। इस बैठक के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर जानकारी साझा करते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि उन्होंने असम में एलएंडटी की परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और उन्हें तय समय सीमा के भीतर पूरा करने के रोडमैप पर चर्चा की है। इसी सिलसिले को आगे बढ़ाते हुए मुख्यमंत्री ने भारती एंटरप्राइजेज के उपाध्यक्ष राजन भारती मित्तल के साथ भी एक अहम बैठक की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र बिंदु दूरसंचार क्षेत्र में समूह की विस्तार योजनाएं रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बातचीत के दौरान असम के उन सुदूरवर्ती और वंचित क्षेत्रों को जोड़ने पर विशेष जोर दिया गया, जहां अभी तक इंटरनेट की सुविधा नहीं पहुंच पायी है, ताकि राज्य के अधिक से अधिक लोग बेहतर फोन और इंटरनेट कनेक्टिविटी का लाभ उठा सकें। इन बैठकों से स्पष्ट है कि असम सरकार बड़े कॉर्पोरेट समूहों के सहयोग से राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास को गति देने और डिजिटल कनेक्टिविटी को हर कोने तक पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

## मोरिसूती साप्ताहिक बाजार में हादसा, तेज आंधी से भारी नुकसान

**जामुगुड़ीहाट, 2 जून (ख.सं)।** जामुगुड़ीहाट के मोरिसूती क्षेत्र में लगने वाले मंगलवार के साप्ताहिक बाजार में अचानक आये भीषण तूफान के कारण एक बड़ा हादसा हो गया। तेज आंधी के दौरान एक विशाल पेड़ बाजार परिसर में गिर पड़ा, जिससे बाजार क्षेत्र में व्यापक नुकसान हुआ। तूफान की चपेट में आने से बाजार में बने कई अस्थायी ढांचे और दुकानें क्षतिग्रस्त हो गयी। घटना के समय बाजार में बड़ी संख्या में लोग मौजूद थे, जिससे कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पेड़ गिरने और तेज हवाओं के बावजूद बाजार में मौजूद लोगों ने किसी तरह सुरक्षित स्थानों पर पहुंचकर अपनी जान बचायी। राहत की बात यह रही कि इस घटना में किसी के हताहत या घायल होने की सूचना नहीं मिली है। स्थानीय लोगों ने बताया कि अचानक आये इस प्रचंड तूफान ने बाजार क्षेत्र में काफी नुकसान पहुंचाया है। प्रशासन द्वारा स्थिति का आकलन किया जा रहा है तथा प्रभावित लोगों को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने की प्रक्रिया शुरू की गयी है। इस घटना ने एक बार फिर प्राकृतिक आपदाओं के दौरान सतर्कता और सुरक्षा उपायों की आवश्यकता को उजागर किया है।

## कनकधारा जन कल्याण चेरिटेबल ट्रस्ट ने किया विजय गुप्ता को सम्मानित

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** पांडू स्थित पश्चिम कामाख्या गांव में स्थित श्री कनकधारा जन कल्याण चैरिटेबल ट्रस्ट आश्रम में विधायक विजय गुप्ता का उनकी धर्म पत्नी सहित धार्मिक रीति रिवाज से भव्य सम्मान किया गया। इस अवसर पर आश्रम की मुख्य संचालिका कनकधारा स्वामी स्वदेशानंद ने द्वार पर विधायक को मंत्रोच्चारण के साथ तिलक लगाकर आश्रम में प्रवेश कराया। इसके पश्चात संक्षिप्त रूप से कनकधारा लक्ष्मी की पूजा की गयी। इस अवसर पर असम गोर्खा सम्मेलन पांडू शाखा के अध्यक्ष कमल शर्मा, बीएलओ और कामाख्या गांव महिला समिति की सचिव बेबी दहाल के अलावा प्रवीण अग्रवाल और अनिशा अग्रवाल ने विधायक को फूलाम गामोछा से सम्मानित किया। इसके अलावा सात नंबर वार्ड के पार्षद अजय चक्रवर्ती का भी फूलाम गामोछा से सम्मान किया गया। गुप्ता ने कहा कि हालांकि यह आश्रम मेरे विधानसभा क्षेत्र में नहीं आता है, फिर भी मैं भक्ति और भाव के कारण इस आश्रम में आया हूं। कनकधारा मंदिर में उपस्थित होना एक सौभाग्य की बात है। यहां आकर मुझे आत्म शांति की अनुभूति हो रही है। आश्रम की संचालिका कनकधारा स्वामी स्वदेशानंद ने विधायक को संबोधित करते हुए कहा कि भविष्य में कामाख्या कॉरिडोर बनने वाला है। उस समय भक्तों का जन सैलाब का दबाव मंदिर में पड़ेगा। अतः इस दबाव को कम करने के लिए पश्चिम कामाख्या गांव से कामाख्या मंदिर तक जाने वाली पगडंडी को विस्तारित कर इसे एक पक्की सड़क के रूप में बनाने की मांग हम कर रहे हैं। बीएलओ बेबी दहाल ने कहा कि गत 60 वर्षों से कई नेपाली समुदाय के लोग पश्चिम कामाख्या गांव के विष्णु मंदिर नेपाली बस्ती में रहते आ रहे हैं। उन्हें सरकार की तरफ से जमीन का मियादी पट्टा दिया जाए तो उनको रोजगार में काफी सुविधा हो जाएगी। इस अवसर पर आश्रम की व्यवस्थापिका बबीता पारीक शर्मा ने सभी को महाप्रसाद वितरित किया। इस कार्यक्रम में प्रणव पसारी, पिंकी शर्मा, मधु पांडे, नवनीत पुजारी के अलावा अन्य कई भक्त उपस्थित थे।

## यूक्रेन पर रूस के हमले में 18 लोगों की मौत, 100 से अधिक घायल

**कीव, 2 जून (एपी)।** रूस ने बीती रात यूक्रेन के कीव और दूसरे शहरों पर सैकड़ों ड्रोन व दर्जनों मिसाइलों से हमला किया, जिसमें कम से कम 18 लोगों की मौत हो गयी और 131 व्यक्ति घायल हो गये। अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने हाल के हफ्तों में मॉस्को के हवाई हमलों का अभियान तेज करने का आदेश दिया है। माना जा रहा है कि इसका उद्देश्य यूक्रेन में अमेरिकी निर्मित वायु रक्षा प्रणालियों की कमी का फायदा उठाना और रूस में बढ़ती निराशा के बीच लोगों को यह विश्वास दिलाना है कि चार साल से जारी युद्ध में देश बढ़त बना रहा है। अधिकारियों के अनुसार, मध्य यूक्रेन के शहर ड्नीप्रो में अपार्टमेंट इमारतों के मलबे में खोजबीन कर रही आपातकालीन बचाव टीमों ने तीन वर्षीय बच्चे, एक महिला और उसके आठ वर्षीय बेटे के शव बरामद किये। हमले सुबह होने के बाद तक जारी रहे और विभिन्न शहरों में धमाकों की गूंज सुनाई देती रही। अधिकारियों ने बताया कि ड्नीप्रो में 12 लोगों और कीव में छह लोगों की मौत हुई है। रूस की ओर से बड़े हवाई हमले की चेतावनी दिये जाने और विदेशी राजनयिकों को यूक्रेन की राजधानी कीव छोड़ने की सलाह दिये जाने के बाद से शहर के निवासी कई दिन से चिंतित थे। हालांकि किसी भी राजनयिक ने इस चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया। हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस के इस व्यापक हमले से स्पष्ट संदेश मिला है कि यदि यूक्रेन को बैलिस्टिक और अन्य मिसाइल हमलों से सुरक्षा नहीं दी गयी, तो ये हमले जारी रहेंगे। उन्होंने अमेरिका और यूरोपीय देशों से अधिक समर्थन की अपील की। रूस की रणनीति यूक्रेन में अमेरिका निर्मित पैट्रियट मिसाइलों की कमी का फायदा उठाने की है। ईरान युद्ध के कारण अंतर्राष्ट्रीय भंडार भी कम हो गये हैं। इसकी वजह से रूसी बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से लोगों का बचाव मुश्किल हो गया है, हालांकि यूक्रेनी वायु रक्षा प्रणाली अधिकांश ड्रोन हमलों को विफल कर रही है। यूक्रेनी वायु सेना के अनुसार रूस ने पूरे यूक्रेन में 73 मिसाइलें और 656 ड्रोन दागे।

## आईआईटी गुवाहाटी की कार्यशाला में जुटे पूर्वोत्तर के 96 शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधि

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी (आईआईटी गुवाहाटी) के शैक्षिक प्रौद्योगिकी केंद्र (सीईटी) द्वारा पूर्वोत्तर के उच्च शिक्षण संस्थानों के लिए एक विशेष एनपीटीईएल जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में डिजिटल लर्निंग, ऑनलाइन सर्टिफिकेशन और शैक्षणिक पहुंच के अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गयी, जिसमें इंजीनियरिंग संस्थानों के साथ-साथ आर्ट्स और साइंस कॉलेजों के 145 संकाय प्रतिनिधियों ने हिस्सा लिया। ये प्रतिनिधि क्षेत्र के 79 कॉलेजों और 17 विश्वविद्यालयों से आये थे। कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को ऑनलाइन प्रमाणन पाठ्यक्रम, क्रेडिट ट्रांसफर, डोमेन प्रमाणन, एआईसीटीई-एनपीटीईएल संकाय विकास कार्यक्रम, इंटर्नशिप के अवसर, गेट तैयारी पोर्टल और प्री-डॉक्टरल फेलोशिप जैसी विभिन्न पहलों से परिचित कराना था। इस दौरान प्रतिभागियों को आईआईटी गुवाहाटी द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न ऑनलाइन शिक्षा और आउटरीच कार्यक्रमों की भी जानकारी दी गयी, जिसमें संस्थान के ऑनलाइन बीएस और एमटेक कार्यक्रमों, एआईसीटीई क्यूआईपी पीजी सर्टिफिकेट, जीआईएएन पाठ्यक्रमों और रक्षा कर्मियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रमों पर प्रकाश डाला गया। कार्यशाला को आईआईटी गुवाहाटी के एनपीटीईएल समन्वयक डॉ. सलिल कश्यप, आउटरीच शिक्षा और कौशल विकास के डीन प्रो. हेमंत बी. कौशिक और आईआईटी खड़गपुर से आये मुख्य अतिथि शिव शंकर दास ने संबोधित किया। इस अवसर पर आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक प्रो. देवेंद्र जलिहाल ने भी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल विकास के विस्तार में डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म की बढ़ती भूमिका पर विशेष जोर दिया। इस कार्यशाला के सफल आयोजन से उम्मीद है कि शिक्षक अब अपने-अपने संस्थानों में छात्रों को इन डिजिटल लचीले शिक्षण अवसरों और उद्योग-प्रासंगिक कौशलों का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करेंगे, जिससे पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में डिजिटल शिक्षा और क्षमता निर्माण को मजबूती मिलेगी।

# सोनाजुली में हाथी-मानव संघर्ष कम करने को लेकर हुई जागरूकता सभा

**रंगापाड़ा, 2 जून (ख.सं)।** राज्य में इन दिनों जंगली हाथियों और मनुष्यों के बीच संघर्ष चिंताजनक रूप से बढ़ता जा रहा है। इसी बीच शोणितपुर जिले के रंगापारा क्षेत्र में हाथी-मानव संघर्ष की समस्या और भी गंभीर होती जा रही है। इस बढ़ते संघर्ष को कम करने तथा शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज रंगापारा स्थित गैर-सरकारी संस्था सेव एलीफेंट ने एक जागरूकता सभा का आयोजन किया। सुबह 10.30 बजे रंगापाड़ा के निकट स्थित सोनाजुली चाय बागान आदर्श विद्यालय में विद्यार्थियों के बीच आयोजित इस सभा की अध्यक्षता सेव एलीफेंट संस्था के अध्यक्ष पंकज नाथ ने की, जबकि संस्था के सचिव शाहिन अहमद ने सभा के उद्देश्य पर प्रकाश डाला। सभा में रंगापाड़ा आमरिबाड़ी मध्य वन क्षेत्र कार्यालय की वन क्षेत्र अधिकारी साबिना यास्मिन, सोनाजुली चाय बागान आदर्श विद्यालय के प्रधानाध्यापक नादिम राजा, विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष रूपम तांती, सेव एलीफेंट के सलाहकार बलेन चक्रवर्ती, बुधिन्द्र बैश्य, विपुल मेच, कलाबिल गांव के ग्राम प्रधान राजीव पांडा, असम चाय मजदूर संघ तेजपुर शाखा के कार्यवाहक सचिव सुनील टुटी, सोनाजुली मध्य अंग्रेजी विद्यालय के सहायक शिक्षक त्रिलोचन सैकिया सहित स्थानीय निवासी, वनकर्मी, शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं उपस्थित थे। सभा में वन क्षेत्र अधिकारी साबिना यास्मिन ने कहा कि वर्तमान समय में राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में हाथी-मानव संघर्ष दिन-प्रतिदिन बढ़ रहा है। इस विषय में सभी को जागरूक होने की आवश्यकता है। वनों के विनाश और प्राकृतिक आवासों के सिकुड़ने के कारण जंगली हाथी भोजन की तलाश में मानव बस्तियों की ओर आने को मजबूर हो रहे हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि जंगली हाथी दिखाई देने पर भीड़ न लगाएं, हाथियों को खदेड़ने का प्रयास न करें और उनके साथ फोटो खिंचवाने न जाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्य न केवल जोखिमपूर्ण हैं बल्कि कानूनी रूप से भी अपराध हैं। उन्होंने आगे कहा कि जैसे ही जंगली हाथियों का झुंड दिखाई दे, तुरंत वन विभाग को सूचना देनी चाहिए। वनकर्मियों के साथ मिलकर हाथी भगाने नहीं जाना चाहिए, क्योंकि हाथियों को खदेड़ने के दौरान किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना घट सकती है। इसलिए सभी को सुरक्षित स्थान पर रहकर वन विभाग की सहायता करनी चाहिए। साथ ही हाथियों के आवागमन के मार्ग सुरक्षित रखने और उनके रास्तों में बाधा न पहुंचाने का भी सभी को ध्यान रखना चाहिए। विद्यालय के प्रधानाध्यापक नादिम राजा ने कहा कि चाय बागान क्षेत्रों में जब जंगली हाथी दिखाई देते हैं तो कुछ विद्यार्थी अत्यधिक उत्साहित हो जाते हैं। कई युवा हाथियों के साथ खेल करने या बहादुरी दिखाने का प्रयास करते हैं। हाथियों को उकसाना, उन पर पत्थर फेंकना या उन्हें एक स्थान से दूसरे स्थान की ओर भगाना अत्यंत खतरनाक है।

### नुक्कड़ नाटक के माध्यम से छात्रों को भी किया गया जागरूक

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** जंगली हाथियों और इंसानों के बीच सह-अस्तित्व को मजबूत करने तथा लगातार बढ़ रहे हाथी-मानव संघर्ष को खत्म करने के उद्देश्य से गज बांधव एलीफेंट वेलफेयर ट्रस्ट के तत्वावधान में आज से एक विशेष जागरूकता अभियान की शुरुआत की गयी है। ट्रस्ट के प्रबंध न्यासी भास्करज्योति दास के नेतृत्व में स्वयंसेवकों ने हाथी-मानव संघर्ष से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा कर नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को जागरूक करने का बीड़ा उठाया है। इस नाटक के जरिये यह संदेश दिया जा रहा है कि जंगली हाथियों के आबादी वाले इलाकों में आने पर आम जनता को क्या करना चाहिए और क्या नहीं करना चाहिए। इस विशेष कार्यक्रम का शुभारंभ गुवाहाटी के बाहरी इलाके में स्थित आमसंग चाय बागान बामुनखात के स्वतंत्रता सेनानी कामाख्या प्रसाद त्रिपाठी आदर्श विद्यालय परिसर से किया गया। इस नाटक प्रदर्शन के दौरान बामुनखात प्राथमिक विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र-छात्राएं भी मौजूद रहे। नाटक के माध्यम से छात्रों के बीच हाथी-मानव संघर्ष से बचने के उपायों, हाथियों को देखकर बरती जाने वाली सावधानियों और सिंगल-यूज़ प्लास्टिक का उपयोग न करने को लेकर व्यापक जागरूकता पैदा की गयी। इस नुक्कड़ नाटक का छात्रों ने भरपूर आनंद लिया और शिक्षकों ने भी गज बांधव के इस प्रयास की जमकर सराहना की। विद्यालय के प्रधानाध्यापक रातुल बोरा ने भास्करज्योति दास के नेतृत्व में गज बांधव द्वारा उठाये गये इस कदम को बेहद सामयिक और जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि इस तरह के नाटक छात्रों को भविष्य में हाथी-मानव संघर्ष से दूर रहने के लिए प्रेरित करेंगे और प्लास्टिक प्रदूषण के खतरों के प्रति भी जागरूक बनाएंगे। इसके बाद गज बांधव की टीम ने क्षेत्री आदर्श माध्यमिक विद्यालय, बुढ़ी गोसानी एमई स्कूल और बेलगुरी एलपी स्कूल के परिसरों में भी छात्रों के सामने इस जागरूकता नाटक का मंचन किया।

भारतीय पटसन निगम लिमिटेड
The Jute Corporation of India Limited
(A Government of India Enterprise)
Regional Office: - Nagaon, Ram Krishna Road, Near MonosaMandir, P.O. - Nagaon, Dist: - Nagaon, Assam - 782001

**TENDER NOTICE**

Ref No: - JCI/RO-NGN/Transport/2026-27/01 Date: 03.06.2026

Experience Transport Contractors are invited to visit e - Procurement Portal (CPSE) for participation in the Transport Tender regarding carrying Jute Bales (150 Kg) from different centers/storage godowns under JCI, Nagaon Region to various Jute Mills in and around Kolkata. The interested parties/bidders may download the tender documents from the website https://etenders.gov.in/eprocure/app on all days from 04.06.2026 to 24.06.2026. Last date of tender submission is up to 2:00 PM on 24.06. 2026.Tender will be opened at 2:30 PM on 24.06.2026.
Details are available at JCI's website - www.jutecorp.in & at JCI Nagaon Regional Office.

Sd/-
Regional Manager JCI,
Nagaon RO.

CBC 41122/12/0012/2627

स्वत्वाधिकारी प्रातः खबर मीडिया प्राइवेट लिमिटेड, खबर बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, साइकिल फैक्ट्री, कालापहाड़, गुवाहाटी- 781016 के लिए **श्याम सुंदर लाटा** द्वारा प्रकाशित तथा उनके लिए पीजी इंडिया लिमिटेड, मिनी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 (असम) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
**E-mail :** pratahkhabar5@gmail.com, pratah_khabar@yahoo.com, **दूरभाष+फैक्स** : 0361-2492131, **मो. :** 091270-70355, **जोरहाट कार्यालय** : 0376-2370042, **फैक्स :** 0376-2370043, **E-mail :** pkhabarjrt@gmail.com
**एडिटर इन चीफ : चंद्रप्रकाश शर्मा** **प्रकाशन से उत्पन्न सभी विवाद गुवाहाटी न्यायालय के अधीन।* **संपादक : परमेश्वर सिंह**

# नमस्कार गुवाहाटी

मंगलवाणी

जो दूसरों को क्षमा करता है,
वही सबसे महान है।

- श्री कृष्ण

प्रातः खबर

बुधवार, 3 जून, 2026


मौसम

अधिकतम 34°
न्यूनतम 25°


Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery.

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries


## जीएमसी ने वशिष्ठ इलाके से हटाया अवैध अतिक्रमण

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** गुवाहाटी नगर निगम (जीएमसी) गुवाहाटी को एक व्यवस्थित, सुरक्षित और सुगम शहर बनाने के अपने संकल्प के तहत पूरे शहर में लगातार बड़े पैमाने पर अतिक्रमण विरोधी अभियान चला रहा है। इसी कड़ी में जीएमसी की प्रवर्तन शाखा ने आज वशिष्ठ इलाके में एक बड़ी कार्रवाई की, जिसका मुख्य उद्देश्य सड़कों के किनारों और सार्वजनिक रास्तों से अवैध कब्जों को हटाना था। अभियान के दौरान होने वाली गहमागहमी और हंगामे के बावजूद टीम ने मुस्तैदी से रास्ते साफ कराए, जिससे पैदल यात्रियों और वाहन चालकों के लिए आवाजाही सुगम हुई और यातायात में सुधार आया। जीएमसी के अनुसार सड़क किनारे और फुटपाथों पर अनाधिकृत कब्जा दैनिक यात्रियों को बुरी तरह प्रभावित करता है और इससे समग्र शहरी वातावरण पर भी बुरा असर पड़ता है। यही वजह है कि निगम शहर में ट्रैफिक जाम की समस्या को कम करने और सार्वजनिक जगहों का सही इस्तेमाल सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रहा है, ताकि गुवाहाटी को आपदा-अनुकूल और एक बेहतर शहरी क्षेत्र के रूप में विकसित किया जा सके। यह अभियान किसी एक इलाके तक सीमित नहीं है बल्कि पिछले कुछ दिनों से पूरे शहर में सक्रियता से चलाया जा रहा है। दो दिन पहले ही जीएमसी की टीम ने भांगागढ़ में कार्रवाई कर सार्वजनिक स्थानों और पैदल रास्तों में बाधा बन रहे अवैध कब्जों को हटाया था। वहीं चार दिन पहले लालमाटी और खारघुली क्षेत्रों में भी इसी तरह के अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाये गये थे, जो शहर में भीड़भाड़ कम करने और सामुदायिक उपयोग के लिए रास्तों को सुरक्षित बनाने के निरंतर प्रयासों का हिस्सा हैं। जीएमसी ने साफ किया है कि नियमित निगरानी और सख्त प्रवर्तन अभियानों के माध्यम से वह पूरे गुवाहाटी में सुगम यातायात प्रवाह और सुव्यवस्थित नागरिक स्थानों को बनाए रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। इसके साथ ही निगम ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे इस मुहिम में सहयोग करें और गुवाहाटी को अधिक सुगम व व्यवस्थित बनाने के लिए बिना अनुमति के सार्वजनिक भूमि और सड़क के किनारों पर कब्जा न करें।

# लोक भवन असम में मनाया गया तेलंगाना स्थापना दिवस

### विविधता में एकता का दिखा अद्भुत नजारा

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** देश के विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के स्थापना दिवस मनाने की राष्ट्रव्यापी पहल के तहत आज यहां असम राज्य संग्रहालय के कनकलाल बरुवा प्रेक्षागृह में लोक भवन असम द्वारा तेलंगाना का स्थापना दिवस मनाया गया। एक भारत श्रेष्ठ भारत की भावना को समर्पित यह आयोजन भारत की उस शाश्वत ताकत को रेखांकित करता है, जो विविधता में एकता को संजोए हुए है। इस विशेष कार्यक्रम में समाज के विभिन्न वर्गों के लोग तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर और उसकी उल्लेखनीय विकास यात्रा को सम्मान देने के लिए एक मंच पर एकत्र हुए। इस समारोह में असम के परिवर्तन और विकास, श्रम कल्याण तथा चाय जनजाति एवं आदिवासी कल्याण मंत्री रामेश्वर तेली मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर अपनी शुभकामनाएं देते हुए मंत्री ने कहा कि तेलंगाना स्थापना दिवस उन बलिदानों और सामूहिक प्रयासों को याद करने का अवसर है, जिसके परिणामस्वरूप 2 जून 2014 को तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था। उन्होंने राज्य गठन आंदोलन में योगदान देने वाले सभी सेनानियों को श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही उन्होंने तेलंगाना की समृद्ध सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का जिक्र करते हुए गौरवशाली काकतीय राजवंश, यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल रामप्पा मंदिर, ऐतिहासिक चारमीनार और तेलुगु भाषा, साहित्य, लोक कलाओं तथा त्योहारों की जीवंत परंपराओं की सराहना की। उन्होंने सूचना प्रौद्योगिकी, जैव प्रौद्योगिकी, फार्मास्यूटिकल्स और नवाचार जैसे क्षेत्रों में तेलंगाना की शानदार प्रगति पर भी प्रकाश डाला, जिसने राज्य को देश के अग्रणी विकास केंद्रों में से एक बना दिया है। असम और तेलंगाना के बीच गहरे सांस्कृतिक और भावनात्मक संबंधों का उल्लेख करते हुए तेली ने कहा कि दोनों राज्य अपनी अनूठी पहचान बनाये रखते हुए देश के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। समारोह को संबोधित करते हुए सांस्कृतिक मामलों के विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव बी. कल्याण चक्रवर्ती ने कहा कि भारत की विविधता ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। विभिन्न राज्यों के स्थापना दिवस का ऐसा आयोजन आपसी समझ और राष्ट्रीय एकीकरण को बढ़ावा देने के लिए एक बेहतरीन मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि इस तरह के कार्यक्रमों से देश के विभिन्न क्षेत्रों के बीच सांस्कृतिक संबंध मजबूत होते हैं और लोग एक-दूसरे के करीब आते हैं। दोनों राज्यों के बीच मजबूत जन-संपर्क का जिक्र करते हुए चक्रवर्ती ने कहा कि असम में रहने वाले तेलंगाना के निवासी और तेलंगाना में रहने वाले असमिया लोग अपने-अपने कर्मक्षेत्र वाले राज्यों के विकास में बहुमूल्य योगदान दे रहे हैं। कार्यक्रम की शुरुआत में राज्यपाल के संयुक्त सचिव अरिंदम बरुआ ने स्वागत भाषण दिया। इस दौरान तेलंगाना की समृद्ध कलात्मक परंपराओं और लोक विरासत को प्रदर्शित करने वाले बेहद आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए गए। समारोह में तेलुगु समुदाय के सदस्यों, सरकारी अधिकारियों, छात्रों और स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लिया।

## छात्र नेता की हत्या की निंदा

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** प्रदेश भाजपा ने राज्य में मिया समुदाय के अपराधियों के बढ़ते दुस्साहस पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उनके खिलाफ सख्त कानून बनाने की वकालत की है। पार्टी प्रवक्ता प्रांजल कलिता ने नलबाड़ी जिले के चामता भकतपाड़ा में युवा छात्र नेता माधुर्य बर्मन की नृशंस हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि लव जिहाद की साजिश का शिकार हुई अपनी बहन मृदुमुद्रा डेका की जान बचाते हुए माधुर्य ने अपनी शहादत दी, जो पूरे समाज के लिए साहस का एक बड़ा आदर्श है। इस हमले में गंभीर रूप से घायल उनकी बहन वर्तमान में गुवाहाटी चिकित्सा महाविद्यालय अस्पताल (जीएमसीएच) में जिंदगी और मौत की जंग लड़ रही हैं। उन्होंने इस घटना को सनातन संस्कृति और असमिया समाज पर एक सोची-समझी साजिश के तहत किया गया हमला करार दिया है। प्रवक्ता ने कांग्रेस, राइजर दल, असम जातीय परिषद और वामपंथी विचारधारा के नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि वोट बैंक की राजनीति के तहत कुछ हिंदू नेताओं द्वारा इन तत्वों की वकालत करने के कारण ही अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। उन्होंने छयगांव में एक अन्य घटना का भी जिक्र किया, जहां अक्कास अली नामक व्यक्ति ने एक हिंदू किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और बाद में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया।

## सरस्वती कला केंद्र नारंगी ने मनाया 22वां स्थापना दिवस

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** सरस्वती कला केंद्र, नारंगी ने 31 मई को नारंगी एलपी स्कूल में बड़े उत्साह एवं जनभागीदारी के साथ अपना 22वां स्थापना दिवस मनाया। कार्यक्रम का उद्घाटन प्रसिद्ध समाजसेवी अजय पोद्दार, एचएल पोद्दार फाउंडेशन द्वारा फीता काटकर एवं दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। इस अवसर पर सरस्वती कला केंद्र के प्राचार्य अमृत डेका भी उपस्थित थे। इस अवसर पर कला केंद्र के विद्यार्थियों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया गया। साथ ही चित्रकला एवं कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें लगभग 50 विद्यालयों के 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। यह युवा पीढ़ी में कला एवं सृजनात्मकता के प्रति बढ़ती रुचि का प्रतीक है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुप्रसिद्ध संगीत कलाकार जुबिन गर्ग को पुष्पांजलि अर्पित कर किया गया। सभा को संबोधित करते हुए अजय पोद्दार ने बच्चों में सृजनात्मकता के विकास, एकाग्रता बढ़ाने तथा भावनात्मक संतुलन को सुदृढ़ करने में कला की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि कलात्मक गतिविधियां बच्चों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करती हैं, जिससे उनमें आत्मविश्वास का विकास होता है और वे उज्ज्वल भविष्य की ओर अग्रसर होते हैं। समारोह के अंतर्गत कला केंद्र की वार्षिक कला पत्रिका छवि कथा कोई (चित्र बोलते हैं) का लोकार्पण प्रसिद्ध समाजसेवी रीना काकती द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन भास्वती भुइयां ने किया। इस अवसर पर रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं पुरस्कार वितरण समारोह का भी आयोजन किया गया। प्रसिद्ध कलाकार उत्पल सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने समारोह की गरिमा को और बढ़ाया।

## आंधी-तूफान की आशंका के बीच प्रशासन ने जारी किया इमरजेंसी अलर्ट

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** महानगर में एक साथ आज दिन के समय हजारों मोबाइल फोन अचानक बज उठे। यह कोई सामान्य रिंगटोन नहीं थी, बल्कि आपदा की पूर्व चेतावनी देने वाला एक आपातकालीन अलर्ट था। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एएसडीएमए) की ओर से भेजे गये इस विशेष संदेश के साथ सभी के मोबाइल में कुछ समय के लिए एक तेज सायरन जैसी आवाज गूंज उठी। यह अलर्ट किसी डर के लिए नहीं, बल्कि नागरिकों को आने वाले खतरे के प्रति सतर्क करने के लिए जारी किया गया था। इस संदेश के जरिये लोगों को सूचित किया गया कि अगले एक से तीन घंटों के भीतर गुवाहाटी महानगर और उसके आसपास के इलाकों में तेज आंधी-तूफान के साथ भारी बारिश होने की आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार असम सहित पूरे पूर्वोत्तर में 3 से 6 जून के बीच आंधी-तूफान, बिजली कड़कने और भारी बारिश होने की संभावना जतायी गयी है। गुवाहाटी और इसके आसपास के क्षेत्रों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चल सकती हैं। इसी संभावित खतरे को देखते हुए आपदा प्रबंधन विभाग ने आम जनता से अपील की है कि जब तक कोई बहुत जरूरी काम न हो, वे अपने घरों से बाहर न निकलें। विशेष रूप से लोगों को पेड़ों के नीचे, पुरानी जर्जर दीवारों, बिजली के तारों या ट्रांसफार्मर और ऊंचे होर्डिंग्स के नीचे आश्रय न लेने की सख्त चेतावनी दी गयी है। गुवाहाटी के लिए यह चेतावनी बेहद संवेदनशील है क्योंकि यहां कृत्रिम बाढ़ और आंधी-तूफान अक्सर जनजीवन को बुरी तरह अस्त-व्यस्त कर देते हैं। हाल ही में गुवाहाटी के मालीगांव इलाके में कृत्रिम बाढ़ के दौरान एक खुले नाले में गिरने से एक महिला की मौत हो गयी थी, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन इस बार बेहद सतर्क है और मोबाइल अलर्ट के जरिये लोगों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दे रहा है।

## एनएफ रेलवे के ठेकेदारों की हुई आम बैठक, नयी कार्यकारिणी गठित

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** आईआरआईपीए से संबद्ध एनएफ रेलवे के सभी ठेकेदारों की एक सामान्य सभा एमके इंजीनियरिंग, मालीगांव कार्यालय में आयोजित की गयी। इस बैठक में कटिहार, अलीपुरद्वार, रंगिया, मालीगांव, लमडिंग एवं तिनसुकिया मंडलों के रेलवे ठेकेदारों के साथ-साथ जीएम/कंस्ट्रक्शन, मालीगांव के अधीन कार्यरत ठेकेदारों ने भी भाग लिया। आम बैठक में रेलवे ठेकेदारों से संबंधित विभिन्न नीतिगत विषयों एवं उनके समक्ष आने वाली समस्याओं पर विस्तृत चर्चा की गयी तथा सर्वसम्मति से महेश कुमार संतानी को अध्यक्ष, अनिल कुमार मध्यानी को कार्यकारी अध्यक्ष, दिलीप कुमार राय को उपाध्यक्ष, केदार गजमेर को महासचिव, इंद्रजीत साहा को संयुक्त सचिव, अभिष्ट संतानी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अतिरिक्त बेहतर समन्वय एवं प्रभावी संचार व्यवस्था के लिए प्रत्येक मंडल से एक-एक समन्वयक का भी चयन किया गया। बैठक के उपरांत प्रतिनिधिमंडल ने प्रधान मुख्य अभियंता से भेंट कर ठेकेदारों से संबंधित विभिन्न व्यावहारिक समस्याओं एवं मुद्दों पर चर्चा की। पीसीई ने सभी विषयों को गंभीरतापूर्वक सुना तथा महत्वपूर्ण मार्गदर्शन एवं उपयोगी सुझाव प्रदान किये। आशा व्यक्त की गयी कि नवगठित टीम आपसी सहयोग एवं समन्वय के साथ कार्य करते हुए ठेकेदार समुदाय की समस्याओं हल करेगी।

## हेरोइन समेत एक गिरफ्तार

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** वशिष्ठ पुलिस ने इंद्रानगर इलाके में छापा मारकर मुजामिल हक उर्फ मोजा (24) नामक आरोपी को गिरफ्तार किया। उसके पास से तीन साबुनदानी में भर्ती 26 ग्राम हेरोइन, एक मोबाइल और एक स्कूटी बरामद की गयी। समाचार लिखे जाने तक पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही थी।

## नव्या लेडीज क्लब ने मेधावी विद्यार्थियों व चिकित्सा स्नातकों का किया अभिनंदन

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक नव्या लेडीज क्लब द्वारा एक सम्मान समारोह का आयोजन कर दसवीं एवं बारहवीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। इसके साथ ही चिकित्सा क्षेत्र में डिग्री प्राप्त कर सफलता हासिल करने वाले युवा चिकित्सकों का भी अभिनंदन किया गया। क्लब की अध्यक्ष रितु अग्रवाल के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं चिकित्सा स्नातकों को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं देते हुए उनके परिश्रम और उपलब्धियों की सराहना की गयी। उपस्थित सदस्यों ने कहा कि ऐसे सम्मान समारोह युवाओं को आगे बढ़ने और समाज में उत्कृष्ट योगदान देने के लिए प्रेरित करते हैं। इस अवसर पर क्लब की पूर्व अध्यक्ष कुसुम जैन, संयुक्त सचिव पूनम खेमानी, कोषाध्यक्ष मनीसा मोदी सहित क्लब की अनेक सदस्याएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का सफल संचालन एवं संयोजन बबीता संथोलिया तथा ज्योति गाड़ोदिया ने किया। उपस्थित सभी सदस्यों ने सम्मानित विद्यार्थियों एवं चिकित्सा स्नातकों को शुभकामनाएं प्रदान की।

## लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड का स्वच्छता अभियान

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी गोल्ड द्वारा लायन स्वच्छ अभियान वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के अंतर्गत गणेशगुड़ी स्थित परिसर एवं आस-पास के क्षेत्रों में वृहद स्वच्छता अभियान चलाया गया। क्लब अध्यक्ष लायन दीपक भजनका के नेतृत्व में सचिव लायन सुमित हिसारिया, प्रोजेक्ट चेयरपर्सन लायन नितिन बेरलिया, लायन विक्रम अग्रवाल, लायन पिंकी प्रजापत तथा लायन स्वाति हिसारिया सहित अन्य सदस्यों ने अभियान में सक्रिय भागीदारी निभायी। इस दौरान मंदिर परिसर की गहन सफाई की गयी, कचरे का संग्रह एवं उचित निपटान किया गया तथा आस-पास फैले प्लास्टिक कचरे और गंदगी को हटाया गया। अभियान के दौरान श्रद्धालुओं एवं स्थानीय लोगों को स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के महत्व के प्रति जागरूक भी किया गया। क्लब सदस्यों ने स्वच्छ परिवेश, स्वस्थ समाज का संदेश देते हुए लोगों से अपने आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने का आह्वान किया। क्लब सचिव लायन सुमित हिसारिया ने बताया कि सदस्यों की उत्साहपूर्ण भागीदारी से यह अभियान सफल रहा। उन्होंने कहा कि ऐसी गतिविधियां क्लब सदस्यों में समाज सेवा की भावना को और अधिक सुदृढ़ करती हैं तथा सामुदायिक कल्याण एवं स्वच्छ-स्वस्थ समाज के निर्माण के प्रति क्लब के दृढ़ संकल्प को दर्शाता है। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी लायन जया पारीक ने बताया कि स्वच्छता अभियान के परिणामस्वरूप मंदिर परिसर अधिक साफ-सुथरा और श्रद्धालुओं के लिए सुविधाजनक बना है। साथ ही इस पहल ने समाज में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

## सावरियां सखी समिति ने राहगीरों को कराया भोजन

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं.)।** भीषण गर्मी को देखते हुए आज सावरियां सखियों ने राहगीरों को आठगांव गणेश मंदिर के सामने भोजन कराने के साथ ही गन्ने का जूस पिलाया। लोगों की आवश्यता को देखते हुए समिति की ओर से यह सेवा उपलब्ध करायी गयी। इस दौरान समिति की सदस्य सरोज मित्तल, कांता मित्तल, प्रीति खेमका, बिमला जाजोदिय, अपर्णा, आशा चौधरी, साधना जोगानी, अलका, नीलम जालान, उषा जालान, मधु अग्रवाल, रेणु अग्रवाल, सरोज रुंगटा, विनीता शर्मा, पुष्पा क्याल मौजूद थी।

प्रातः खबर
बुधवार, 3 जून 2026

# विधायक ने कटलिछड़ा अस्पताल का किया दौरा

**हैलाकांदी, 2 जून (ख.सं)।** नवनिर्वाचित हैलाकांदी विधानसभा क्षेत्र के विधायक डॉ. मिलन दास पदभार ग्रहण करने के बाद से ही विकासात्मक कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। आज उन्होंने अचानक कटलिछड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का दौरा किया और अस्पताल की समग्र स्वास्थ्य सेवाओं तथा आधारभूत संरचना की स्थिति का निरीक्षण किया। लंबे समय से कमजोर बुनियादी ढांचे अपर्याप्त स्वास्थ्य सुविधाओं तथा बरसात के मौसम में जलभराव की समस्या के कारण चर्चा में रहे इस स्वास्थ्य केंद्र की वर्तमान स्थिति का उन्होंने स्वयं जाकर जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान विधायक ने अस्पताल के विभिन्न विभागों का दौरा किया तथा चिकित्सकों नर्सों और स्वास्थ्यकर्मियों से बातचीत कर मरीजों को प्रदान की जा रही चिकित्सा सेवाओं की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने अस्पताल के बुनियादी ढांचे के विकास, मरीजों की सुविधाओं में वृद्धि तथा स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। वर्तमान में इस स्वास्थ्य केंद्र में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की विभिन्न सीमाओं से विधायक को अवगत कराया गया जिस पर उन्होंने गंभीरता से विचार करने का भरोसा दिया। इस अवसर पर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुब्रत दे तथा स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त जिला आयुक्त (एडीसी) हृषिकेश बरुवा भी उपस्थित थे।निरीक्षण के उपरांत मीडिया से बातचीत करते हुए डॉ. मिलन दास ने एक महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि शीघ्र ही कटलिछड़ा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में अत्याधुनिक बेड वाली मदर एंड चाइल्ड केयर यूनिट स्थापित की जाएगी। इस इकाई के शुरू

होने के बाद क्षेत्र की गर्भवती महिलाओं प्रसूता माताओं तथा बच्चों को स्थानीय स्तर पर ही बेहतर चिकित्सा सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी। इससे उन्नत उपचार के लिए मरीजों को हैलाकांदी सदर सिलचर अथवा अन्य स्थानों की ओर जाने की आवश्यकता काफी हद तक कम हो जाएगी। इसके अलावा विधायक ने अस्पताल परिसर में लंबे समय से बनी हुई जलभराव की समस्या को भी गंभीरता से उठाया। उन्होंने कहा कि अस्पताल से जुड़ी मुख्य नाली लंबे समय से साफ नहीं की गयी है तथा आंशिक रूप से अतिक्रमण के कारण वर्षा के दौरान जल निकासी में बाधा उत्पन्न होती है। इस समस्या के समाधान के लिए प्रशासन द्वारा आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। आवश्यकता पड़ने पर अतिक्रमण हटाने का अभियान चलाकर नाली पर मौजूद सभी अवरोधों को हटाया जाएगा तथा जल निकासी की सुचारु व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी।नवनिर्वाचित विधायक के इस आकस्मिक निरीक्षण और स्वास्थ्य अवसंरचना के विकास के लिए घोषित योजनाओं का कटलिछड़ा के आम लोगों ने सकारात्मक स्वागत किया है। स्थानीय निवासियों को आशा है कि लंबे समय से उपेक्षित इस स्वास्थ्य केंद्र के विकास के लिए घोषित कदमों को शीघ्र लागू किया जाएगा, जिससे क्षेत्र की स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार आएगा।

## एक करोड़ की कफ सिरप की बोतलें जब्त

**सिलचर, 2 जून (ख.सं)।** उदारबंद पीएस के तहत विश्वसनीय जानकारी के आधार पर दुर्गानगर पीटी-5 (गुराली) में स्थित साहिद अहमद बरभुइयां के गोदाम से कफ सिरप (कोडीन) की 1,420 बोतलें बरामद की गयी। इस संबंध में एक व्यक्ति जिसका नाम अजीजुल हक बरभुइया (54) को गिरफ्तार किया गया। आगे की आवश्यक औपचारिकताओं का पालन किया जा रहा है। सिलचर पीएस के तहत विश्वसनीय स्रोतों के आधार पर सिलचर पीएस के तहत बिलपर में वाहन से कफ सिरप (कोडीन) की 7,200 बोतलें सफलतापूर्वक बरामद की गयी। इसके अलावा सिलचर के श्रीकोना के बिंदुला दास नाम के एक व्यक्ति को भी पकड़ा गया।

## टकेयामारी में कटाव का कहर, स्थानीय जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने लिया जायजा

**कोकराझाड़, 2 जून (ख.सं)।** बाऊखुंगरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गुमा परिषद क्षेत्र के टकेयामारी 2 नंबर खंड में गरुफेला नदी से हो रहे कटाव से स्थानीय लोग दहशत में हैं। नदी के बढ़ते जलस्तर और कटाव के कारण उपजाऊ भूमि और रिहायशी इलाकों को खतरा पैदा हो गया है। इस समस्या का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए स्थानीय बिधायक रूपम चंद्र राय और एनताज अली ने आज प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मौके पर पहुंचकर उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और कटाव की चपेट में आए इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने अपनी व्यथा सुनाई और स्थायी समाधान की मांग की। लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए बिधायक रुपम चंद राय ने विभागीय अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कटाव रोकने के लिए निरोधात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा और उनकी संपत्तियों को बचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए विभाग को हर संभव कदम उठाने होंगे। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही प्राथमिक रिपोर्ट तैयार की है और आश्वासन दिया है कि जल्द ही कटाव रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी और निर्माण कार्य शुरू कर दिये जाएंगे ताकि आगे होने वाले नुकसान को टाला जा सके।

## किशोरी पर सामूहिक अत्याचार, मामला दर्ज

**विश्वनाथ, 2 जून (ख.सं)।** विश्वनाथ चारिआली में एक सनसनीखेज घटना सामने आयी है। विश्वनाथ के चलिया चापरी इलाके में एक 15 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक अत्याचार किये जाने का आरोप लगा है। परिवार के आरोप के अनुसार जियाबुर इस्लाम, आसिकुल अली, जामिल हक, सैफुल हुसैन और जमूर उद्दीन नाम के पांच युवकों ने किशोरी को उसके घर से बाहर लाकर एक वाहन में जबरन ले गये और उसके साथ यह जघन्य कृत्य किया। इसके बाद उन्होंने किशोरी को उसके घर के आंगन में छोड़ दिया। यह घटना प्रकाश में आने के बाद परिवार ने विश्वनाथ चारिआली सदर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। विश्वनाथ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

## सड़क निर्माण को लेकर यासी ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

**सिलचर, 2 जून (ख.सं)।** यूथ अगेंस्ट सोशल इविल्स (यासी) सेंट्रल कमेटी और छोटा दूधपाटिल कमेटी लंबे समय से उदारबंद विधानसभा क्षेत्र के छोटा दूधपाटिल ग्रांट के ईस्ट लाइन, उत्तरपाड़ा में सड़क बनाने की मांग को लेकर लगातार कोशिश कर रही है। इस मांग के स्पोर्ट में यासी की तरफ से 2 अगस्त 2024 को उस समय के असम पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद मेंबर इस मामले पर लगातार हर संबंधित सरकारी डिपार्टमेंट और विभाग के संपर्क में रहे हैं। पूर्व मिहिर कांति सोम के कार्यकाल के दौरान भी

कमेटी के मेंबर इस मामले पर उनसे रेगुलर संपर्क में रहे हैं और फॉलो-अप करते रहे हैं। भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक संबंधित डिपार्टमेंट की तरफ से अभी सर्वे किया जा रहा है। इसी सिलसिले में आज सेंट्रल कमेटी ने फिर से मौजूदा राजदीप ग्वाला को एक मेमोरेंडम दिया, जिसमें उनसे मामले में तुरंत दखल देने और सड़क बनाने का काम जल्द शुरू करने की मांग की गयी। आज छोटा दूधपाटिल कमेटी के डेलीगेशन का नेतृत्व प्रेसिडेंट गणेश मंडल ने किया। इस समय सेक्रेटरी मनोज कलवार, नंदू रविदास, बिजन रविदास, अहद बरभुइयां, सजन लस्कर और दूसरे सदस्य मौजूद थे। राजदीप ग्वाला ने प्रतिनिधिमंडल को इस बारे में हर मुमकिन मदद का भरोसा दिलाया।

## नदी में नहाने गया युवक लापता

**बजाली, 2 जून (ख.सं)।** बजाली जिले के भकुवामारी क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पहुमारा नदी में नहाने गये एक युवक के तेज बहाव में लापता हो जाने से पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है। युवक की तलाश के लिए बचाव अभियान लगातार जारी है। जानकारी के अनुसार भकुवामारी निवासी नितुल तालुकदार (25), किंकर काकती और अविनाश राजबंशी (22) एक साथ पहुमारा नदी में स्नान करने गये थे। नहाने के दौरान नदी के तेज बहाव में तीनों युवक फंस गए और डूबने लगे। इसी दौरान मौके पर मौजूद एक साहसी युवती ने तत्परता दिखाते हुए नदी में छलांग लगा दी और नितुल तालुकदार तथा किंकर काकती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि वह अविनाश राजबंशी को बचा नहीं सकी, जिसके बाद वह नदी के पानी में लापता हो गया।

## लंका में दिनदहाड़े ठगी, बुजुर्ग से 16 हजार रुपये लेकर फरार शातिर

**लंका, 2 जून (ख.सं)।** लंका शहर में दिनदहाड़े ठगी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बाइक पर सवार दो शातिर ठगों ने एक बुजुर्ग को झांसे में लेकर उनकी मेहनत की कमाई के 16 हजार रुपये ठग लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लंका के रानीपुखुरी निवासी भुवन चंद्र दास अपनी पत्नी और नातिन के साथ रेलवे गेट नंबर-2 के समीप स्थित एक गैस एजेंसी में किसी काम से आए थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। दोनों ने स्वयं को बुजुर्ग के परिचित और पड़ोसी बताकर पहले उनका विश्वास जीता। इसके बाद उन्होंने 500 रुपये के खुले पैसे मांगे। बातचीत के दौरान ठगों ने यह भी दावा किया कि पास ही किसी स्थान पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी वृद्धावस्था पेंशन की राशि वितरित की जा रही है। ठगों की बातों में आकर भुवन चंद्र दास ने बताया कि उनके पास 500 रुपये के खुले पैसे नहीं हैं। यह कहते हुए उन्होंने अपनी जेब से लगभग 20 हजार रुपये निकालकर दिखाये। इसी मौके का फायदा उठाते हुए एक ठग ने तेजी से उनके हाथ से नकदी छीन ली और उसमें से 16 हजार रुपये अपने साथी को सौंप दिये। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गये। घटना इतनी तेजी से हुई कि बुजुर्ग और उनके परिजन कुछ समझ ही नहीं पाये। इस घटना ने एक बार फिर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत का संदेश दिया है। पुलिस से शिकायत किए जाने की प्रक्रिया जारी है तथा स्थानीय लोगों से अजनबियों की बातों में न आने की अपील की गयी।

## दो दिवसीय प्रकृति शिविर ने युवाओं में बढ़ायी जागरूकता

**लमडिंग, 2 जून (ख.सं)।** असम विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद (एएसटीईसी) की पहल तथा ग्राम विकास परिषद, नगांव के तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 30 एवं 31 मई को नगांव जिले के चापनाला स्थित हाथी बंधु शिविर में आयोजित द्विदिवसीय प्रकृति शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता, सतत जीवनशैली तथा भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों, पर्यावरण प्रेमियों तथा समाज के विभिन्न वर्गों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने और संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। 31 मई को आयोजित एक विशेष सत्र में नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा,

### डीसी ने सामूहिक जिम्मेदारी व जनभागीदारी का दिया संदेश

आईएएस ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि एक हरित, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार, सामुदायिक सहभागिता तथा जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं के बीच पर्यावरणीय चेतना विकसित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमियों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, जागरूकता एवं सहभागितामूलक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रकृति संरक्षण और जैव-विविधता के महत्व से अवगत कराया गया। आयोजकों ने शिविर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में पर्यावरणीय चेतना को मजबूत करने तथा प्रकृति संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## कथित पहचान छिपाकर संबंध बनाने व धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला उजागर

**धुबड़ी, 2 जून (ख.सं)।** धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा क्षेत्र में एक महिला द्वारा धोखाधड़ी, उत्पीड़न और कथित जबरन धर्म परिवर्तन के आरोपों से जुड़ा मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजखाता पार्ट-2 निवासी मिनार हुसैन पर आरोप है कि उसने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर स्वयं को हिंदू बताकर महिला से संबंध स्थापित किया। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी ने विश्वास जीतने के बाद उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी ने निजी क्षणों के वीडियो अपने मोबाइल फोन में गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए और बाद में उन्हीं वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल किया। पीड़िता का दावा है कि धमकी और दबाव बनाकर उस पर धर्म परिवर्तन करने के लिए भी मजबूर किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने उसके साथ लगातार शारीरिक, मानसिक और यौन उत्पीड़न किया। महिला के अनुसार जब दोनों के संबंधों की जानकारी परिवारों को हुई और परिवारों ने इस रिश्ते को स्वीकार नहीं किया, तब आरोपी उसे किराये के एक मकान में रखता था, जहां कथित रूप से उत्पीड़न जारी रहा। महिला का कहना है कि बाद में उसे आरोपी की वास्तविक पहचान का पता चला, जिसके बाद उसने न्याय की मांग को लेकर बिलासीपाड़ा पुलिस से संपर्क किया। हालांकि उसका आरोप है कि प्रारंभ में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी, जिसके बाद उसे धुबड़ी के पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज करानी पड़ी।

## एसएसबी ने लगाया निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर

**कोकराझाड़, 2 जून (ख.सं)।** भारत-भूटान सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की छठी वाहिनी, रानीधुली द्वारा जन-कल्याणकारी गतिविधियों के तहत एक निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सीमावर्ती गांव आईपॉली-1 में आयोजित हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में पशुपालकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर का नेतृत्व क्षेत्रक मुख्यालय बंगाईगांव के पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक कमांडेंट डॉ. यतींद्र सिंह सेंगर ने किया। इस दौरान सीमा चौकी आईपॉली के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पशुपालक अपने मवेशियों को लेकर पहुंचे। शिविर में कुल 83 मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गयी। जन-सेवा और जागरूकता ही उद्देश्य इस अवसर पर उपस्थित एसएसबी अधिकारियों ने कहा कि बल न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविरों के आयोजन का मुख्य लक्ष्य ग्रामीणों को पशु संरक्षण के महत्व को समझाना और सीमा क्षेत्र में जन-सेवा की भावना को सुदृढ़ करना है। ग्रामीणों ने की सराहना एसएसबी द्वारा किये गये इस मानवीय प्रयास की स्थानीय ग्रामीणों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

## रेबीज का आतंक, पागल कुत्ते के काटने से कई पशुओं की मौत

**जामुगुड़ीहाट, 2 जून (ख.सं)।** शोणितपुर जिले के जामुगुड़ीहाट क्षेत्र के चंद्रपुर गांव में रेबीज (जलातंक) को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है। एक पागल कुत्ते के हमले के बाद कई पालतू पशुओं की मौत हो जाने से ग्रामीणों में चिंता और भय व्याप्त है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ दिन पहले एक संदिग्ध पागल कुत्ते ने गांव के कई पालतू पशुओं को काट लिया था। इसके बाद प्रभावित पशुओं में असामान्य लक्षण दिखाई देने लगे और धीरे-धीरे तीन गायों सहित कई बकरियों की मौत हो गयी। इस घटना से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग की विशेषज्ञ टीम गांव पहुंची और जांच की। जांच के दौरान पशु चिकित्सकों ने पुष्टि की कि पशुओं में फैली बीमारी रेबीज (जलातंक) है। इस पुष्टि के बाद पूरे गांव में चिंता और बढ़ गयी है। गौरतलब है कि रेबीज एक अत्यंत घातक वायरल बीमारी है, जो कुत्ते, बिल्ली, बंदर और अन्य संक्रमित जानवरों के काटने से फैलती है। समय पर उपचार न मिलने पर यह बीमारी मनुष्यों और पशुओं दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि बीमारी को अन्य पशुओं और लोगों तक फैलने से रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्र में तत्काल टीकाकरण अभियान चलाया जाए।

## कोकराझाड़ में यूपीपीएल की 28वीं केंद्रीय कार्यकारी समिति की हुई बैठक

**कोकराझाड़, 2 जून (ख.सं)।** यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल की 28वीं केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक आज कोकराझाड़ जिले के बनारगांव खागराबारी सामुदायिक भवन में आयोजित की गयी। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता यूपीपीएल के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद प्रमोद बोड़ो ने की। बैठक में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए, जिनमें यूपीपीएल के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद वंग्वरा नर्जारी, लोकसभा सांसद जयंत बसुमतारी और पूर्व मंत्री उर्खाव गौरा ब्रह्म प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह बैठक 2026 के असम विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आयोजित की गयी थी। बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने

विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। पार्टी की भविष्य की गतिविधियों और सांगठनिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये गये। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आगामी समय में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया।

## सिलचर माहेश्वरी महिला मंडल ने बांटी खाद्य सामग्री

**सिलचर, 2 जून (ख.सं)।** अधिकमास के पावन अवसर पर सिलचर माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा चिरीपुर क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में मंडल की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पुण्य कार्य के संयोजक के रूप में कला डागा एवं खुशबू राठी ने विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मंडल की अध्यक्ष सुधा मुंदड़ा एवं सचिव मुदिता राठी की गरिमामय उपस्थिति भी रही। सभी सदस्यों ने सेवा भावना के साथ जरूरतमंद लोगों तक खाद्य सामग्री पहुंचाकर अधिकमास के महत्व को सार्थक किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों के चेहरे पर खुशी एवं संतोष देखने को मिला। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा किये गये इस सेवा कार्य की सभी ने सराहना की।

## मायुमं तेजपुर शाखा का 29वां शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**तेजपुर, 2 जून (ख.सं)।** मारवाड़ी युवा मंच तेजपुर शाखा द्वारा 29वां शपथ ग्रहण एवं वार्षिक पुरस्कार समारोह होटल केआरसी पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अमित चांडक एवं मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष विष्णु माहेश्वरी, शाखा अध्यक्ष अंकित मंत्री, शाखा मंत्री अमन सारडा एवं शाखा कोषाध्यक्ष शिव कुमार पांडे को मंचासीन कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। शपथ समारोह में प्रांतीय पदाधिकारी राजीव जैन विष्णु डागा अरुण बाहेती एवं रूबी जैन तथा वरिष्ठ पत्रकार नथमल टिबड़ेवाल और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी पूर्व अध्यक्ष, मंच के सलाहकार एवं शाखा के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ उसके पश्चात सभी उपस्थित जनों द्वारा असम का जातीय गीत सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया गया । इसके बाद आये हुए

अतिथियों का सम्मान किया गया तथा सत्र 2025-26 के अध्यक्ष विष्णु माहेश्वरी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने वर्ष भर विभिन्न प्रकल्पों में सक्रिय योगदान देने वाले शाखा सदस्यों को अध्यक्षीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। शाखा मंत्री अमित भगेरिया ने सत्र 2025-26 की विस्तृत सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसके पश्चात शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत उपाध्यक्ष अमित चांडक ने सत्र 2026-27 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंकित मंत्री को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसके पश्चात प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया ने सचिव अमन सारड़ा एवं कोषाध्यक्ष शिव कुमार पांडे को शपथ दिलायी। अरुण बाहेती ने ऑफिस बीयर्स तथा विष्णु डागा ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलायी। उसके पश्चात राजीव जैन ने नव निर्वाचित पांच नए सदस्यों का शपथ पाठ करवाया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंकित मंत्री ने अपने संबोधन मे आगामी वर्ष की योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के बच्चों के लिए खेल सहित विभिन्न सामाजिक एवं संस्कृति गतिविधियों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया। मंडल के उपाध्यक्ष अमित चांडक एवं प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की तथा राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का सफल संचालन शुभम जैन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन नवनिर्वाचित सचिव अमन सारडा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Onyx® high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial : 94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250

# त्रिपुरा में लकड़ी तस्करों का हमला, छह वनकर्मी घायल

**कंचनपुर, 2 जून (एजें)।** उत्तरी त्रिपुरा जिले में कथित लकड़ी तस्करों के हमले में रेंज अधिकारी समेत 6 वनकर्मी घायल हो गए। अधिकारियों ने 2 जून को यह जानकारी दी। घटना 1 जून की रात करीब 11 बजे कंचनपुर थाना क्षेत्र में हुई। हमले में वन विभाग के दो वाहनों को भी भारी नुकसान पहुंचा। अधिकारियों के मुताबिक, चंदीपुर के पास अवैध लकड़ी से लदे वाहन की सूचना पर वनकर्मियों की टीम ने कार्रवाई शुरू की थी। रुकने का इशारा करने पर चालक नहीं रुका, तो टीम ने विभागीय जीप से पीछा किया। कुछ किलोमीटर बाद चालक गाड़ी छोड़कर भाग गया। इसके थोड़ी देर बाद करीब 50 संदिग्ध तस्कर दाव और लाठी-डंडों से लैस होकर लौटे और वनकर्मियों पर हमला कर दिया। उप-मंडल वन अधिकारी () सुमन मित्रा ने बताया कि हमले से बचने के लिए वनकर्मियों को पास के घने जंगल में शरण लेनी पड़ी। 'हमले में रेंजर अधिकारी समेत 6 कर्मी घायल हुए और दो विभागीय वाहन तोड़े गए,' मित्रा ने कहा। घायल कर्मियों को इलाज दिया गया है। मामले में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है।

## सोनम रघुवंशी की जमानत के खिलाफ कोर्ट में सुनवाई

**शिलांग, 2 जून (एजें)।** मेघालय हाईकोर्ट ने 1 जून को सोनम रघुवंशी को मिली जमानत को रद्द करने की राज्य सरकार की याचिका पर सुनवाई की। जस्टिस वानलुरा डिएंगदोह की एकल पीठ के सामने महाधिवक्ता अमित कुमार ने राज्य सरकार का पक्ष रखा और अपनी दलीलें पूरी कीं। अब इस मामले की अगली सुनवाई 3 जून को होगी, जब सोनम रघुवंशी के वकील अदालत में अपना पक्ष रखेंगे। राज्य सरकार ने पूर्वी खासी हिल्स सत्र न्यायालय द्वारा 27 अप्रैल, 2026 को कुछ शर्तों के साथ सोनम रघुवंशी को दी गई जमानत को रद्द करने के लिए हाईकोर्ट का रुख किया है। अपनी याचिका में राज्य ने कहा है कि निचली अदालत के फैसले पर कानूनी आधार पर पुनर्विचार की जरूरत है और जमानत आदेश को रद्द किया जाए। यह मामला काफी चर्चा में है। अब सबकी निगाहें 3 जून की सुनवाई पर हैं, जब प्रतिवादी पक्ष हाईकोर्ट के सामने जमानत आदेश का बचाव करेगा।

# सिक्किम : युक्सोम में 62 परिवार भाजपा में शामिल

**गेजिंग, 2 जून (एजें)।** सिक्किम में भारतीय जनता पार्टी को बड़ा संगठनात्मक बल मिला है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष डी.आर. थापा के युक्सोम दौरे के दौरान 62 परिवारों ने औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ली। गेजिंग जिले के युक्सोम में हुए कार्यक्रम में प्रदेश उपाध्यक्ष एन.के. सुब्बा, महासचिव दिनेश चंद्र नेपाल, गेजिंग जिला अध्यक्ष दिगुम लिम्बू, मंडल अध्यक्ष किंजांग शेरप भूटिया समेत कई पदाधिकारी मौजूद रहे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डी.आर. थापा ने भाजपा नेतृत्व वाली सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और विकास पहलों पर जोर दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं और नए सदस्यों से सिक्किम के लोगों के सशक्तिकरण और विकास के लिए सामूहिक रूप से काम करने का आह्वान किया। प्रदेश उपाध्यक्ष एन.के. सुब्बा ने नए सदस्यों का स्वागत किया और उन्हें राज्य भर में पार्टी की संगठनात्मक गतिविधियों और विस्तार प्रयासों की जानकारी दी। किंजांग शेरप भूटिया ने भी क्षेत्र स्तर पर पार्टी की जमीनी गतिविधियों और संगठन की स्थिति पर बात रखी। इस दौरान थापा ने पात्र लाभार्थियों को आयुष्मान कार्ड और ई-श्रम कार्ड भी वितरित किए, जिससे उन्हें 5 लाख रुपये तक के स्वास्थ्य लाभ और विभिन्न सामाजिक सुरक्षा योजनाओं का फायदा मिल सकेगा। इससे पहले भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने सिक्किम की पहली राजधानी माने जाने वाले युक्सोम स्थित ऐतिहासिक नोरबुगंग मठ का दौरा किया। वहां राज्य के विकास और पार्टी संगठन को मजबूत करने के लिए प्रार्थना की गई। पार्टी नेताओं ने कहा कि 62 परिवारों का शामिल होना सिक्किम में भाजपा के बढ़ते समर्थन को दर्शाता है और राज्य में संगठन विस्तार की दिशा में सकारात्मक कदम है।

# अरुणाचल प्रदेश में रास चुनाव की प्रक्रिया शुरू, भाजपा उम्मीदवार पर फैसला बाकी

**इटानगर, 2 जून (एजें)।** अरुणाचल प्रदेश की इकलौती राज्यसभा सीट के लिए नामांकन प्रक्रिया 1 जून से शुरू हो गई है। चुनाव आयोग की अधिसूचना जारी होने के बाद अधिकारियों ने यह जानकारी दी। मौजूदा राज्यसभा सांसद नबाम रेबिया का कार्यकाल 23 जून को खत्म हो रहा है। चुनाव कार्यक्रम के मुताबिक, नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि 8 जून है। नामांकन पत्रों की जांच 9 जून को होगी, जबकि 11 जून तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। जरूरत पड़ने पर 18 जून को मतदान होगा और उसी दिन वोटों की गिनती भी की जाएगी। चुनाव आयोग ने देशभर की 27 राज्यसभा सीटों पर चुनाव की घोषणा की है, जिनमें 10 राज्यों की 24 द्विवार्षिक रिक्तियां शामिल हैं। अरुणाचल में सत्तारूढ़ भाजपा के टिकट के लिए कुल 14 दावेदारों ने आवेदन किया है। इनमें राज्य के पर्यावरण और वन मंत्री वांगकी लोआंग, मौजूदा सांसद नबाम रेबिया, पासीघाट पश्चिम के विधायक निनोंग ईरिंग, पूर्व मंत्री तबा टेडिर और तागे ताकी के साथ पूर्व प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ताई तागाक और टैंगोर तापक शामिल हैं। भाजपा सूत्रों ने बताया कि पार्टी ने अभी उम्मीदवार तय नहीं किया है। संसदीय बोर्ड की बैठक जल्द होने की उम्मीद है जिसमें फैसला लिया जाएगा। 60 सदस्यीय अरुणाचल विधानसभा में भाजपा के पास भारी बहुमत है, इसलिए पार्टी के उम्मीदवार की जीत तय मानी जा रही है। इस प्रतिष्ठित संसदीय सीट के लिए कई वरिष्ठ नेताओं के मैदान में होने से राजनीतिक हलकों में काफी चर्चा है।

## विश्व पर्यावरण दिवस पर त्रिपुरा में विशेष ग्राम सभाएं

**अगरतला, 2 जून (एजें)।** त्रिपुरा के पंचायत मंत्री किशोर बर्मन ने 2 जून को जिला परिषद, पंचायत समिति और ग्राम पंचायतों के निर्वाचित प्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ वर्चुअल बैठक की। बैठक में 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस पर होने वाली विशेष ग्राम सभाओं की तैयारियों की समीक्षा की गई। राज्य सचिवालय से हुई इस बैठक में पूरे राज्य की ग्राम पंचायतों में विश्व पर्यावरण दिवस 2026 मनाने की योजना को अंतिम रूप दिया गया। समीक्षा के दौरान बर्मन ने जल संरक्षण, प्लास्टिक कचरा प्रबंधन, स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण और जन जागरूकता कार्यक्रम समेत पर्यावरण संरक्षण के उपायों को प्राथमिकता देने पर जोर दिया।

# मेघालय के मुख्यमंत्री संगमा ने मारवाड़ी समाज के साथ की मुलाकात

**शिलांग, 2 जून (ख.सं)।** मेघालय के मुख्यमंत्री श्री कोनराड संगमा ने शिलांग शहर के समस्त मारवाड़ी समाज के साथ मुलाकात करते हुए उन सभी उपस्थित जनों की बातें सुनी मौके पर मोजूद समाज बंधुओं ने मुख्यमंत्री से कई विषयों पर चर्चा की और शहर में सुरक्षा को लेकर कई जगहों पर केमरे लगानें के लिए कहा वही पर समाज के करीब 60 गणमान्य लोग उपस्थित रहे। सभी समाज बंधुओं का संगमा ने परिचय लिया और एक-दूसरे के पास हंसी के ठहाके लगाते हुए बाते की। एवं इस अवसर पर सभी ने चाय-पानी नाश्ता करते हुए खुशी जताई। मुख्यमंत्री ने कहा की अगर कभी कोई दिक्कत आती है तब अवगत कराएं। मुख्यमंत्री ने सभी समाज बंधुओं का भाव भरा स्वागत करते हुए सभी को धन्यवाद दिया।

## त्रिपुरा ने मांगी सीधी अगरतला-मुंबई फ्लाइट, केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

**अगरतला, 2 जून (एजें)।** त्रिपुरा के परिवहन और पर्यटन मंत्री सुशांत चौधरी ने केंद्र से अगरतला और मुंबई के बीच सीधी उड़ान सेवा शुरू करने की मांग की है। केंद्रीय नागर विमानन मंत्री किंजरापु राममोहन नायडू को लिखे पत्र में उन्होंने कहा कि पूर्वोत्तर के इस अहम राज्य को देश की आर्थिक राजधानी से बेहतर हवाई संपर्क की जरूरत है। मंत्री ने अपने पुराने पत्र का हवाला देते हुए दोहराया कि मुंबई व्यापार, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यटन और रोजगार के लिए त्रिपुरा के लोगों का बड़ा केंद्र है। अभी यात्रियों को जोड़ने वाली फ्लाइट्स पर निर्भर रहना पड़ता है, जिसमें लंबा ट्रांजिट समय लगता है। इससे छात्रों, मरीजों, कारोबारियों और सरकारी अधिकारियों को खासी परेशानी होती है। चौधरी ने कहा कि सीधी उड़ान से क्षेत्रीय संपर्क बेहतर होगा, यात्रा आसान होगी और राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने मंत्रालय से अनुरोध किया कि या तो सीधी अगरतला-मुंबई उड़ान शुरू की जाए या मौजूदा नीति के तहत सुविधाजनक शेड्यूल के जरिए निर्बाध कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए। गौरतलब है कि आर्थिक गतिविधि, पर्यटन और निवेश बढ़ाने के लिए पूर्वोत्तर के राज्य देश के बड़े शहरों से हवाई संपर्क मजबूत करने की लगातार मांग कर रहे हैं।

# लाचेन : उच्च स्तरीय समिति ने तरुम चू साइट का किया दौरा

**मंगन, 2 जून (एजें)।** मुख्यमंत्री प्रेम सिंह तमांग के निर्देश और देखरेख में लाचेन तक संपर्क बहाल करने के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति ने आज तरुम चू साइट का दौरा किया। समिति में सड़क एवं पुल विभाग के प्रधान मुख्य अभियंता-सह-सचिव बी.बी. सुब्बा, खान एवं भूविज्ञान विभाग की सचिव डिकी यांगजोम, भूमि राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के विशेष सचिव हेम छेत्री, एसएसडीएमए निदेशक प्रभाकर राय, खान एवं भूविज्ञान के प्रधान निदेशक फिगु भूटिया, वन एवं पर्यावरण विभाग के संरक्षक सूरज थाताल, डीसी मंगन अनंत जैन, प्रोजेक्ट स्वस्तिक के मुख्य अभियंता ब्रिगेडियर अमित सखरे, डीएफओ त्सेतेन वांग्याल, एएसपी मंगन बिजॉय सुब्बा, एसडीएम चुंगथांग अरुण छेत्री, एसडीपीओ चुंगथांग चंदन छेत्री, लाचेन जुमसा के पिपोन खैचोटक लाचेनपा और छो बांदु लाचेनपा समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी शामिल थे। समिति ने तरुम चू साइट पर मौजूदा जमीनी स्थिति का जायजा लिया और लाचेन तक संपर्क बहाली के विकल्पों पर चर्चा की। सदस्यों ने चल रहे सड़क मरम्मत कार्यों की समीक्षा की और सुरक्षित व तेज बहाली के उपायों का मूल्यांकन किया। निरीक्षण के दौरान समिति ने बड़े पैमाने पर चट्टान काटकर बनाई जा रही अस्थायी सड़क के काम की प्रगति देखी। जीआरईएफ अधिकारियों ने बताया कि काम लगातार जारी है और तय समय पर पूरा होने की उम्मीद है। जीआरईएफ ने समिति को स्थायी उपायों की जानकारी भी दी। इसके तहत प्रभावित हिस्से में 200 मीटर लंबे स्टील डबल आर्च ब्रिज का निर्माण प्रस्तावित है, जो लंबे समय तक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित करेगा। दौरे में प्रभावित क्षेत्र को बायपास करने के लिए करीब 186 मीटर लंबी सुरंग बनाने के विकल्प पर भी चर्चा हुई। बातचीत का फोकस कठिन इलाके की चुनौतियों का व्यावहारिक समाधान निकालना और क्षेत्र तक सड़क संपर्क समय पर बहाल करना रहा।

## मेघालय में ईंधन की कमी की अफवाह पर प्रशासन की चेतावनी

**शिलांग, 2 जून (एजें)।** मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स में पेट्रोल-डीजल और एलपीजी की कमी की अफवाहों पर जिला प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। 2 जून को जारी सार्वजनिक परामर्श में उपायुक्त कार्यालय (आपूर्ति) ने साफ किया कि जिले में ईंधन और रसोई गैस की आपूर्ति सामान्य है और वितरण पर कड़ी नजर रखी जा रही है। प्रशासन ने कहा कि सोशल मीडिया पर पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी और दाम बढ़ने के दावे पूरी तरह झूठे और अपुष्ट हैं। अधिकारियों के मुताबिक, जिले में ईंधन और गैस की निर्बाध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि घबराहट में खरीदारी या जमाखोरी न करें, क्योंकि इससे आपूर्ति व्यवस्था बिगड़ सकती है। साथ ही अपुष्ट जानकारी साझा न करने और सिर्फ सरकारी सूचनाओं पर भरोसा करने को कहा गया है। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि अफवाह, फेक न्यूज या भ्रामक जानकारी फैलाकर जनता में दहशत पैदा करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

# बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ और हेल्थ केयर हॉस्पिटल, पासीघाट ने की साझेदारी

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.स.)।** अरुणाचल प्रदेश के दंपतियों को फर्टिलिटी उपचार से जुड़ी जरूरी सेवाओं के लिए अब हर बार बड़े शहरों तक जाने पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने पासीघाट स्थित हेल्थ केयर हॉस्पिटल के साथ मिलकर क्षेत्र में फर्टिलिटी सेवाएं उपलब्ध कराने की पहल शुरू की है। इसके तहत पासीघाट और आसपास के क्षेत्रों के दंपतियों को फर्टिलिटी परामर्श, स्कैन, ओव्यूलेशन मॉनिटरिंग और आईयूआई जैसी सेवाएं स्थानीय स्तर पर मिल सकेंगी। अब तक पासीघाट और अरुणाचल प्रदेश के आसपास के क्षेत्रों के कई दंपतियों को फर्टिलिटी इलाज के लिए बार-बार लंबी यात्रा करनी पड़ती थी। इससे खर्च बढ़ता था, इलाज में देरी होती थी और नियमित फॉलो-अप में भी कठिनाई आती थी। इस पहल के तहत हेल्थ केयर हॉस्पिटल, पासीघाट में मिलने वाली सेवाएं बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, गुवाहाटी की विशेषज्ञ टीम की क्लिनिकल निगरानी और उपचार मानकों के अनुसार संचालित की जाएंगी। इससे दंपतियों को इलाज की निरंतरता बनाए रखने में मदद मिलेगी और अनावश्यक यात्रा भी कम होगी। फर्टिलिटी सेवाओं को स्थानीय स्तर पर उपलब्ध कराने के साथ-साथ इस पहल का फोकस डॉक्टरों के बीच संवाद और जानकारी के आदान-प्रदान को बढ़ाना भी है। इसी कड़ी में बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ ने पासीघाट में फर्टिलिटी अनस्क्रिप्टेड नाम से एक सीएमई कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम में अरुणाचल प्रदेश और पूर्वोत्तर क्षेत्र के महिला स्वास्थ्य विशेषज्ञों, फर्टिलिटी विशेषज्ञों और अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों ने फर्टिलिटी उपचार, प्रजनन स्वास्थ्य और बेहतर क्लिनिकल प्रैक्टिस से जुड़े विषयों पर चर्चा की। इस पहल पर बात करते हुए बिरला फर्टिलिटी एंड आईवीएफ, गुवाहाटी की सीनियर कंसल्टेंट एवं सेंटर हेड डॉ कल्पना जैन ने कहा कि फर्टिलिटी उपचार के लिए स्थान बाधा नहीं बनना चाहिए। अरुणाचल प्रदेश के दंपतियों को अपने शहर के नजदीक जरूरी सेवाएं मिलें, यही इस पहल का उद्देश्य है। इससे वे अपनी रोजमर्रा की जिंदगी और कामकाज को प्रभावित किए बिना उपचार शुरू कर सकेंगे और नियमित रूप से फॉलो-अप भी कर पाएंगे। हेल्थ केयर हॉस्पिटल की स्थानीय मौजूदगी और हमारी चिकित्सकीय विशेषज्ञता के साथ हम दंपतियों के लिए फर्टिलिटी उपचार को अधिक सुलभ बनाने की दिशा में काम कर रहे हैं। साथ ही, स्थानीय डॉक्टरों के साथ संवाद और प्रशिक्षण को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। हेल्थ केयर हॉस्पिटल, पासीघाट के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक डॉ के. मेगू ने कहा कि पासीघाट और आसपास के क्षेत्रों में फर्टिलिटी उपचार के विकल्प अब तक सीमित रहे हैं। ऐसे में स्थानीय स्तर पर सेवाएं उपलब्ध होना दंपतियों के लिए एक बड़ा बदलाव है। इससे उन्हें अपने घर के नजदीक जरूरी देखभाल मिल सकेगी और इलाज से जुड़ी भावनात्मक और व्यावहारिक चुनौतियां भी कम होंगी।

## लापता चार नाबालिग शिलांग के होटल से बरामद

**शिलांग, 2 जून (एजें)।** जोरहाट से लापता हुए 4 नाबालिग बच्चों को शिलांग पुलिस ने जे.के. इंटरनेशनल होटल, पुलिस बाजार से बरामद कर लिया है। इनमें 2 लड़के और 2 लड़कियां शामिल हैं, जिनकी उम्र 16 से 17 साल के बीच है। उनके साथ 26 साल का एक युवक भी मिला। सदर थाना और महिला थाना की टीम ने जानकारी मिलने के बाद तलाशी अभियान चलाया और सभी को होटल से बरामद किया। पूछताछ में लापता लड़कियों ने बताया कि वे सभी दोस्त हैं और दोनों लड़के आपस में चचेरे भाई हैं। वे 31 मई 2026 को बिना माता-पिता को बताए घूमने के लिए शिलांग आए थे। सूचना मिलते ही जोरहाट पुलिस की एक टीम बच्चों के परिजनों के साथ कल ही सदर थाना पहुंची। औपचारिक प्रक्रिया के बाद सभी बच्चों को उनके परिवार वालों को सौंप दिया गया।

# आईटीबीपी जवानों के लिए भाषा संस्कृति का ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू

**गंगटोक, 2 जून (एजें)।** भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने 1 जून से सिक्किम में तैनात अपने जवानों के लिए राज्य की भाषा, संस्कृति और परंपराओं पर पांच दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम शुरू किया है। कार्यक्रम का उद्घाटन गंगटोक स्थित 13वीं बटालियन आईटीबीपी मुख्यालय में हुआ। उद्घाटन सत्र में आईटीबीपी सेक्टर मुख्यालय गंगटोक के उप महानिरीक्षक संजीव कुमार सिंह मौजूद रहे। आधिकारिक बयान के मुताबिक, 11वीं, 13वीं, 48वीं और 63वीं बटालियन के 40 जवान इस प्रशिक्षण में हिस्सा ले रहे हैं। प्रशिक्षण सिक्किम सरकार के संस्कृति विभाग के विशेषज्ञ दे रहे हैं। इस पहल का मकसद आईटीबीपी जवानों को सिक्किम की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, स्थानीय भाषाओं, रीति-रिवाजों, पारंपरिक खान-पान और वेशभूषा से परिचित कराना है। इससे जवान ड्यूटी के दौरान स्थानीय समुदायों से बेहतर जुड़ाव बना सकेंगे। कार्यक्रम में प्रतिभागियों को सिक्किम के तीन प्रमुख समुदायों लेप्चा, भूटिया और नेपाली के इतिहास, भाषाई विविधता और जीवनशैली की जानकारी भी दी जाएगी। उद्घाटन समारोह में 13वीं बटालियन के कमांडेंट सुनील कंडपाल समेत अन्य वरिष्ठ आईटीबीपी अधिकारी भी उपस्थित थे। अधिकारियों ने कहा कि यह कार्यक्रम सांस्कृतिक समझ को मजबूत करेगा और सीमावर्ती राज्य में सुरक्षा कर्मियों और स्थानीय निवासियों के बीच घनिष्ठ संबंध बनाएगा।

# मेघालय : सीएम संगमा ने शिलांग स्कूल में 50 किलोवाट सोलर प्लांट का किया उद्घाटन

**शिलांग, 2 जून (एजें)।** मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. संगमा ने 2 जून को शिलांग के सेंट मैरी हायर सेकेंडरी स्कूल में मुख्यमंत्री सोलर मिशन के तहत 50 किलोवाट सोलर फोटोवोल्टिक (पीवी) प्लांट का उद्घाटन किया। इस मौके पर संगमा ने कहा कि यह पहल सिर्फ सोलर पैनल लगाने तक सीमित नहीं है। इसमें बैटरी बैकअप सिस्टम भी शामिल है, जिससे लंबे समय तक बारिश के दौरान भी बिजली आपूर्ति बाधित नहीं होगी। मुख्यमंत्री के अनुसार, 50 किलोवाट के इस सोलर प्लांट से स्कूल को हर महीने बिजली खर्च में 45,000 रुपये से ज्यादा की बचत होगी और छात्रों को जिम्मेदार व सतत ऊर्जा प्रथाओं को अपनाने के लिए प्रोत्साहन मिलेगा। स्कूल की प्रगति पर संतोष जताते हुए संगमा ने कहा कि संस्थान सौर ऊर्जा से अपनी जरूरतें पूरी करने में लगभग आत्मनिर्भर हो गया है। सरकार का लक्ष्य आने वाले वर्षों में इसे पूरी तरह ऊर्जा-स्वतंत्र बनाना और ग्रिड से अलग करना है। सीएम सोलर मिशन की उपलब्धियां गिनाते हुए मुख्यमंत्री ने बताया कि मेघालय के करीब 700 स्कूलों में 1.5 मेगावाट से ज्यादा सौर ऊर्जा उत्पादन क्षमता स्थापित की जा चुकी है। उन्होंने कहा कि जल्द ही 1,300 और स्कूलों में सोलर प्लांट लगाने का काम शुरू होगा। 'हमारा विजन सिर्फ संस्थानों को बिजली देना नहीं, बल्कि स्थिरता की संस्कृति बनाना है,' संगमा ने कहा। उन्होंने कहा कि भविष्य में स्कूल नेट मीटरिंग सिस्टम के जरिए आसपास के समुदायों को अतिरिक्त बिजली भी दे सकेंगे।

# दो स्पेशल ट्रेनों की सेवाओं का विस्तार, दो वन-वे स्पेशल ट्रेनों का होगा परिचालन

**गुवाहाटी, 2 जून (ख.सं)।** गर्मियों के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को सुविधा प्रदान करने के लिए, ट्रेन संख्या 05932/05931 (डिब्रूगढ़ - कोलकाता - डिब्रूगढ़) और ट्रेन संख्या 03407/03408 (भागलपुर - कटिहार - भागलपुर) की सेवाओं को दोनों दिशाओं में क्रमशः आठ और तीन अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ाया गया है। इसके अलावा, ट्रेन संख्या 05630 (गुवाहाटी - तिरुपति) और ट्रेन संख्या 05862 (रंगापाड़ा नॉर्थ - विजयवाड़ा) को वन-वे स्पेशल ट्रेन के रूप में चलाने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 05932 (डिब्रूगढ़ - कोलकाता) स्पेशल को 6 जून से 25 जुलाई, 2026 तक परिचालन के लिए बढ़ाया गया है। जबकि वापसी में, ट्रेन संख्या 05931 (कोलकाता - डिब्रूगढ़) स्पेशल को 8 जून से 27 जुलाई, 2026 तक परिचालन के लिए बढ़ाया गया है। ये ट्रेनें आठ अतिरिक्त फेरों के लिए अपनी मौजूदा सेवा, समय-सारिणी, संयोजन और ठहरावों के अनुसार ही चलेंगी। ट्रेन संख्या 03407 (भागलपुर - कटिहार) स्पेशल को 4 जून, 2026 तक परिचालन के लिए बढ़ाया गया है, जबकि वापसी में, ट्रेन संख्या 03408 (कटिहार - भागलपुर) स्पेशल को भी 4 जून, 2026 तक परिचालन के लिए बढ़ाया गया है। ये ट्रेनें तीन अतिरिक्त फेरों के लिए अपनी मौजूदा सेवा, समय-सारिणी, संयोजन और ठहरावों के अनुसार ही चलेंगी। इसके अतिरिक्त, 4 जून, 2026 को एक फेरा के लिए दो वन-वे स्पेशल ट्रेनों के परिचालन का निर्णय लिया गया है। दोनों, ट्रेन संख्या 05630 (गुवाहाटी - तिरुपति) और ट्रेन संख्या 05862 (रंगापाड़ा नॉर्थ - विजयवाड़ा) गुरुवार को चलेंगी। कुल मिलाकर, गर्मियों में भीड़भाड़ के दौरान ये स्पेशल ट्रेन सेवाएं कनेक्टिविटी में सुधार, यात्रियों की आवाजाही को सुगम और यात्रा के अधिक आरामदायक अनुभव को सुनिश्चित करेंगी। इन ट्रेनों के ठहराव और समय-सारणी की विस्तृत जानकारी आईआरसीटीसी की वेबसाइट और एनएफआर के सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर उपलब्ध है। यात्रियों से अनुरोध है कि वे अपनी यात्रा शुरू करने से पहले इन विवरणों की जाँच कर लें।

# पर्यावरण अनुकूल विकास से ही गर्मी से मिलेगी राहत

कभी तापमान के मामले में देश के अन्य हिस्सों से अलग पहचान रखने वाला असम आज भीषण गर्मी और उमस की मार झेल रहा है। इसका उदाहरण पिछले कुछ वर्षों से यहां जून, जुलाई और अगस्त माह में पड़ने वाली भीषण गर्मी है। इसका प्रकोप इस वर्ष भी पिछले कुछ दिनों से जारी है, जिससे प्रदेशवासी बेहाल हैं। हरियाली, नदियों और प्रचुर वर्षा के लिए प्रसिद्ध यह राज्य अब ऐसे मौसमीय बदलाओं का सामना कर रहा है, जो कुछ दशक पहले असमान्य माने जाते थे। हाल के वर्षों में गर्म दिनों की संख्या बढ़ी है। रातों का भी तापमान समान्य से अधिक रहने लगा है और लोगों को तीखी गर्मी का अनुभव हो रहा है। असम की जलवायु पारंपरिक रूप से अपेक्षाकृत संतुलित रही है। प्री मानसून वर्षा और समय पर आने वाली बरसात गर्मी को नियंत्रित करती थी, किन्तु अब मौसम का चक्र अनिश्चित होता जा रहा है। कभी अत्यधिक वर्षा और बाढ़ तो कभी लंबे समय तक उमस और गर्मी-ये दोनों स्थितियां राज्य के सामने चुनौतियां खड़ी कर रही हैं। विशेषज्ञ इसे व्यापक जलवायु परिवर्तन, अनियोजित शहरीकरण और हरित क्षेत्रों में कमी से जोड़कर देखते हैं। विशेष चिंता की बात है कि असम के लोग ऐतिहासिक रूप से अत्यधिक गर्मी के अभ्यस्त नहीं रहे हैं। इसलिए तापमान में थोड़ी भी असमान्य वृद्धि स्वास्थ पर गंभीर प्रभाव डाल सकती है। बुजुर्ग, बच्चे, दिहाड़ी मजदूर और खुले में काम करने वाले लोग सबसे अधिक प्रभावित होते हैं। बढ़ती गर्मी बिजली की मांग, पेयजल संकट और स्वास्थ्य सेवाओं पर भी अतिरिक्त दबाव डालती है। इसलिए सरकार और स्थानीय प्रशासन को केवल तत्कालिक राहत उपायों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। शहरों में वृक्षारोपण, जलाशयों का संरक्षण, वैज्ञानिक शहरी नियोजन तथा गर्मी से बचाव संबंधी जन जागरूकता अभियान समय की आवश्यकता है। विद्यालयों, अस्पतालों और सार्वजनिक संस्थानों में भीषण गर्मी से निपटने के लिए स्पष्ट कार्य योजना तैयार की जानी चाहिए। असम की पहचान उसकी प्राकृतिक संपदा और अनुकूल जलवायु से रही है। यदि बढ़ती गर्मी को गंभीरता से नहीं लिया गया तो आने वाले समय में यह समस्या और विकराल रूप धारण कर सकती है। इसलिए यह केवल मौसम का नहीं, बल्कि पर्यावरण, स्वास्थ्य और विकास से जुड़ा एक व्यापक प्रश्न है। असम को अपने बदलते मौसमीय मिजाज को समझते हुए सतत और पर्यावरण अनुकूल विकास की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे, तभी यह प्रदेश अपनी प्राकृतिक विरासत और जीवन की गुणवत्ता को सुरक्षित रख सकेगा।

# युद्धों को शुरू करना आसान है, लेकिन खत्म करना मुश्किल

संघर्षों की शब्दावली अब काफी बदल गई है। रणनीतिक विमर्श में हाइब्रिड, अन-रेस्ट्रिक्टेड और कॉग्निटिव वारफेयर जैसे शब्द खूब चलन में हैं। फिर भी, ग्रे जोन की व्याख्या अकसर बहुत सीमित मायनों में की जाती है, यानी पारंपरिक युद्ध की सीमा से नीचे होने वाली गतिविधियां- जैसे साइबर घुसपैठ, प्रॉक्सी संघर्ष, आर्थिक दबाव या दुष्प्रचार के अभियान। लेकिन हालिया संघर्ष एक गहरे बदलाव को दिखाते हैं। अब आधुनिक युद्ध लगातार बने रहने वाली ग्रे जोन परिस्थितियों में लड़े जा रहे हैं- ऐसा रणनीतिक वातावरण, जिसकी खासियत अस्पष्टता, नियंत्रित तनाव वृद्धि, राजनीतिक संयम, तकनीकी असमानता और नैरेटिव की प्रतिस्पर्धा हैं। इसमें ग्रे जोन ऑपरेशन तो महज औजार हैं, जबकि ग्रे जोन परिस्थितियां वो व्यापक रणनीतिक वातावरण बनाती हैं, जिनमें हालिया संघर्ष घट रहे हैं। 21वीं सदी के वारफेयर को इसी अंतर से समझा जा सकता है। पारंपरिक संघर्ष स्पष्टत: दो चीजों पर आधारित होते थे- शांति या युद्ध, जीत या हार। यह धारणा अब समाप्त होती जा रही है। आधुनिक युद्ध शायद ही कभी पूरी जीत तक पहुंचते हैं। इसके बजाय, देश या दूसरे नॉन-स्टेट समूह संघर्ष में स्थितिजन्य लाभ, रणनीतिक बढ़त और मनोवैज्ञानिक प्रभाव हासिल करने की कोशिश करते हैं। साथ ही वे उस सीमा को पार करने से भी बचते हैं, जहां हालात को राजनीतिक रूप से संभालना कठिन हो। ईरान युद्ध में आज यही दिख रहा है। ये अस्पष्टता संघर्ष की कोई आकस्मिक घटना नहीं, बल्कि एक सोचा-समझा रणनीतिक हथियार बन चुकी है। इस बदलाव के लिए कई संरचनात्मक फैक्टर्स उत्तरदायी हैं। परमाणु हथियारों के कारण बड़ी ताकतें सावधानी बरतती हैं। परस्पर आर्थिक निर्भरता लंबे संघर्षों की कीमत बहुत बढ़ा देती है। सूचना क्रांति ने जवाबी कार्रवाई का समय बहुत कम कर दिया और सोशल मीडिया को युद्धक्षेत्र जैसा बना दिया है। सबसे अहम यह है कि तकनीकी विकास के चलते उन क्षमताओं तक सभी की पहुंच हो गयी, जिन पर कभी सिर्फ बड़ी सैन्य ताकतों का एकाधिकार था। नतीजतन, स्पष्ट जीत हासिल कर पाना कठिन होता जा रहा है। रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यह साफ दिखता है। बड़े पारंपरिक सैन्य टकराव के बावजूद यह युद्ध आज भी परमाणु धमकियों, प्रतिबंधों, साइबर ऑपरेशनों और ड्रोन वारफेयर से निर्मित व्यापक ग्रे जोन में अटका है। भारी संसाधन खपाने के बावजूद किसी को निर्णायक बढ़त नहीं मिली।

गाजा, लेबनान और यमन के संघर्षों में भी नजर आता है कि सैन्य श्रेष्ठता अब राजनीतिक समाधान की गारंटी नहीं देती। इस्राइल के पास जबर्दस्त सैन्य बढ़त है, लेकिन निर्णायक परिणाम हासिल नहीं हो सका, क्योंकि हूती जैसे समूह सस्ते ड्रोन और मिसाइलों के हमलों से लाल सागर के अहम समुद्री मार्गों को बाधित कर रहे हैं। कमजोर प्रतिद्वंद्वी अब पूरी जीत नहीं, बल्कि टिके रहने, बाधा डालने और बने रहने की क्षमता हासिल करना चाह रहे हैं। तकनीक के प्रसार ने भी कमजोर देशों और प्रॉक्सी समूहों की ड्रोन, साइबर टूल्स, सटीक मार करने वाली मिसाइलों और इन्फॉर्मेशन वारफेयर की क्षमताओं तक पहुंच सुलभ कर दी है। भले ही वे युद्ध जीतने में सक्षम न हों, लेकिन उनके पास मजबूत प्रतिद्वंद्वियों की निर्णायक जीत को रोके रखने की अभूतपूर्व क्षमता है। अब इससे एक नयी रणनीतिक स्थिति पैदा हुई- जीत मिले बिना युद्ध से अलग होना। अकसर युद्ध अब औपचारिक शांति समझौते या आत्मसमर्पण से नहीं, बल्कि एक असहज विराम, अस्थायी सीजफायर या प्रबंधित तरीके से मिलिट्री डिसइंगेजमेंट के रूप में खत्म होते हैं। बड़ी ताकतें सैन्य श्रेष्ठता बनाये रखती हैं, लेकिन राजनीतिक उद्देश्य पूरी तरह हासिल नहीं कर पातीं। निर्णायक परिणामों का स्थान अब रणनीतिक थकान लेने लगी है। एक और महत्वपूर्ण बदलाव है- युद्धक्षेत्र का विस्तार। युद्ध अब केवल सेना और सीमा तक सीमित नहीं रहा, बल्कि बुनियादी ढांचा, संचार प्रणाली, एनर्जी ग्रिड, वित्तीय नेटवर्क और आम धारणा- ये सब भी युद्धक्षेत्र में आ चुके हैं। सैन्य अभियानों के साथ नैरेटिव मैनेजमेंट भी प्रमुख रणनीतिक साधन बन गया है। जो देश लंबे तनाव के दौरान सामाजिक एकता, आर्थिक स्थिरता और जनता का भरोसा बनाये रख सकेंगे, दीर्घकालिक रणनीतिक बढ़त उन्हें ही मिलेगी। निर्णायक परिणाम वाले युद्धों का युग समाप्त हो रहा है। उनकी जगह ऐसी स्थायी प्रतिस्पर्धाएं ले रही हैं, जो पारंपरिक युद्ध की सीमा के आसपास और उसके भीतर जारी रहती हैं। रणनीतिक अस्पष्टता अब एक प्रमुख हकीकत बन चुकी है।

**- सैयद अता हसनैन**

## संपादकीय

# देश को एकता के सूत्र में जोड़ेगा त्रिभाषा फॉर्मूला

**उमेश चतुर्वेदी**

विविधता में एकता की संस्कृति वाले अपने देश की नयी पीढ़ी को एकता की सीख देने की दिशा में त्रिभाषा फॉर्मूला कारगर साबित हो सकता है। वर्षों के लंबे अंतराल के बाद आयी नयी शिक्षा नीति, 2020 ने एक बार फिर त्रिभाषा फॉर्मूले को अपनाने पर जोर दिया है। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड यानी सीबीएसई एक जुलाई से शुरू हो रहे नये सत्र में नौवीं से लेकर बारहवीं तक में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने जा रही है, पर अतीत की तरह इस बार भी इसका विरोध शुरू हो गया है, जबकि देश को एकता के सूत्र में जोड़ने वाले इस कदम का स्वागत होना चाहिए। इसे लेकर शिक्षकों, छात्रों और अभिभावकों का एक समूह देश की सर्वोच्च अदालत में पहुंच गया है और सीबीएसइ के इस निर्णय को मनमाना बताया है। इससे छात्रों, अध्यापकों और स्कूलों पर दबाव बढ़ने की बात कही जा रही है। हालांकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस पर रोक तो नहीं लगायी है, अलबत्ता केंद्र सरकार और सीबीएसइ को कारण बताओ नोटिस जारी कर जवाब जरूर मांग लिया है।

त्रिभाषा फॉर्मूला सबसे पहले कोठारी आयोग के प्रमुख दौलत सिंह कोठारी ने दिया था। दौलत सिंह कोठारी कोई मामूली व्यक्ति नहीं थे। वे रक्षा अनुसंधान एवं अध्ययन संगठन यानी डीआरडीओ के संस्थापक थे और महान ब्रिटिश वैज्ञानिक लॉर्ड रदरफोर्ड के शिष्य। उनका मानना था कि भारतीय एकता के सूत्र को और मजबूत करने में त्रिभाषा फॉर्मूला बेहद कारगर होगा। इसलिए उन्होंने छात्रों को पहली भाषा के रूप में मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा, दूसरी भाषा के रूप में हिंदीभाषी क्षेत्रों में अंग्रेजी या कोई अन्य आधुनिक भारतीय भाषा और गैर हिंदीभाषी क्षेत्रों में हिंदी या अंग्रेजी पढ़ाने का सुझाव दिया था। कोठारी आयोग ने तीसरी भाषा के रूप में अंग्रेजी और कोई अन्य भारतीय भाषा, जो पहली या दूसरी भाषा के रूप में शामिल न हो, पढ़ाने का प्रावधान करने की सलाह दी थी। तब देश को आजादी मिले बहुत दिन नहीं हुए थे। हालांकि हिंदी को लेकर तमिलनाडु में विरोध जारी था। इसके बावजूद तकरीबन पूरे देश ने इस त्रिभाषा फॉर्मूले को स्वीकार कर लिया। वर्ष 1968 में आयी पहली शिक्षा नीति में इसे शब्दश: अपना लिया गया। वर्ष 1986 में आयी नयी शिक्षा नीति में भी इस फॉर्मूले को जारी रखा गया।

इस फॉर्मूले को हिंदीभाषी क्षेत्रों में तो अपना लिया गया, पर तमिलनाडु जैसे कुछ राज्यों ने इसे नहीं अपनाया। वर्ष 2020 में आयी नयी शिक्षा नीति ने भी इसे अपना लिया है। इसके बाद से तमिलनाडु के पूर्व मुख्यमंत्री स्टालिन ही नहीं, कर्नाटक की राजनीति के एक हिस्से ने भी इसे स्थानीय संस्कृति और भाषा की अस्मिता पर चोट बताने में देर नहीं लगायी है। सीबीएसई के आदेश को नयी शिक्षा नीति, 2020 का कार्यान्वयन कहा जा सकता है, जिसके तहत पहली जुलाई से नौवीं कक्षा में तीन भाषाएं पढ़ायी जाएंगी, जिनमें दो भारतीय भाषाओं का होना अनिवार्य होगा। इस आदेश के अनुसार, यदि पहली भाषा अंग्रेजी है, तो दूसरी भाषा हिंदी या स्थानीय क्षेत्र विशेष की मातृभाषा होगी और तीसरी भाषा के रूप में संविधान की आठवीं अनुसूची की कोई भी भाषा चुनी जा सकेगी। इस कार्यान्वयन का उद्देश्य देश में बहुभाषिकता को बढ़ावा देना है। नयी शिक्षा नीति के तहत इस फॉर्मूले को राज्यों में भी लागू किया जाना है। कुछ राज्यों, मसलन महाराष्ट्र आदि ने इस दिशा में कदम उठाया तो सही, पर स्थानीय अस्मिता के कथित संरक्षकों के विरोध के कारण इस नीति में ढिलायी देनी पड़ी।

त्रिभाषा फॉर्मूले के विरोध में दक्षिण के राज्यों का आरोप रहा है कि उत्तर भारत के राज्यों में उनकी भाषाओं को सीखने के प्रति कभी उत्साह नहीं दिखा। उत्तर के राज्यों ने इस फॉर्मूले को अपनाया, लेकिन तीसरी भाषा के रूप में किसी अन्य भारतीय भाषा की बजाय संस्कृत को अपना लिया। इसका उद्देश्य एक तरह से भारतीय भाषाओं, विशेषकर दक्षिण की भाषाओं को किनारे करना था। सीबीएसई के नये आदेश में इसकी गुंजाइश ही नहीं है। रही बात छात्रों पर दबाव बढ़ने की, तो यह सवाल फिजूल है। महानगरों के ज्यादातर पब्लिक स्कूलों में ग्यारहवीं-बारहवीं में हिंदी पढ़ने-पढ़ाने का विकल्प ही नहीं है। पर उनके यहां विदेशी भाषाओं को पढ़ाने की व्यवस्था जरूर है।

सीबीएसई के नये आदेश के परिप्रेक्ष्य में उत्तर भारत के विद्यालयों को चाहिए कि वे अपने यहां तीसरी भाषा के रूप में दक्षिण की भाषाएं पढ़ने-पढ़ाने का विकल्प चुनने की कोशिश करें। इससे गैर हिंदीभाषी राजनीति को यह कहने का अवसर ही नहीं मिल सकेगा कि हिंदीभाषियों में उनकी भाषा को लेकर स्नेह नहीं है। मानवशास्त्री और समाज विज्ञानी मानते हैं कि किसी भी विविधरंगी संस्कृति को जोड़ने वाले धागों में भाषाओं का स्थान महत्वपूर्ण है। भाषाएं सिर्फ स्थान और क्षेत्र विशेष के संचार का जरिया ही नहीं होतीं, वे अपनी सभ्यता की ऐतिहासिक यात्रा और सांस्कृतिक रस-गंध की अभिव्यक्ति का जरिया भी होती हैं। भारत जैसे बहुलवादी देश में जब आधुनिक शिक्षा नहीं थी, तब भाषाएं ही वह तंतु थी, जिनसे उत्तर से दक्षिण और पूरब से पश्चिम जुड़ता था। विद्वानों के बीच भौगोलिक दूरियों के बावजूद संचार का साधन संस्कृत जरूर रही, पर संचार के लिए अन्य भारतीय भाषाएं भी गंभीर भूमिका निभाती थीं। त्रिभाषा फॉर्मूले से पढ़कर निकले छात्र उसी भूमिका को आधुनिक तौर पर और आगे बढ़ायेंगे।

# अपशिष्ट पुनर्चक्रण व एथेनॉल नीति में सुधार जरूरी

**नंदुला रघुराम**

पश्चिम एशियाई संघर्ष के कारण दुनियाभर में सामान की आवाजाही व आपूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है, जिससे ईंधन और उर्वरकों की कीमतें बढ़ गयी हैं। इसी बीच भारत कई दशकों की सबसे भीषण गर्मी तथा कमजोर मानसून जैसी गंभीर चुनौतियों का सामना कर रहा है। हालांकि, इन समस्याओं की कुछ वजहें वैश्विक हालात हैं, पर कई मुश्किलें हमारी अपनी नीतियों और कमजोरियों का भी परिणाम हैं।

स्थिति और चिंताजनक तब हो जाती है, जब एक तरफ पीने के पानी और खेती के लिए भी पर्याप्त जल उपलब्ध नहीं है, और दूसरी तरफ हम बायोएथेनॉल उत्पादन को तेजी से बढ़ावा दे रहे हैं। इस्तेमाल की गयी फसल के आधार पर एक लीटर एथेनॉल बनाने में लगभग चार से दस हजार लीटर तक पानी खर्च होता है। आज स्थिति यह है कि देश अपनी जरूरत की लगभग 20 प्रतिशत दालें आयात करता है, जबकि दालें देश में बढ़ती प्रोटीन की कमी को दूर करने के साथ यूरिया की मांग घटाने में भी मददगार साबित हो सकती हैं।

सूक्ष्म कणों, यानी पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) के कारण लोगों की सेहत प्रभावित हो रही है। फिर भी, अधिकांश कोयला आधारित थर्मल पावर प्लांटों को फ्लू गैस डीसल्फराइजेशन सिस्टम लगाने से छूट दे दी गई है। यह तकनीक सल्फर डाइऑक्साइड के उत्सर्जन को कम करती है, जो खेतों से निकलने वाली अमोनिया के साथ मिलकर हवा में खतरनाक सूक्ष्म कण पैदा करती है। वहीं, खेती के लिए जरूरी पोषक तत्व गोबर और सीवेज में बड़ी मात्रा में मौजूद होते हैं, पर उनके सही पुनर्चक्रण की कमी के चलते रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता बढ़ गयी है। खराब अपशिष्ट प्रबंधन से भी जलाशयों में यूट्रोफिकेशन जैसी समस्या बढ़ रही है, जिससे विभिन्न जलस्रोत धीरे-धीरे दम तोड़ रहे हैं।

विशेषज्ञों का मानना है कि जहां भी संभव हो, खेती में दालों और अन्य फलीदार फसलों पर आधारित फसल चक्र तथा बहु-फसली खेती को दोबारा बढ़ावा दिया जाना चाहिए, क्योंकि फलीदार फसलें हवा से प्राकृतिक रूप से नाइट्रोजन ग्रहण कर लेती हैं, कम पानी में तैयार हो जाती हैं और यूरिया जैसी रासायनिक खादों पर निर्भरता भी घटा देती हैं। इसी सोच के तहत अक्तूबर 2025 में शुरू किये गये दलहन आत्मनिर्भरता मिशन में सरकार ने अरहर, उड़द व मसूर जैसी दालों की अगले चार वर्षों तक 100 प्रतिशत खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर करने का वादा किया था, पर अप्रैल में सरकार द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, दालों की बुआई क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में केवल 1.26 फीसदी की मामूली वृद्धि ही दर्ज की गयी है। यह उत्साहजनक नहीं है, विशेष रूप से 2021-22 से 2024-25 के बीच क्षेत्र में हुई गिरावट की तुलना में।

विशेषज्ञों के अनुसार, भारत में लगभग 90 अरब क्यूबिक मीटर तक कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) उत्पादन की क्षमता मौजूद है, जिससे आयातित प्राकृतिक गैस की आवश्यकता लगभग पूरी तरह खत्म की जा सकती है और घरेलू व औद्योगिक जरूरतों की बड़ी मांग देश के भीतर ही पूरी हो सकती है। इसी दिशा में राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा मिशन, गोबरधन और सतत जैसी योजनाओं के तहत सरकार बायोगैस उत्पादन बढ़ाने तथा गैस मिश्रण को अनिवार्य बनाने के लिए कई प्रोत्साहन दे रही है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद देश की कुल उत्पादन क्षमता लगभग 3,700 टन प्रतिदिन तक पहुंच सकती है। विशेषज्ञ मानते हैं कि भारत ने 2070 तक नेट जीरो, यानी शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन का जो लक्ष्य तय किया गया है, उसे हासिल करने के लिए मौजूदा नीतियों और योजनाओं की गति अभी पर्याप्त नहीं है। इन पहलों का दायरा तथा प्रभाव, दोनों को तेजी से बढ़ाने की आवश्यकता है। उनका सुझाव है कि रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल तभी किया जाए, जब स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सभी जैविक विकल्प-जैसे गोबर खाद, कंपोस्ट, बायोचार व अन्य जैविक स्रोत पूरी तरह उपयोग में लाये जा चुके हों। अखिल भारतीय समन्वित फसल परीक्षणों में भी यह साबित हो चुका है कि उर्वरकों की अनुशंसित मात्रा का करीब आधा हिस्सा खाद, कंपोस्ट या बायोचार से बदला जा सकता है और इससे फसल उत्पादन पर कोई नकारात्मक असर भी नहीं पड़ता। पर, समस्या यह है कि सरकारी सिफारिशों और कृषि सलाहों में इन वैकल्पिक उपायों को पर्याप्त जगह नहीं मिल पायी है। नतीजतन, किसान रासायनिक उर्वरकों को ही आधार खुराक मानकर उनका अत्यधिक उपयोग करते हैं।

जरूरत इस बात की भी है कि अनाज और खाद्य फसलों से बनने वाले एथेनॉल को हतोत्साहित किया जाए और इसके उत्पादन के लिए केवल शीरा (मोलासेस) तथा अन्य बेकार बायोमास के इस्तेमाल की ही अनुमति दी जाए। नीति आयोग के अनुसार, दिल्ली, बंगलूरू और चेन्नई समेत भारत के 21 बड़े शहरों में वर्ष 2030 तक भूजल पूरी तरह समाप्त होने का खतरा है। फिर भी, एथेनॉल उत्पादन से जुड़ी डिस्टिलरी इकाइयों को शून्य-अपशिष्ट उत्सर्जन(जीरो एफ्लुएंट डिस्चार्ज) के स्व-प्रमाणन के आधार पर ही अनुमति दी जा रही है। परिणामस्वरूप, कई डिस्टिलरी बिना पर्याप्त निगरानी के भूजल और सतही जल स्रोतों को प्रदूषित कर रही हैं।

फसलों में नाइट्रोजन, फॉस्फोरस और अन्य पोषक तत्वों के उपयोग की क्षमता बढ़ाने के लिए सरकार को अगले पांच वर्षों में अपना निवेश कम-से-कम दस गुना तक बढ़ाना चाहिए। आज कृषि में इस्तेमाल होने वाले कुल यूरिया का दो-तिहाई और फॉस्फेट का तीन-चौथाई से अधिक हिस्सा फसल तक पहुंच ही नहीं पाता और हवा तथा पानी में प्रदूषक तत्वों के रूप में फैल जाता है। इस बर्बाद होने वाली खाद की आर्थिक कीमत सालाना 1.5 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा बैठती है, जो भारत में होने वाले कुल सरकारी अनुसंधान एवं विकास (आरएंडडी) खर्च के दोगुने से ज्यादा है। विशेषज्ञों के अनुसार, धान की जर्मप्लाज्म, यानी आनुवंशिक सामग्री में ही इतनी क्षमता मौजूद है कि प्रति इकाई यूरिया के उपयोग पर मिलने वाली फसल की पैदावार को दोगुना किया जा सकता है। भारत को इन समस्याओं का समाधान तुरंत और गंभीरता से करना होगा। तभी देश भोजन, ईंधन, स्वास्थ्य और पर्यावरण से जुड़े उन बहुस्तरीय संकटों से बच सकेगा, जो लगातार गहराते जा रहे हैं।

केंद्र राष्ट्रीय नाइट्रोजन संचालन समिति को दोबारा सक्रिय करने पर विचार कर सकता है, जिसकी स्थापना सतत नाइट्रोजन प्रबंधन पर भारत के नेतृत्व वाले पहले संयुक्त राष्ट्र प्रस्ताव को लागू करने के लिए की गयी थी। समिति का कार्यकाल 2024 में खत्म हो गया, पर उसकी किसी भी प्रमुख सिफारिश पर अब तक ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी-जैसा कि अक्सर नीतिगत स्तर पर देखने को मिलता है।

# आरसीबी का रिकॉर्ड, सूर्यवंशी का धमाका

**अभिषेक दुबे**

आईपीएल-26 ने इतिहास बना दिया है। इंडियन प्रीमियर लीग के इस सीजन में जो कुछ हुआ, वह इससे पहले कभी नहीं हुआ था। आईपीएल के किसी सीजन में इतने रन नहीं बने थे, जितने इस बार बने। आईपीएल के इस सीजन में सबसे ज्यादा छक्के लगे, तो सबसे अधिक 15 शतक भी इसी बार लगे। इस सीजन में 200 रनों से ज्यादा का टोटल बना, तो सबसे अधिक बार 200 से अधिक रन चेज भी किये गये। यही नहीं, पहली बार इस सीजन में तीन बल्लेबाजों-वैभव सूर्यवंशी, शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने 700 से ज्यादा रन बनाये।

आईपीएल में लगभग दो दशक तक रॉयल चैलेंजर्स, बेंगलुरु यानी आरसीबी पर चोकर्स का तमगा लगा। आरसीबी के प्रशंसक हर साल किंग विराट कोहली की कप्तानी में चैंपियन बनने का सपना देखते, लेकिन हर सीजन के बाद उन्हें मायूसी मिलती। मैं आईपीएल की किसी दूसरी टीम के लिए खेलने का सोच भी नहीं सकता, आरसीबी फैंस का प्यार मेरे लिए किसी भी ट्रॉफी से बड़ा है। विराट ने यह कहकर आरसीबी टीम की कप्तानी छोड़ी थी। लेकिन अपने करियर के आखिरी पड़ाव पर किंग कोहली ने आरसीबी को लगातार दो ट्रॉफी जिताने में अहम भूमिका निभायी। चेज मास्टर विराट कोहली ने अपनी फ्रेंचाइजी आरसीबी के साथ अपने सभी सपनों को आखिरकार चेज कर ही लिया। साफ है कि चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस के बाद आईपीएल में अब आरसीबी युग का आगाज हो चुका है।

आरसीबी को इस ऊंचाई तक ले जाने वाले इसके कप्तान रजत पाटीदार की कहानी तो बिल्कुल परिकथा जैसी है। वर्ष 2021 में आरसीबी ने रजत पाटीदार को 20 लाख में खरीदा था, लेकिन रजत उस सीजन के चार मैचों में सिर्फ 71 रन ही बना सके थे। ऐसे में, अगले साल आरसीबी ने उन्हें रिलीज कर दिया और किसी भी टीम ने नीलामी में उन्हें नहीं खरीदा, लेकिन तभी आरसीबी के विकेटकीपर बल्लेबाज लवनीत सिसोदिया चोटिल हो गये और कोच ने रजत पाटीदार को बुलावा भेजा। उस सीजन में पाटीदार ने एक शतक समेत कुल 333 रन बनाये। अगला सीजन पाटीदार के लिए और धमाकेदार रहा तथा वह लीग के सबसे

खतरनाक मिडिल ऑर्डर बल्लेबाज बनकर उभरे। वर्ष 2025 में आरसीबी में लीडरशिप का संकट पैदा हो गया। फाफ डू प्लेसिस टीम का साथ छोड़ चुके थे और विराट कोहली दोबारा कप्तानी करना नहीं चाहते थे।

ऐसे में, हेड कोच और बल्लेबाज कोच ने रजत पाटीदार पर दांव लगाया। और पाटीदार इस कसौटी पर खरे उतरे। महेंद्र सिंह धोनी और रोहित शर्मा के बाद रजत पाटीदार आईपीएल के इतिहास में तीसरे ऐसे कप्तान बन गये हैं, जिन्होंने अपनी टीम को लगातार दो बार खिताब दिलाया। इस साल टीम को चैंपियन बनाकर रजत पाटीदार ने यह भी साबित कर दिया कि 2025 की जीत इत्तफाक नहीं थी। क्वालीफायर-1 में रजत पाटीदार ने गुजरात टाइटंस के खिलाफ 33 गेंदों पर जबरदस्त 93 रन बनाये थे। किसी एक खिलाड़ी पर अत्यधिक निर्भरता की बजाय टीम में हर खिलाड़ी के लिए भूमिका तय कर, सोची-समझी रणनीति के साथ फील्ड लगाकर और गेंदबाजी में चतुर बदलाव के जरिये रजत आईपीएल के लीजेंड कप्तानों में शुमार हो चुके हैं। जल्दी ही वह टीम इंडिया का हिस्सा बन सकते हैं।

आईपीएल-26 में एक और सपना उड़ान भर चुका है, जिसमें विश्व क्रिकेट का अगला बादशाह बनने की ताकत है। इस सीजन में पंद्रह साल के वैभव सूर्यवंशी ने लगभग अकेले दम पर अपने फ्रेंचाइजी राजस्थान रॉयल्स को खिताब के मुहाने तक ला खड़ा कर दिया। वर्ष 1989 में भारतीय क्रिकेट में जो क्षमता मुंबई के सचिन रमेश तेंदुलकर ने दिखायी थी, 2026 में वही भरोसा और उम्मीद बिहार के वैभव सूर्यवंशी दिखा रहे हैं। बिहार ने इससे पहले टीम इंडिया को महेंद्र सिंह धोनी, ईशान किशन, मुकेश कुमार और आकाशदीप जैसे क्रिकेटर दिये हैं। लेकिन प्रदेश में क्रिकेट के जर्जर ढांचे की वजह से या तो इन्हें ईशान की तरह झारखंड के लिए खेलना पड़ा या फिर मुकेश और आकाशदीप की तरह दूसरे राज्यों से। वैभव के पिता संजीव सूर्यवंशी राज्य में जर्जर क्रिकेट ढांचे की वजह से खुद तो बड़े स्तर पर क्रिकेट नहीं खेल सके, लेकिन अपने बेटे को उस मुहाने पर जरूर ही खड़ा कर दिया है।

वर्ष 2025 में वैभव ने 14 साल की उम्र में आईपीएल में कदम रखा और 2026 में वह आईपीएल के बेताज बादशाह बन चुके हैं। सूर्यवंशी ने इस सीजन के 16 मैचों में 237 की स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाये और ऑरेंज कैप पहना। उन्होंने इस सीजन में 72 छक्के लगाये, जो आईपीएल के किसी भी सत्र का रिकॉर्ड है। लीग के नॉक आउट के दो मैचों में सूर्यवंशी ने दो अलग-अलग परिस्थितियों में 97 और 96 रन की शानदार पारियां खेलीं और जसप्रीत बुमराह तथा जोस हाजेलवुड जैसे गेंदबाजों का स्वागत छक्का लगाकर किया। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर, इयान बिशप और जोस बटलर जैसे दिग्गज वैभव सूर्यवंशी को वंडरबॉय का तमगा दे चुके हैं। वैभव को अभी रुकना नहीं है। विराट कोहली की तरह वैभव सूर्यवंशी को अभी आईपीएल और टीम इंडिया के लिए लगातार खेल को विराट और बेहतर बनाते हुए शिखर को पाना और वहां बने रहना है। अगर अगले साल 50 ओवर वाले विश्व कप में वैभव सूर्यवंशी कप्तान शुभमन गिल के साथ पारी की शुरुआत करते दिखें, तो आश्चर्य नहीं होगा। वैभव सूर्यवंशी बेशक आईपीएल के इस सीजन में सबसे चमकदार खिलाड़ी बनकर उभरे हैं। लेकिन इसके अलावा भी शाकिब हुसैन, प्रिंस यादव और कार्तिक त्यागी जैसे कई युवा खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से उम्मीदें जगायी हैं, जबकि मोहम्मद सिराज और भुवनेश्वर कुमार ने अपनी गेंदबाजी के जरिये संदेश दिया कि टाइगर अभी जिंदा है।

आईपीएल-26 में कुछ ने सपनों की ऊंची उड़ान भरी, तो कुछ के सपने टूटे भी. मुंबई इंडियंस के लिए एक और सीजन बेकार गया। इसके कप्तान हार्दिक पंड्या अगले सीजन में शायद किसी दूसरे फ्रेंचाइजी की जर्सी में दिखें। इसी तरह रोहित शर्मा और सूर्यकुमार यादव का ग्राफ तेजी से नीचे की ओर जा रहा है। ऐसे में, मुंबई इंडियंस को जल्द ही नये लीडर के साथ तेवर ओर कलेवर की भी जरूरत पड़ेगी। लखनऊ सुपर जाएंट्स के लिए भी यह सीजन निराशाजनक रहा। टीम के कप्तान ऋषभ पंत ने आखिरी मैच के बाद इस्तीफा दे दिया है। एकदिवसीय और टी-20 टीम में अपनी जगह खो चुके पंत को आने वाले समय में टेस्ट टीम में भी चुनौती का सामना करना पड़ेगा।

## संक्षिप्त समाचार

### फुटबॉल खिलाड़ी आलोक निषाद का हुआ जोरदार स्वागत

**गोरखपुर, एजेंसी।** ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन की ओर से थाईलैंड के बैंकॉक में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मैत्रीपूर्ण फुटबॉल प्रदर्शनी मैच के अंडर-17 टीम में बतौर गोलकीपर शहर के आलोक निषाद ने शानदार प्रदर्शन किया। सोमवार को आलोक के गोरखपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर उनका जोरदार स्वागत किया गया। आलोक हैदराबाद से विमान से सोमवार की शाम गोरखपुर एयरपोर्ट पहुंचे। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग ढोल-नगाड़ों के साथ फूल-माला के साथ एयरपोर्ट के बाहर खड़े थे। एयरपोर्ट से बाहर आने पर आलोक को माला पहनाकर स्वागत किया गया। इस अवसर पर आलोक ने कहा कि भारतीय टीम में शामिल होना गर्व की बात है। यह अनुभव शानदार रहा। कहा कि उनका लक्ष्य है कि अपने प्रदर्शन के दम पर वह भारतीय फुटबॉल टीम को वर्ल्ड कप तक पहुंचाएं। इस दौरान डेविड सीरिल, हमजा खान, कौच संतोष सिंह, क्रीड़ा अधीक्षक अभय सिंह, एनपी गौड़, शंभू नाथ आदि मौजूद रहे।

### पोलैंड से लौटे सिंघम से रेलवे स्टेशन के पास लूटी चेन

**मेरठ, एजेंसी।** पोलैंड से लौटकर तमिलनाडू जा रहे तीरामरन बाल सिंघम रविवार रात नशे की हालत में होने के कारण गलत ट्रेन में चढ़कर मेरठ रेलवे स्टेशन पर उतर गए। स्टेशन के बाहर आने पर बदमाश उनकी सोने की चेन लूटकर ले गए। रेलवे रोड थाना पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है और दूतावास से भी उसके संबंध में जानकारी जुटा रही है।तीरामरन बाल सिंघम रविवार शाम फ्लाइट से दिल्ली उतरे थे। पुलिस का कहना है कि दिल्ली में उसने शराब का सेवन किया। इससे वह नशे में हो गए। रेलवे स्टेशन पहुंचने पर वह तमिलनाडू जाने वाली ट्रेन की जगह मेरठ से गुजरने वाली ट्रेन में बैठ गए। जब उन्हें इसकी जानकारी हुई तो वह मेरठ स्टेशन पर उतर गए। दिल्ली वापस जाने वाली ट्रेन के आने में देर थी तो वह बस आदि का पता करने स्टेशन से बाहर आ गए। तभी दो बदमाश उनकी गले की चेन लूटकर भाग गए। इसके बाद वह मदद के लिए कुछ दूरी पर स्थित आर्मी कॉलोनी में पहुंचे। यहां तैनात सुरक्षाकर्मियों ने इसकी सूचना रेलवे रोड थाना पुलिस को दी। इसके बाद पुलिस उसे पूछताछ में जुट गई।एसपी सिटी विनायक गोपाल भोसले का कहना है कि युवक पोलैंड से आया है। वह नशे की हालत में था। इसके चलते उसके संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है। उसकी शिकायत के आधार पर सीसीटीवी फुटेज आदि की जांच की जा रही है।

### एलटीटी का बदला प्लेटफॉर्म पार्सल यान में चढ़ा नहीं पाए और सड़ गई लीची

**गोरखपुर, एजेंसी।** गोरखपुर जंक्शन पर प्लेटफॉर्म बदलने से यात्रियों के साथ ही व्यापारियों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 29 मई को नौतनवा-दुर्ग का प्लेटफार्म बदलने के बाद 31 मई को गोरखपुर से एलटीटी तक जाने वाली 20104 सुपरफास्ट का भी प्लेटफार्म बदल दिया। इसके चलते जहां यात्रियों को परेशानी हुई वहीं एक व्यापारी का 70 टन लीची पार्सल यान में लोड नहीं हो पाया और प्लेटफॉर्म पर ही सड़ गया। महाप्रबंधक ने इस मामले में रिपोर्ट तलब की है। गोरखपुर से मुंबई जाने वाली एलटीटी सुपरफास्ट को एक नंबर प्लेटफॉर्म से जाना था लेकिन 25 मिनट पहले ही इस प्लेटफॉर्म छह से जाने की घोषणा की कर दी गई। अचानक प्लेटफॉर्म बदले जाने से एक व्यापारी का 70 टन लीची लोड नहीं हो पाया जबकि इस ट्रेन में पार्सल वैन व्यापारी ने लीज पर ले रखा है। महज कुछ मिनट पहले प्लेटफॉर्म बदल दिए जाने से यात्रियों को भारी असुविधा हुई। इस मामले की शिकायत व्यापारी ने रेल प्रशासन से की है। इस मामले को पूर्वोत्तर रेलवे के महाप्रबंधक ने गंभीरता से लिया है और रिपोर्ट तलब की है।

# जिस दिन पार्टी कहेगी झोला उठाकर चल दूंगा : सीएम सम्राट चौधरी

**पटना, एजेंसी।** बिहार में सरकारी बंगले को लेकर जारी राजनीतिक घमासान के बीच मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बड़ा बयान दिया है। शेखपुरा में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने साफ कहा कि वह पद और सरकारी आवास से मोह रखने वालों में नहीं हैं। उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्टी और नेतृत्व कहेगा कि अब उनकी जिम्मेदारी खत्म हो गई है, वह 24 घंटे के भीतर सरकारी आवास छोड़कर अपने निजी घर चले जाएंगे। सम्राट चौधरी का यह बयान ऐसे समय आया है जब पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी के सरकारी आवास को लेकर सियासत गरमाई हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वह राजनीति में जनता की सेवा के लिए आए हैं, किसी सरकारी घर या सुविधा के लिए नहीं। उन्होंने कहा कि जिस दिन पार्टी और हमारे नेता कहेंगे कि आपका काम यहीं समाप्त होता है, सम्राट चौधरी 24 घंटे के भीतर अपना झोला उठाकर अपने प्राइवेट घर में चला जाएगा। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में पद और आवास स्थायी नहीं होते, बल्कि जनता की सेवा सबसे महत्वपूर्ण होती है।

सम्राट चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री बनने के बाद जब वह सरकारी आवास पहुंचे तो उन्होंने अधिकारियों से कहा कि बाहर लिख दिया जाए कि यह लोकसेवक का आवास है। यह जनता की सेवा का केंद्र है, किसी की निजी संपत्ति नहीं। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सरकारी आवास और सरकारी सुविधाएं नियमों के तहत मिलती हैं और समय आने पर उन्हें छोड़ना भी पड़ता है।

मुख्यमंत्री ने अपने राजनीतिक जीवन का जिक्र करते हुए कहा कि वह पिछले कई वर्षों में मंत्री, उपमुख्यमंत्री और गृह मंत्री जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रह चुके हैं। इसके बावजूद उन्होंने लंबे समय तक अपने निजी घर में रहना पसंद किया। उन्होंने बताया कि राजनीति के सफर में अब तक वह कई सरकारी आवास बदल चुके हैं। आज जिस घर में वह रह रहे हैं, वह उनका ग्यारहवां सरकारी आवास है।

अपने संबोधन के दौरान सम्राट चौधरी ने बिना किसी का नाम लिए विपक्ष पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कुछ लोग सरकारी घरों से इतना लगाव रखते हैं कि उन्हें सिर्फ अपने आवास की चिंता रहती है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कुछ लोगों को बेटे के लिए अलग घर और परिवार के दूसरे सदस्यों के लिए अलग व्यवस्था चाहिए, जबकि उनकी सरकार जनता की सेवा को प्राथमिकता देती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य केवल जनता के हित में काम करना है। उन्होंने कहा कि बिहार में सुशासन और विकास की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी। सम्राट चौधरी ने कहा कि लोकतंत्र में जनता सबसे बड़ी ताकत होती है और जनप्रतिनिधियों को हमेशा जनता के प्रति जवाबदेह रहना चाहिए। उन्होंने भरोसा दिलाया कि उनकी सरकार जनता की भलाई और राज्य के विकास के लिए लगातार काम करती रहेगी।

## पटना पुलिस में बड़ा फेरबदल, 31 इंस्पेक्टर और एसआई का तबादला कई थानों को मिले नए प्रभारी

**पटना, एजेंसी।** राजधानी पटना में पुलिस प्रशासन के स्तर पर बड़ा फेरबदल किया गया है। पटना के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्तिकेय के. शर्मा ने जिले में कानून-व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से 31 इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर के तबादले एवं नई पदस्थापनाओं का आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के कार्यभार संभालने के बाद राजधानी में थानाध्यक्ष स्तर पर यह महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है।

**31 इंस्पेक्टर और एसआई के तबादले : जारी आदेश के अनुसार** कई महत्वपूर्ण थानों को नए प्रभारी दिए गए हैं। पुलिस मुख्यालय से प्राप्त जानकारी के मुताबिक दिनेश कुमार सिंह को बुद्धा कॉलोनी थाना का नया प्रभारी बनाया गया है। वहीं संतोष कुमार शर्मा को रामकृष्ण नगर थाना, सुमन कुमार को गौरीचक थाना तथा अमरेंद्र कुमार को भगवानगंज थाना की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

इन थानों के थानेदार बदले गए : इसके अलावा शुभम सुमन को सकसोहरा थाना अध्यक्ष, रोशन कुमार को मरांची थाना अध्यक्ष, विनोद कुमार को पंचमहला थाना प्रभारी तथा खुशबू खातून को दनियावां थाना प्रभारी के पद पर पदस्थापित किया गया है। वहीं सागर कुमार को जयपुर थाना और अतुल कुमार को पिपलामा थाना का नया प्रभारी बनाया गया है।

थानों में नए दारोगा की पदस्थापना के आदेश : पटना पुलिस की ओर से जारी इस तबादला सूची में कुल 31 पुलिस पदाधिकारियों के नाम शामिल हैं। इनमें इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर रैंक के अधिकारी शामिल हैं। प्रशासनिक दृष्टिकोण से इस फेरबदल को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। पुलिस अधिकारियों का मानना है कि नए पदस्थापन से थानों के कार्य संचालन में गति आएगी और अपराध नियंत्रण के साथ-साथ जनता की शिकायतों के त्वरित निष्पादन में भी मदद मिलेगी।

## दीवानी विवाद लंबित होने से आपराधिक मुकदमा खत्म नहीं हो सकता

**लखनऊ, एजेंसी।** इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ ने महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि यदि किसी मामले में लगाए गए आरोप प्रथमदृष्टया अपराध का संकेत देते हैं तो केवल इस आधार पर आरोपियों को राहत नहीं दी जा सकती कि पक्षकारों के बीच दीवानी विवाद भी लंबित है। अदालत ने स्पष्ट किया कि दीवानी और आपराधिक कार्रवाई एक साथ चल सकती हैं।

न्यायमूर्ति सुभाष विद्यार्थी की एकल पीठ ने यह टिप्पणी उस याचिका पर सुनवाई करते हुए की, जिसमें आरोपियों ने ट्रायल कोर्ट द्वारा उनकी आरोपमुक्ति अर्जी खारिज किए जाने के आदेश को चुनौती दी थी।

अदालत ने सुप्रीम कोर्ट के इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन बनाम एनईपीसी इंडिया लिमिटेड मामले का हवाला देते हुए कहा कि एक ही घटना से दीवानी और आपराधिक दोनों प्रकार के विवाद उत्पन्न हो सकते हैं। केवल दीवानी उपचार उपलब्ध होने या उसके उपयोग से आपराधिक कार्यवाही समाप्त नहीं की जा सकती। मुख्य प्रश्न यह है कि शिकायत में आपराधिक अपराध के आवश्यक तत्व मौजूद हैं या नहीं। मामले में शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया था कि आरोपियों ने उसके मकान पर जबरन कब्जा कर लिया और सामान निकालकर ले गए। इस संबंध में दीवानी मुकदमा दायर होने पर यथास्थिति बनाए रखने का आदेश भी पारित हुआ था। पुलिस द्वारा एफआईआर दर्ज न करने पर अदालत के आदेश से मुकदमा दर्ज हुआ। जांच के बाद नौ लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए।

हाईकोर्ट ने पाया कि पांचवें, छठे, आठवें और नौवें आरोपियों के नाम बाद में जोड़े गए हैं, इसलिए उन्हें आरोपमुक्त कर दिया गया। वहीं पहले से चौथे तथा सातवें आरोपी के खिलाफ कब्जा और चोरी के विशिष्ट आरोप पाए जाने पर उनके विरुद्ध आपराधिक कार्यवाही जारी रखने का आदेश दिया गया।

# अब दस प्रतिशत नहीं महंगी होगी बिजली, आयोग ने बताया गैर कानूनी

**लखनऊ, एजेंसी।** पॉवर कॉर्पोरेशन की ओर से बिजली बिल में 10 फीसदी ईंधन अधिभार लगाए जाने को उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग ने गैर कानूनी बताया है। यही नहीं, पूरे मामले में सात दिन के भीतर जवाब देने का निर्देश दिया है। जवाब के बाद आयोग अंतिम फैसला सुनाएगा। ऐसे में माना जा रहा है कि अब ईंधन अधिभार के रूप में 10 फीसदी की वसूली नहीं की जा सकेगी।

पॉवर कॉर्पोरेशन ने मार्च माह के ईंधन अधिभार के रूप में 10 फीसदी वसूली का आदेश दिया था। ऐसे में जून माह में बिजली का बिल 10 फीसदी अधिक जारी होने की बात कही गई थी। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोग के अध्यक्ष अरविंद कुमार तथा सदस्य संजय कुमार सिंह से मुलाकात कर लोक महत्व प्रस्ताव दाखिल करते हुए बताया कि ईंधन अधिभार के नाम पर कॉर्पोरेशन ने मार्च 2026 की वास्तविक बिजली खरीद लागत के साथ-साथ लगभग 1400 करोड़ रुपये के पुराने बकाये दावों और पहले की देनदारियों को भी जोड़ दिया है।

यह आयोग के नियमों के विपरीत है। मामले की सुनवाई करते हुए विद्युत नियामक आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन को नोटिस जारी किया है। आयोग ने कहा है कि कॉर्पोरेशन की सभी देनदारियों को गणना में शामिल करने से उपभोक्ताओं पर वित्तीय बोझ पड़ता है। पिछली अवधि के बकाया और देनदारियों को वर्तमान फ्यूल पावर पर्चेज एडजस्टमेंट सरचार्ज (एफपीपीएएस) गणना में शामिल करना विनियम 16.1 के प्रावधानों के अनुसार असंगत है। ऐसे में इस अभिधार को स्वीकृत नहीं किया जा सकता है। आयोग ने पॉवर कॉर्पोरेशन को सात दिन में विस्तृत स्पष्टीकरण देने का आदेश दिया है। साथ ही वर्तमान व पहले की बिजली खरीद लागत और ट्रांसमिशन शुल्क का विवरण देने का भी आदेश दिया है।

### उपभोक्ताओं के साथ आयोग ने किया न्याय

उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि नियामक आयोग ने उपभोक्ताओं के साथ न्याय किया है। आयोग की टिप्पणियों से स्पष्ट हो गया है कि कॉर्पोरेशन ने गलत तरीके से ईंधन अधिभार लगाया है।

# आईटीआई में बेटियों को बढ़ावा, सिर्फ 100 रुपये में होगा आवेदन

**लखनऊ, एजेंसी।** यूपी में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में बालिकाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए नए सत्र में उन्हें आवेदन शुल्क में विशेष राहत दी गई है। आईटीआई सत्र 2026-27 में प्रवेश के लिए सभी वर्गों की बालिकाओं को केवल 100 रुपये ऑनलाइन आवेदन शुल्क देना होगा। वहीं सामान्य एवं पिछड़ा वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 300 रुपये तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति वर्ग के अभ्यर्थियों के लिए 250 रुपये आवेदन शुल्क निर्धारित किया गया है।

राजधानी लखनऊ सहित प्रदेश के राजकीय और निजी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में वर्ष 2026-27 के प्रवेश के लिए इसी सप्ताह से ऑनलाइन आवेदन शुरू करने की तैयारी है। राज्य व्यावसायिक प्रशिक्षण परिषद (एससीवीटी) ने नए सत्र के लिए अधिसूचना जारी कर दी है।जारी आदेश के अनुसार, राजकीय आईटीआई और व्यावसायिक शिक्षा एवं कौशल विकास विभाग के सेवानिवृत्त कर्मियों के बच्चों को प्रवेश में 10 अंक की वरीयता मिलेगी। इसके अलावा राज्यस्तरीय खिलाड़ियों को तीन अंक की वरीयता दी जाएगी। एससी, एसटी और ओबीसी अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ भी मिलेगा।अधिसूचना के अनुसार, आठवीं और 10वीं कक्षा की मेरिट के आधार पर ऑनलाइन आवेदन लिए जाएंगे तथा मेरिट के अनुसार प्रथम चरण में सीटों का ऑनलाइन आवंटन होगा। आवेदन प्रक्रिया में तीन प्रकार के विकल्प दिए जाएंगे। पहले विकल्प में राजकीय आईटीआई, राजकीय आईटीआई व पीपीपी मॉडल, दूसरे में केवल निजी आईटीआई और तीसरे में राजकीय तथा निजी दोनों प्रकार की आईटीआई के विकल्प शामिल होंगे।

नए बदलाव के तहत राजकीय आईटीआई एवं पीपीपी मॉडल की 75 प्रतिशत सीटों पर जिले के अभ्यर्थियों को प्रवेश का अवसर मिलेगा। प्रवेश केवल एनसीवीटी और एससीवीटी से मान्यता प्राप्त पाठ्यक्रमों में ही होगा। ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया 25 कार्य दिवस तक चलेगी और आवेदन के दो दिन बाद तक अभ्यर्थियों को संशोधन का अवसर भी दिया जाएगा।

# सीएम योगी बोले- पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने आया हूं, ब्रह्मोस से भारत देगा तगड़ा जवाब

**बिजनौर, एजेंसी।** सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि मौलाना-मौलवी गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने के लिए ज्ञापन दे रहे हैं। ऐसा चलन चल रहा है। हमने गाय को माता माना है, वह पशु नहीं, पशु तुम्हारी बुद्धि हो गई है जो गोमाता को पशु बोल रहे हो। जैसे गंगा मां है, वैसे ही हमारे लिए गाय माता है। सोमवार को सीएम योगी बिजनौर जिले के अफजलगढ़ के गांव आलमपुर गांवड़ी में हुई जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

जनसभा को संबोधित करते हुए सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि एक तरफ गाय को राष्ट्रीय पशु घोषित करने की मांग की जा रही है, दूसरी तरफ गोकशी करने वालों को ये लोग आश्रय देते हैं। बकरा ईद की बधाई के संदेश में सोशल मीडिया पर गाय का फोटो लगाया जाता है। आगे कहा कि अपने चेले चपाटों को समझ लो वरना अंजाम बुरा होगा। यह सभी को पता है गो हत्या पर यूपी में क्या होता है। हम गंगा पूजा और आरती करते हैं। हमारे सभी संस्कार गंगा के तट पर होते हैं। यह किसी आक्रांता को बताने का अधिकार नहीं है। मां और बेटे के रिश्ते को घोषित करने की आवश्यकता नहीं पड़ती।

कहा कि एक भी मौलवी ने बांग्लादेश और पाकिस्तान में हिंदुओं के कत्लेआम पर निंदा नहीं की। जुम्मे की नमाज में यह बात करनी चाहिए थी कि पाकिस्तान घटिया हरकत कर रहा है। ध्यान में रखना होगा अहिंसा और करुणा मानवता के भूषण है किंतु शस्त्र उठाना होगा, अगर सामने खरदूषण हैं। सज्जनों के लिए ही हम सज्जन बनें, दुर्जनों के लिए दुर्जन। देश के प्रति द्रोह करने वालों के खिलाफ लड़ना होगा।

**दोस्ती ये कैसी दोस्ती...गाजियाबाद में देखा होगा:** योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह दोस्ती, कैसी दोस्ती है, गाजियाबाद में देखा होगा। वहां ईद की दावत पर बुलाकर दोस्त को छुरा घोंप दिया। दोस्ती की आड़ में छुरेबाजी स्वीकार नहीं होगी, अगर कोई अपनी नालायक औलाद को समझा नहीं पा रहा है तो गलती कर रहा है। उसका अंजाम बुरा होगा।

**यह भावुकता और आनंद का क्षण है :** जनसभा में सीएम योगी आदित्यनाथ ने पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों को जमीन पर मालिकाना हक के अधिकार पत्र सौंपे। जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि पाकिस्तान से विस्थापित परिवारों की पुश्तैनी संपत्ति पर मजहबी कट्टरता ने जबरन कब्जा करके कत्लेआम किया था। हिंदू और सिखों को पाकिस्तान से पलायन करके भारत में आना पड़ा। साल और दशक बीत गए, आज ये

परिवार चौथी पीढ़ी में हैं। अब अवसर आया जब विस्थापित परिवारों को जमीन पर मालिकाना हक दे रहे हैं। ये भावुकता और आनंद के क्षण हैं। बिजनौर में कुल 1645 विस्थापित परिवारों को जमीन का मालिकाना के अधिकार पत्र सौंपे गए।

**कांग्रेस ने कराया विभाजन :** सीएम योगी बोले कि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले हिंदुओं, सिखों ने अपने भारत में शरण ली थी। पहले सरकारों ने इन्हें नागरिकता नहीं दी। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह ने उन विस्थापितों के लिए कानून बनाया जो भारत में पांच साल से अधिक समय से रह रहे हैं। इस कानून का कांग्रेस ने विरोध किया था कि नागरिकता नहीं मिलनी चाहिए। कहा कि भारत का विभाजन करने वाली मुस्लिम लीग से मिलकर केरल में ये लोग सरकार बना रहे हैं। कांग्रेस ने ही भारत का विभाजन कराया था। इन लोगों का मुंह उस वक्त बंद था जब पाकिस्तान और बांग्लादेश में हिंदुओं पर अत्याचार हो रहे थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नागरिकता का कानून बनाया तो इन्होंने विरोध किया।

**अब नौकरी में कट और सिफारिश नहीं, अधिकार है :** सीएम योगी ने विदुर की धरा को नमन किया और सरकार की नीति-रीति बता गए। 35 मिनट के भाषण में सपा और कांग्रेस पर जमकर प्रहार किया। साथ ही गन्ना किसान, युवा और उद्यमी सभी को साध गए। गाय और गाजियाबाद की घटना का जिक्र करते हुए दंगाइयों को सख्त संदेश भी दे दिया।

बिजनौर के गांव आलमपुर गांवड़ी में जनसभा को संबोधित करने के लिए दो बजकर 48 मिनट पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने माइक थामा। उन्होंने अपने भाषण की शुरुआत में महादेव को नमन करते हुए कहा कि धर्मो रक्षति रक्षितः का उद्घोष करने वाले महाभारत की अमर गाथा के साथ साथ महात्मा विदुर की धरा को नमन करता हूं।

बोले कि बिजनौर की धरती ने भारत के इतिहास को बनाया, बनते और बिगड़ते भी देखा। पूर्व सांसद स्व. सर्वेश सिंह का भी जिक्र किया। बोले कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सबका साथ सबका विकास पर काम किया जा रहा है। योजनाएं, बिजली, कर्ज और अन्य सुविधाएं बिना भेदभाव के हर वर्ग तक पहुंच रही हैं।

बिजनौर विकास के पैमाने पर पिछड़ने नहीं पाएगा, यह हमने तय कर लिया था। आप परिश्रम करते हैं, तो प्रदेश का पेट भरता है। कहा कि बाढ़ से बचाव की योजनाएं धरातल पर उतरी हैं, मेडिकल कॉलेज मिला है, यह सब हुआ एक वोट कमल के नाम पर देने से। कहा कि पुलिस की भर्ती में बिजनौर से हजारों युवा भर्ती हुए हैं। पहले की सरकारों में भाई भतीजावाद चलता था। अब नौकरी में कट या सिफारिश नहीं है बल्कि अधिकार पर नौकरी मिल रही है।

**मंडी बनाने का भी कर गए वादा :** सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विधायक सुशांत सिंह ने बताया है कि मंडी के लिए जमीन आरक्षित करवा दी गई है, तो हम भी पैसा देने के लिए तैयार हैं। ये मंडी बनकर रहेगी। यह वादा करके सीएम योगी ने अफजलगढ़ के आस पास के किसानों की नब्ज पर हाथ रख दिया।

**चौधरी चरण सिंह को किया याद :** उन्होंने बताया कि गन्ने के भाव को लेकर केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, किसान यूनियन के पदाधिकारी और अन्य लोगों ने मांग उठाई थी कि इस बार गन्ने का भाव हैंडसम होना चाहिए। जिसके बाद हमने भाव 400 कर दिया। साथ ही चौधरी चरण सिंह का जिक्र करना भी नहीं भूले।

**पाकिस्तान को जवाब देगी ब्रह्मोस :** सीएम योगी ने कहा कि पाकिस्तान के मुंह पर तमाचा मारने बिजनौर आया हूं। हम अपने लोगों के साथ अन्याय नहीं होने देंगे। पाक दुस्साहस करेगा तो ब्रह्मोस मिसाइल से पाकिस्तान को जवाब दिया जाएगा।

# मुंबई की सड़कों पर नमाज पढ़ने से रोका जाए, नेता किरीट सोमैया ने लिखा लेटर




**मुंबई, 2 जून (एजें)।** भारतीय जनता पार्टी नेता किरीट सोमैया ने मुंबई में सार्वजनिक सड़कों पर नमाज अदा किये जाने पर नाराजगी जतायी है। उन्होंने इस मुद्दे को लेकर नगर प्रशासन और पुलिस अधिकारियों को पत्र लिखकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों और सड़कों पर होने वाली ऐसी गतिविधियों से यातायात व्यवस्था प्रभावित होती है और आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। किरीट सोमैया ने मुंबई नगर आयुक्त, पुलिस आयुक्त, ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त और मुंबई शहर और उपनगरों के जिला कलेक्टरों को संबोधित पत्र में कहा कि शहर के कुछ इलाकों में रेलवे स्टेशनों के बाहर और व्यस्त सड़कों पर नमाज अदा की जाती है, जिससे यातायात बाधित होता है। विशेष रूप से शुक्रवार को दोपहर के समय बड़ी संख्या में लोगों के एकत्र होने से सड़क यातायात पर असर पड़ता है और लोगों की आवाजाही प्रभावित होती है। उन्होंने दावा किया कि सार्वजनिक सड़कों पर धार्मिक गतिविधियों की अनुमति देने से भविष्य में इसी प्रकार की मांगें अन्य स्थानों पर भी उठ सकती हैं। उन्होंने प्रशासन से यह सुनिश्चित करने का आग्रह किया कि सार्वजनिक सड़कों, प्रमुख चौराहों और यातायात वाले क्षेत्रों का उपयोग धार्मिक आयोजनों के लिए न किया जाए। सोमैया ने अपने पत्र में यह भी उल्लेख किया कि विभिन्न न्यायालयों ने समय-समय पर सार्वजनिक स्थानों, मैदानों और उद्यानों के उपयोग को लेकर दिशानिर्देश जारी किये हैं। उनका कहना है कि सार्वजनिक व्यवस्था और यातायात सुचारु बनाए रखने के लिए इन सिद्धांतों का पालन किया जाना चाहिए। भाजपा नेता ने प्रशासन से मांग की कि सार्वजनिक सड़कों पर नमाज अदा करने की प्रथा को तत्काल प्रभाव से रोका जाए और इस संबंध में स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किये जाएं। मुंबई जैसे महानगर में कानून-व्यवस्था, यातायात और नागरिक सुविधाओं को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। दरअसल यह पत्र ऐसे समय में सामने आया है, जब सार्वजनिक स्थानों पर धार्मिक गतिविधियों को लेकर विभिन्न राजनीतिक और सामाजिक संगठनों की ओर से बहस होती रही है। हालांकि इस मामले पर प्रशासन की ओर से अभी तक कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आयी है। सोमैया ने अपने पत्र की प्रतियां मुंबई शहर और उपनगरीय जिलों के कलेक्टरों और ट्रैफिक पुलिस के संयुक्त आयुक्त को भी भेजी हैं, ताकि इस विषय पर समन्वित कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके।

## *आनंद शर्मा ने दक्षिण अफ्रीका के उपराष्ट्रपति से की मुलाकात*

***नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने भारत दौरे पर आये दक्षिण अफ्रीका के उप राष्ट्रपति पॉल मशातिले से मुलाकात की और वर्तमान वैश्विक चुनौतियों से निपटने में 'ग्लोबल साउथ' और ब्रिक्स देशों की भूमिका सहित कई मुद्दों पर चर्चा की। दक्षिण अफ्रीका की सत्तारूढ़ पार्टी अफ्रीकन नेशनल कांग्रेस के उपाध्यक्ष मशातिले भारत की आधिकारिक यात्रा पर हैं। शर्मा के साथ मुलाकात के दौरान मशातिले ने भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच विशेष और ऐतिहासिक संबंधों और दोनों देशों को महात्मा गांधी और नेल्सन मंडेला से प्रेरणा मिलने का जिक्र किया। साझा हित और चिंताओं के मुद्दों पर चर्चा की गयी और साथ मिलकर काम करने की आवश्यकता पर विशेष रूप से जोर दिया गया।*

# 100 करोड़ के स्कैम में नाम फेक न्यूज में फंसी, अब केरल विस में बनीं उपाध्यक्ष



**केरल, 2 जून (एजें)।** कांग्रेस विधायक शानीमोल उस्मान आज केरल विधानसभा की उपाध्यक्ष चुनी गयीं। वह पिछले 66 वर्षों में इस पद पर पहुंचने वाली कांग्रेस की पहली महिला नेता हैं। साथ ही केरल के विधानसभा इतिहास में उपाध्यक्ष बनने वाली चौथी महिला हैं। केरल विधानसभा अध्यक्ष तिरुवंचूर राधाकृष्णन ने सदन में औपचारिक मतदान के बाद शानीमोल उस्मान के निर्वाचित होने की घोषणा की। शानीमोल उस्मान केरल विधानसभा की उपाध्यक्ष बन गई हैं। केरल विधानसभा में उपाध्यक्ष बनने वाली वह चौथी महिला हैं। 66 साल बाद कांग्रेस को यह पद मिला है। शानीमोल उस्मान दो बार की विधायक हैं। शानीमोल उस्मान से कई विवाद जुड़े हैं। इसी साल मार्च के महीने में उनके ऊपर 100 करोड़ का फ़्लैट घोटाले का आरोप लगा था। केरल के कुछ एनआरआई और बेंगलुरु के एक होटल अपार्टमेंट कॉम्प्लेक्स के बिल्डर ने शनीमोल उस्मान और उनके परिवार पर छ100 करोड़ की संपत्तियों पर अवैध रूप से कब्जा करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। अप्रैल 2026 में स्थानीय निकाय/उप-चुनाव मतदान के दौरान पुलिस ने शनीमोल उस्मान और कांग्रेस के 50 से अधिक कार्यकर्ताओं के ख़िलाफ़ मामला दर्ज किया था। शानीमोल पर फ़ेक न्यूज़ मानहानि मामला भी दर्ज है। विधानसभा अध्यक्ष राधाकृष्णन ने कहा कि शानीमोल उस्मान को 99 वोट मिले, जबकि मोहम्मद मुहस्सिन को 34 वोट प्राप्त हुए। चार विधायकों ने मतदान में हिस्सा नहीं लिया, जिनमें मैं भी शामिल था। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष ने शानीमोल उस्मान को उनकी नयी सीट ग्रहण करने के लिए कहा। वर्तमान में यूडीएफ के पास विधानसभा में 102 सदस्य हैं, जबकि सीपीआई (एम) नीत लेफ्ट डेमोक्रेटिक फ्रंट (एलडीएफ) के 25 विधायक हैं। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के तीन विधायक हैं। शानीमोल उस्मान के पति का नाम ए मोहम्मद उस्मान है। वह भी पेशे से एक वकील हैं। दंपति के एक बेटा और एक बेटी है।

# वीआईपी काफिले के कारण गर्भवती महिला के फंसे होने का दावा निकला झूठा : बेंगलुरु पुलिस



**बेंगलुरु, 2 जून (भा)।** बेंगलुरु पुलिस ने आज कहा कि सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो के सत्यापन में पता चला है कि जिस व्यक्ति ने अति विशिष्ट व्यक्ति (वीआईपी) की आवाजाही के कारण गर्भवती पत्नी के यातायात में फंसे होने का दावा किया था, वह वास्तव में वाहन में अकेले यात्रा कर रहा था। इसके साथ ही पुलिस ने लोगों से किसी भी मामले को सनसनीखेज बनाने से पहले तथ्यों की जांच करने की भी अपील की। यह घटना रविवार की है और सोशल मीडिया पर उस समय व्यापक आक्रोश देखने को मिला जब यह दावा किया गया कि राज्यपाल के काफिले की आवाजाही के लिए ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर यातायात रोक दिया गया था। यह स्पष्टीकरण उस वीडियो की जांच शुरू किये जाने के एक दिन बाद आया है, जिसमें एक व्यक्ति को ओल्ड एयरपोर्ट रोड पर बैठे देखा जा सकता है। वीडियो में वह दावा कर रहा था कि वीआईपी आवाजाही के कारण लगाये गये यातायात प्रतिबंध की वजह से उसकी गर्भवती पत्नी कार में फंस गयी है। वायरल घटना के संबंध में बेंगलुरु पुलिस ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक पोस्ट में कहा कि जांच के दौरान पता चला कि संबंधित व्यक्ति वाहन में अकेला सफर कर रहा था। पुलिस ने कहा कि हम यह दोहराना चाहते हैं कि सड़क पर किसी भी परिस्थिति में एंबुलेंस और चिकित्सकीय आपात स्थितियों को हमेशा प्राथमिकता दी जाती है। पुलिस ने लोगों से किसी भी मामले को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने या साझा करने से पहले तथ्यों की पुष्टि करने का आग्रह किया। साथ ही चेतावनी दी कि झूठी खबर फैलाने वालों के खिलाफ उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। एक्स पर एक उपयोगकर्ता द्वारा साझा किये गये वीडियो में एक व्यथित वाहन चालक पुलिसकर्मियों के सामने सड़क पर बैठा दिखाई दे रहा था। यह वीडियो बाद में तेजी से वायरल हो गया। पुलिस अधिकारियों के हस्तक्षेप करने पर उसने कथित तौर पर वहां से हटने से इनकार कर दिया और दावा किया कि उसकी गर्भवती पत्नी कार में है तथा उसे तत्काल चिकित्सीय सहायता की आवश्यकता है।

# *भाजपा का ऑपरेशन पंजाब शुरू*

***चंडीगढ़, 2 जून (एजें)।** पंजाब में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। इस चुनाव में लंबे समय तक राज्य में सहयोगी दलों के सहारे अपनी राजनीतिक मौजूदगी बनाए रखने वाली भाजपा अपने दम पर लड़ने और सत्ता के लिए मजबूत दावेदारी पेश करने की रणनीति पर काम कर रही है। यहीं कारण है कि वो अब पहले की तुलना में कहीं अधिक सक्रिय और आक्रामक नजर आ रही है। इस रणनीति का सबसे दिलचस्प पहलू आम आदमी पार्टी के उन नेताओं की भूमिका है, जिन्होंने कभी पंजाब में पार्टी की ऐतिहासिक जीत की नींव रखी थी। इस चुनाव में आम आदमी के पूर्व रणनीतिकार संदीप पाठक और राघव चड्ढा अब भाजपा की पंजाब संबंधी रणनीति में अहम भूमिका निभा सकते हैं। संदीप पाठक को आम आदमी पार्टी के पंजाब मॉडल'का प्रमुख रणनीतिकार माना जाता रहा है। बता दें कि पाठक ने बूथ स्तर की मैपिंग, डेटा विश्लेषण, सर्वेक्षण और स्वयंसेवकों के मजबूत नेटवर्क के जरिए 2022 के विधानसभा चुनाव से पहले पार्टी की जमीनी पकड़ मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। राजनीति में उनका काम करने का तरीका हमेशा पर्दे के पीछे रहकर संगठन को मजबूत करने वाला माना जाता रहा है। वहीं, राघव चड्ढा ने पंजाब में आम आदमी पार्टी के प्रमुख चेहरे के रूप में काम किया। उन्होंने दिल्ली नेतृत्व और पंजाब इकाई के बीच समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ चुनावी रणनीति को जमीन पर उतारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। सूत्रों का कहना है कि भाजपा इन दोनों नेताओं के अनुभव और पंजाब की राजनीतिक समझ का लाभ उठाना चाहती है।*

## न्यू उस्मानपुर में हत्या के मामले में दो नाबालिग सहित तीन पकड़े गये

**नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** उत्तर-पूर्वी दिल्ली के न्यू उस्मानपुर इलाके में 17 वर्षीय नाबालिग लड़के की चाकू मारकर हत्या किये जाने के बाद पुलिस ने कुछ ही घंटों के भीतर दो किशोरों समेत तीन लोगों को पकड़ लिया। पुलिस ने आज यह जानकारी देते हुए बताया कि कल रात करीब 10.25 बजे न्यू उस्मानपुर थाने को चाकूबाजी की घटना की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने पर पुलिस को 17 वर्षीय किशोर जमीन पर पड़ा हुआ मिला, जिसकी मौत हो चुकी थी। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि फॉरेंसिक टीम ने अपराध स्थल का निरीक्षण किया और संबंधित साक्ष्य एकत्र किये। इस संबंध में न्यू उस्मानपुर थाने में भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) (हत्या) के तहत मामला दर्ज किया गया।

## लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली पंजाब के काला गाबा हत्याकांड की जिम्मेदारी, अब डॉक्टरों और प्रोड्यूसर्स को दी धमकी

**फिरोजपुर, 2 जून (एजें)।** पंजाब के फिरोजपुर जिले में हुए चर्चित काला गाबा हत्याकांड को लेकर सोशल मीडिया पर एक पोस्ट सामने आयी है। इस सोशल मीडिया पोस्ट में लॉरेंस बिश्नोई गैंग से जुड़े होने का दावा करने वाले कुछ लोगों ने हत्या की जिम्मेदारी ली है। पोस्ट में हत्या को अंजाम देने का दावा करने के साथ कुछ डॉक्टरों और पंजाबी फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े कुछ प्रोड्यूसर्स को भी धमकी दी गई है। सोशल मीडिया पर वायरल इस पोस्ट में खुद को आरडी धालीवाल, हरमन संधू और टायसन बिश्नोई बताने वाले व्यक्तियों ने दावा किया कि मक्खू क्षेत्र में हुई काला गाबा की हत्या उनकी गैंग ने की है। इस पोस्ट में आरोप लगाया गया कि काला गाबा ने ऐसे काम किये थे, जिन्हें वे माफ न करने योग्य मानते हैं। साथ ही उस पर एक गरीब परिवार के सदस्य का जीवन बर्बाद करने और एक महिला को कथित रूप से परेशान करने जैसे आरोप भी लगाये गये हैं। पोस्ट में यह भी दावा किया गया कि समूह ने पीड़ित से संपर्क करने की कई बार कोशिश की थी, लेकिन उनके फोन नंबर ब्लॉक कर दिये गये थे। संदेश के अनुसार गैंग के सदस्यों ने कार्रवाई से पहले करीब दो वर्षों तक इंतजार किया और बाद में अपने कदम को उचित ठहराने का प्रयास किया। कथित पोस्ट में पंजाबी एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री के कुछ डॉक्टरों और प्रोड्यूसर्स को भी चेतावनी दी गयी है। संदेश में कहा गया है कि गैंग के सदस्यों ने पहले भी कुछ लोगों को चेतावनी दी थी और उन्हें यह नहीं समझना चाहिए कि उन्हें भुला दिया गया है। पोस्ट में गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी गयी है। इसके अलावा संदेश में कुछ पुराने साथियों का भी जिक्र किया गया है, जिन्हें गैंग से अलग होने के बाद विरोधी बताया गया।

# पृष्ठ 1 का शेष

**सीबीएसई के...**

सार्थक सिद्धांत टेक रिसर्चर हैं। उन्होंने भी परीक्षा दी थी। उन्होंने एक आम छात्र से आगे बढ़कर एक खोजी पत्रकार/डेटा साइंटिस्ट की तरह काम किया। सीबीएसई की तरफ से जारी पिछले 576 दस्तावेजों का बारीकी से अध्ययन और तुलना कर टेंडर में गड़बड़ी का खुलासा किया।

**धर्मेंद्र प्रधान को...**

मामले पर पर्दा डालने की कोशिश है। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी मांग आज भी वही है कि शिक्षा मंत्री को बर्खास्त किया जाए और स्वतंत्र न्यायिक जाँच हो। ये मांगें कोई मोदी सरकार की एक महीने पुरानी अंदरूनी फाइल नहीं जो यूं ही भुला दी जाए। उनका कहना है कि अगर प्रधानमंत्री को 18.5 लाख सीबीएसई छात्रों की परवाह होती, धर्मेंद्र प्रधान कब के हटाये जा चुके होते।

**पुनर्मूल्यांकन पोर्टल पर ...**

में कहा कि आज हजारों छात्रों ने सीबीएसई पुनर्मूल्यांकन पोर्टल का उपयोग किया, लेकिन दुर्भावनापूर्ण तत्वों ने साइबर हमलों की एक श्रृंखला के माध्यम से सेवाओं को बाधित करने का प्रयास किया। पोस्ट में कहा गया है कि सबसे हालिया घटना एक डिनायल ऑफ सर्विस हमले का प्रयास है, जिसके कारण 2 मिनट के भीतर पोर्टल पर 15 लाख हिट हुए और अनधिकृत रूप से फाइल हासिल करने के 1 लाख से अधिक प्रयास किये गये। डिनायल-ऑफ-सर्विस हमला एक दुर्भावनापूर्ण साइबर खतरा है जो किसी मशीन, नेटवर्क या वेबसाइट को उसके लक्षित उपयोगकर्ताओं को अनुपलब्ध करता है। छात्रों की प्रतिक्रिया के आधार पर सीबीएसई ने कहा कि उसने प्लेटफॉर्म को और बेहतर बनाया है, जिसमें सत्र की समय सीमा बढ़ाना भी शामिल है, ताकि प्रक्रिया अधिक सुविधाजनक और सुगम हो सके। बोर्ड ने कहा कि हमारी टीम सतर्क और तत्पर है, ताकि हमारे प्रिय छात्रों को हर संभव तरीके से सुविधा मिल सके। इससे पहले दिन में, सीबीएसई ने बोर्ड परीक्षा मूल्यांकन से असंतुष्ट छात्रों के लिए उत्तरों के पुनर्मूल्यांकन एवं उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गयी प्रतियों में पायी गयी समस्याओं के सत्यापन हेतु आज ऑनलाइन पोर्टल चालू कर दिया। बोर्ड के अनुसार यह सुविधा केवल उन छात्रों के लिए उपलब्ध है जिन्होंने अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन की गयी प्रतियां प्राप्त की हैं। सीबीएसई ने कहा कि उत्तर पुस्तिका की उपलब्ध करायी गयी स्कैन प्रति में देखी गयी समस्याओं के सत्यापन और उत्तरों के पुनर्मूल्यांकन हेतु आवेदन के लिए पोर्टल दो जून 2026 को शुरू कर दिया गया है। उत्तर पुस्तिका की उपलब्ध करायी गयी स्कैन प्रति में यदि कोई समस्या है तो छात्र उसके सत्यापन और मूल्यांकन से संतुष्ट नहीं होने पर उत्तरों के पुनर्मूल्यांकन की सुविधा का लाभ उठा सकते हैं। पोर्टल दो जून से छह जून (मध्यरात्रि) तक चालू रहेगा और समयसीमा के बाद कोई ऑफलाइन आवेदन या अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा। छात्रों को सीबीएसई की वेबसाइट के जरिये अपने आधार नंबर का उपयोग कर लॉग-इन करना होगा और ऑनलाइन आवेदन करना होगा। बोर्ड ने कहा कि शुल्क भुगतान सहित पूरी प्रक्रिया डिजिटल माध्यम से होगी। उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन प्रतियों में समस्याओं के सत्यापन के लिए छात्र पन्ने गायब होने, अतिरिक्त उत्तर पुस्तिका गायब होने, मानचित्र या ग्राफ गायब होने, धुंधले पन्ने, गलत उत्तर पुस्तिका या किसी अन्य प्रश्नपत्र सेट के आधार पर मूल्यांकन जैसी समस्याएं दर्ज करा सकते हैं। बोर्ड ने कहा कि छात्रों को अंतिम आवेदन करने से पहले यह सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है कि सभी विषयों से जुड़े अनुरोध उसमें शामिल हों।

**मूंगा रेशम क्षेत्र...**

रीलिंग इकाइयां स्थापित की जाएंगी, जबकि प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन क्षमताओं को मजबूत करने के लिए धेमाजी में एक समर्पित मूगा स्पून सिल्क इकाई स्थापित की जाएगी। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि इस मिशन से असम की विरासत और गौरव के प्रतीक मूगा रेशम को बड़ा बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मिशन मूल्य श्रृंखला को मजबूत करने और हितधारकों की आजीविका में सुधार के लिए 1,180 किसान हित समूहों और 30 किसान उत्पादक संगठनों का गठन करेगा। इसके साथ ही डिजिटल ट्रैसेबिलिटी और मजबूत जीआई प्रमाणीकरण तंत्र लागू किया जाएगा, जिससे वैश्विक खरीदार असम के मूगा उत्पादों की प्रामाणिकता की जांच कर सकेंगे और अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी पहुंच बढ़ेगी। उन्होंने इसे डबल इंजन सरकार के सकारात्मक परिणामों का प्रतीक बताया। कार्यक्रम के दौरान मार्घेरिटा और मजूमदार ने भी सभा को संबोधित किया। इस दौरान असम के विभिन्न जिलों के बुनकरों और पालकों से वर्चुअल संवाद किया गया तथा मूगा रेशम के महत्व पर एक लघु फिल्म भी दिखायी गयी। आशा है कि यह मिशन असम को अद्वितीय सुनहरे रेशम के वैश्विक केंद्र के रूप में स्थापित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। वहीं दूसरी ओर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आज नयी दिल्ली स्थित कृषि भवन में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान से मुलाकात की और उनके बीच एक उच्च स्तरीय बैठक संपन्न हुई। इस बैठक में असम में कृषि और ग्रामीण विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न केंद्रीय योजनाओं की प्रगति की समीक्षा की गयी तथा कई महत्वपूर्ण विषयों पर व्यापक चर्चा हुई। केंद्रीय मंत्री ने आश्वासन दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में असम के विकास के लिए फंड और संसाधनों की कोई कमी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने राज्य को कृषि अवसंरचना कोष, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, मनरेगा तथा अन्य केंद्रीय योजनाओं का अधिकतम लाभ दिलाने के लिए केंद्र सरकार के पूर्ण सहयोग की प्रतिबद्धता जताई। बैठक के दौरान मंत्रालय के सचिव रोहित कंसल ने जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण और मनरेगा प्रणाली की तकनीकी बाधाओं को पूरी तरह दूर कर दिया गया है तथा मनरेगा के तहत असम सरकार की मांग के अनुरूप राशि आवंटित की जा चुकी है। उन्होंने यह भी बताया कि आगामी 1 जुलाई से देशभर में मनरेगा की जगह विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) लागू किया जाएगा। बैठक में असम सरकार द्वारा चाय बागान श्रमिकों को भूमि का मालिकाना हक प्रदान किये जाने के ऐतिहासिक कदम की सराहना की गयी और केंद्रीय मंत्री ने इन श्रमिकों को प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण का लाभ देने के लिए एक विशेष सर्वे विंडो खोलने के निर्देश दिये, ताकि पात्र लाभार्थियों के नाम डिजिटल रिकॉर्ड में दर्ज किये जा सकें। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री ने असम की विशिष्ट जलवायु और मिट्टी के आधार पर तैयार कृषि कार्ययोजना का प्रारूप मुख्यमंत्री को सौंपा। महिला सशक्तिकरण की दिशा में असम द्वारा लक्ष्य से अधिक 9 लाख से ज्यादा लखपति दीदी तैयार करने की उपलब्धि की भी सराहना की गयी और उनके उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए असम कृषि विश्वविद्यालय के इनक्यूबेटर्स के साथ मिलकर कार्य करने का निर्णय लिया गया। कृषि क्षेत्र को सुदृढ़ करने के लिए कृषि मंत्रालय के सचिव चंद्र ने महिला किसानों को कृषि पावर वीडर उपलब्ध कराने और राष्ट्रीय खाद्य तेल मिशन-ऑयल पाम के विस्तार की जानकारी दी। राज्य में सुरक्षित खेती को बढ़ावा देने के लिए इस वर्ष 1,500 नये बांस पॉलीहाउस स्वीकृत किये गये हैं, साथ ही राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत पेस्टिसाइड टेस्टिंग लैब और खाद्य तेल परीक्षण प्रयोगशाला के भवनों को मंजूरी दी गयी है। असम के जैविक उत्पादों के अंतर्राष्ट्रीय विपणन और निर्यात के लिए एपीडा तथा नेशनल ऑर्गेनिक कोऑपरेटिव लिमिटेड के साथ साझेदारी की जा रही है। असम की समृद्ध जैव-विविधता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से डेयर सचिव एवं आईसीएआर के महानिदेशक डॉ. एमएल जाट ने बताया कि असम कृषि विश्वविद्यालय के केंद्रों को मजबूत किया जाएगा, जिसके तहत मसालों के अनुसंधान और राज्य पुष्प फॉक्सटेल ऑर्किड के विकास के लिए नेटवर्क कार्यक्रम संचालित कि. जाएंगे। इसके साथ ही कृषि विज्ञान केंद्रों के कर्मचारियों के पेंशन मामलों और भूमि अभिलेखों के डिजिटलीकरण पर भी सकारात्मक प्रगति की बात कही गयी। मुख्यमंत्री ने राज्य के विकास के लिए केंद्र सरकार के सहयोग के प्रति आभार व्यक्त किया।

**नलबाजडी जैसी...**

राजनीति के तहत कुछ हिंदू नेताओं द्वारा इन तत्वों की वकालत करने के कारण ही अपराधियों के हौसले बुलंद हो रहे हैं। उन्होंने छयगांव में एक अन्य घटना का भी जिक्र किया, जहां अक्कास अली नामक व्यक्ति ने एक हिंदू किशोरी के साथ दुष्कर्म किया और बाद में पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। असमिया समाज को सुरक्षित रखने के लिए पार्टी ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से अनुरोध किया है कि वे ऐसे तत्वों और उनका समर्थन करने वालों के खिलाफ एक कड़ा और अभूतपूर्व कानून लागू करें। इसके साथ ही, पार्टी ने मुख्य आरोपी रोज अली को भागने की कोशिश के दौरान पुलिस मुठभेड़ में मार गिराने के त्वरित एक्शन के लिए मुख्यमंत्री और असम पुलिस की सराहना की है। पार्टी ने दिवंगत माधुर्य बर्मन की आत्मा की शांति की प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की और अस्पताल में भर्ती पीड़िता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

**गौरव ने जताया...**

प्रति अपनी गहरी संवेदना प्रकट की। भविष्य में इस तरह की दर्दनाक घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इस बात पर जोर देते हुए गोगोई ने समाज को उसकी जिम्मेदारी की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि हमारी माताओं, बहनों और बेटियों के लिए समाज को अधिक सुरक्षित और भयमुक्त बनाना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महिलाओं और किशोरियों से हिम्मत न हारने का आह्वान करते हुए कहा कि यदि समाज में किसी भी महिला या किशोरी को उत्पीड़न, धमकी या मानसिक-शारीरिक प्रताड़ना का सामना करना पड़ता है, तो उन्हें बिना किसी डर या झिझक के तुरंत दृढ़ता के साथ कानूनी कदम उठाने चाहिए। गोगोई ने साफ किया कि नलबाड़ी के इस जघन्य हत्याकांड से पूरे समाज को सबक लेने की जरूरत है। उन्होंने आगामी दिनों में नारी सुरक्षा के प्रति अधिक जागरूक, जिम्मेदार और सक्रिय समाज के निर्माण के लिए हर नागरिक से एकजुट होकर काम करने की पुरजोर अपील की है।

**अब भी खतरे से...**

चढ़ाये जाने के बाद उनका हीमोग्लोबिन स्तर 6.4 से बढ़कर 8.4 हो गया है, जो सकारात्मक संकेत है। हालांकि कई महत्वपूर्ण चिकित्सीय जांचें अभी बाकी हैं और उनकी रिपोर्ट के आधार पर आगे की उपचार प्रक्रिया तय की जाएगी। प्राचार्य ने यह भी बताया कि शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ मानसिक रूप से सामान्य होने में भी मृदुमुद्रा को कुछ समय लग सकता है। घटना का मानसिक प्रभाव काफी गहरा है और उन्हें मनोवैज्ञानिक सहयोग की भी आवश्यकता पड़ सकती है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार मृदुमुद्रा के पूरे शरीर की एमआरआई जांच करायी गयी है, जिसकी रिपोर्ट आने के बाद उनकी स्थिति का और बेहतर आकलन किया जा सकेगा। फिलहाल चिकित्सकों की एक विशेष टीम उनकी लगातार निगरानी कर रही है। उल्लेखनीय है कि नलबाड़ी में हुए इस हमले ने पूरे राज्य को झकझोर दिया है और लोग पीड़िता के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना कर रहे हैं।

**3.85 करोड़...**

करायी। बैंक की शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला संख्या 07/26 दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी विश्लेषण और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी का पता लगाकर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने आरोपी को दो दिनों की रिमांड पर लिया है। अधिकारियों का कहना है कि जांच अभी जारी है और इस साइबर ठगी नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की पहचान करने तथा पूरे गिरोह के नेटवर्क का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। साइबर पुलिस ने लोगों से ऑनलाइन ठगी और तथाकथित डिजिटल अरेस्ट जैसे फर्जी तरीकों से सतर्क रहने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि कोई भी सरकारी एजेंसी फोन या वीडियो कॉल के माध्यम से किसी व्यक्ति को डिजिटल अरेस्ट नहीं करती है। ऐसे मामलों में नागरिकों को तुरंत पुलिस अथवा साइबर हेल्पलाइन से संपर्क करना चाहिए।

**कांग्रेस के...**

क्रमशः 19 और दो सीट जीतीं। ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) और तृणमूल कांग्रेस ने अलग-अलग दलों के रूप में चुनाव लड़ा और उनके पास क्रमशः दो और एक विधायक हैं।

**वैभव सूर्यवंशी...**

ब्लूप्रिंट बनाने की है, जो प्रतिभा को हालिया उपलब्धियों तक सीमित न रखे। इससे कॉरपोरेट जगत को भी टैलेंट मैनेजमेंट का नया मॉडल मिलेगा। उन्होंने कहा कि इस उम्र में जिस आत्मविश्वास, कौशल व परिपक्वता के साथ वैभव खेल रहे हैं, वह असाधारण प्रतिभा ही कर सकती है। ऐसे में समझना जरूरी है कि ऐसे टैलेंट को लंबे वक्त तक कैसे संभालें और वह औरों को कैसे प्रेरित करे। वैभव ने सीजन में सबसे ज्यादा 776 रन बनाये और ऑरेंज कैप अपने नाम की। उन्होंने सबसे ज्यादा 237.30 के स्ट्राइक रेट से रन बनाकर सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन का अवार्ड भी जीता। आईपीएल के इतिहास में इतने स्ट्राइक रेट से किसी खिलाड़ी ने 700 या उससे ज्यादा रन नहीं बनाये। सूर्यवंशी को इमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन भी चुना गया। वैभव बोले-मैं अब दूध नहीं पीता, फिटनेस जरूरी; दबाव महसूस कर रहा हूं; में मिले 5 अवॉर्ड, 45 लाख रुपये और कार भी जीती। 2026 में वैभव सूर्यवंशी को मोस्ट वैल्यूएबल प्लेयर चुना गया। इस सीजन में वैभव ने कुल 5 अवॉर्ड अपने नाम किये। उन्होंने टूर्नामेंट में सर्वाधिक 776 रन बनाये, जिसके लिए उन्हें ऑरेंज कैप से सम्मानित किया गया। जबकि बेहतरीन स्ट्राइक रेट (237.31) के लिए सुपर स्ट्राइकर ऑफ द सीजन का खिताब जीता। इसके अलावा सबसे ज्यादा 72 छक्के लगाने के लिए सुपर सिक्सेस ऑफ द सीजन का खिताब भी जीता।

**पार्टी छोड़ने की...**

बातचीत हुई, इसकी जानकारी तत्काल प्राप्त नहीं हुई है। अन्नामलाई बैठक के बाद मीडिया से बात किये बिना शाह के आवास से चले गये। मीडिया में आई कुछ खबरों में दावा किया गया कि अन्नामलाई ने भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन और पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव बीएल संतोष से भी मुलाकात की और पार्टी से अपना इस्तीफा सौंप दिया। हालांकि उनके इस्तीफे की खबर की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। पार्टी के एक सूत्र ने दावा किया कि अभी इस्तीफा नहीं दिया है। खबरों के मुताबिक अन्नामलाई उनकी जगह नैनार नागेंद्रन को तमिलनाडु भाजपा अध्यक्ष बनाने और विधानसभा चुनावों से पहले ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के साथ गठबंधन किये जाने के बाद से ही नाराज हैं। उन्होंने विधानसभा चुनाव नहीं लड़ा था। कोयंबटूर क्षेत्र के भाजपा सदस्यों को अन्नामलाई के चुनाव लड़ने की उम्मीद थी, लेकिन उन्होंने बाद में स्पष्ट किया कि वह चुनाव लड़ने के अनिच्छुक है। अन्नामलाई नयी राजनीतिक पार्टी गठित करने की अटकलों के बीच पार्टी नेतृत्व से मिलने के लिए सोमवार को दिल्ली आये। अन्नामलाई से जब चेन्नई हवाईअड्डे पर संवाददाताओं ने नयी पार्टी गठित करने को लेकर सवाल किया तो उन्होंने कहा कि वह दो दिन में जवाब देंगे और अपना रुख स्पष्ट करेंगे।

**आज भारत आएंगी...**

और इस दौरान वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर व्यापक विचार-विमर्श करेंगी। अमेरिका ने इस साल जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को नार्को-आतंकवाद की साजिश रचने के आरोप में हिरासत में ले लिया था, जिसके बाद रोड्रिगेज ने कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार संभाला था। जायसवाल ने बताया कि रोड्रिगेज के साथ विदेश मामलों, अर्थव्यवस्था एवं वित्त, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, संचार एवं सूचना और परिवहन सहित अन्य विभागों के मंत्री भारत आएंगे।

**हैलाकांदी कांग्रेस के...**

सादियोल, मितुज्जमान लश्कर और नजमुल हुसैन बरभुइया शामिल हैं। इन सभी नेताओं पर बीते 30 मई को हैलाकांडी जिला कांग्रेस कार्यालय में आयोजित एक समीक्षा बैठक के दौरान हुई एक अप्रिय घटना में कथित तौर पर शामिल होने का आरोप है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर संगठन ने इन चारों पदाधिकारियों के खिलाफ यह सख्त कदम उठाया है।

नीट प्रश्नपत्र लीक मामला

## अदालत ने पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत 15 तक बढ़ायी

**नयी दिल्ली, 2 जून (भा)।** दिल्ली की एक अदालत ने मंगलवार को नीट प्रश्न पत्र लीक मामले में पांच आरोपियों की न्यायिक हिरासत 15 जून तक बढ़ा दी। विशेष न्यायाधीश अजय गुप्ता ने जयपुर से गिरफ्तार किये गये मांगीलाल खटीक, विकास बिवाल और दिनेश बिवाल, गुरुग्राम से गिरफ्तार किये गये यश यादव और महाराष्ट्र के अहिल्यानगर से गिरफ्तार किये गये धनंजय लोखंडे की न्यायिक हिरासत बढ़ाने की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की याचिका को स्वीकार कर लिया। इससे पहले 20 मई को उन्हें दो जून तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया था। इस बीच आरोपी यादव के वकील ने कहा कि अदालत ने उनके मुवक्किल की नीट की दोबारा परीक्षा की तैयारी के लिए किताबें मांगने वाली अर्जी को स्वीकार कर लिया है। कल भौतिकी की व्याख्याता मनीषा संजय हवलदार, बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. मनोज शिरुरे और भौतिकी के शिक्षक तेजस हर्षदकुमार शाह को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। सीबीआई ने इस मामले में 13 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मेडिकल पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए तीन मई को आयोजित राष्ट्रीय योग्यता सह प्रवेश परीक्षा-स्नातक (नीट-यूजी) को प्रश्नपत्र लीक होने के आरोपों के बाद 12 मई को रद्द कर दिया था। यह परीक्षा 21 जून को फिर से निर्धारित की गयी है।

## कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की बजट घोषणाओं की प्रगति को लेकर समीक्षा बैठक

**जयपुर, एजेंसी।** कृषि एवं उद्यानिकी विभाग की प्रमुख शासन सचिव मंजू राजपाल की अध्यक्षता में सोमवार को पंत कृषि भवन में कृषि एवं संबंधित विभागों की बजट घोषणाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में राजपाल ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के लिए आवंटित बजट को शीघ्र खर्च कर विकास कार्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे किसानों और पशुपालकों को राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का समय पर लाभ मिलेगा। प्रमुख शासन सचिव ने लम्बित फ़ाइलों का शीघ्र निस्तारण करने के निर्देश दिए। साथ ही, उन्होंने कहा कि विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर कार्यों की गति बढ़ाई जाए तथा प्रत्येक घोषणा की प्रगति की नियमित समीक्षा भी की जाए।

राजपाल ने कृषि विपणन विभाग को निर्देश दिए कि प्रदेश की विभिन्न कृषि मंडियों के विकास कार्यों की समीक्षा की गई तथा नवीन कृषि मंडियों के लिए भूमि आवंटन का जायजा भी लिया। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं के समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण क्रियान्वयन से किसानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। उन्होंने अधिकारियों से विभिन्न योजनाओं एवं परियोजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग करने तथा लंबित कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने को कहा।

बैठक में कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सहकारिता एवं अन्य संबंधित विभागों की बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई। प्रमुख शासन सचिव ने विभागवार घोषणाओं की प्रगति का जायजा लेते हुए अधिकारियों को निर्धारित समय-सीमा में लक्ष्यों की प्राप्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

## पीएम नरेंद्र मोदी से सीएम भजनलाल शर्मा की शिष्टाचार भेंट

**जयपुर, एजेंसी।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से शिष्टाचार मुलाक़ात की है । माना जा रहा है कि इस मुलाकात के दौरान पीएम मोदी और सीएम भजनलाल शर्मा के बीच राजनीतिक और प्रदेश की विभिन्न विकास कार्य योजनाओं को लेकर चर्चा हुई है ।

## विधायक डॉ. गर्ग ने ग्रामीण क्षेत्रों का किया दौरा : क्षेत्र की समस्याओं का समाधान कराने का ग्रामीणों को दिलाया भरोसा

**भरतपुर, एजेंसी।** पूर्व मंत्री व भरतपुर विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने सोमवार को भरतपुर विधानसभा के विभिन्न ग्रामीण क्षेत्रों का दौरा कर ग्रामीणों से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को जानकर शीघ्र ही समाधान कराने का भरोसा दिलाया। विधायक डॉ. सुभाष गर्ग ने भरतपुर दौरे के प्रथम दिन घुस्यारी, नूरपुर, पीपला आदि गाँवों में पहुँचकर लोगों के सुख-दुख में भागीदारी निभाई और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से उनके क्षेत्र के विकास को लेकर चर्चा की। इस दौरान ग्रामीण सरदारी ने विधायक डॉ. गर्ग द्वारा उनके क्षेत्र में बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर विकास को गति देने पर प्रशंसा की तथा कई समस्याओं से भी अवगत कराया। जिस पर डॉ. गर्ग ने उनकी समस्याओं का समाधान कराने का विश्वास दिलाते हुए शेष रहे विकास कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराने का आश्वासन दिया।

## जयपुर नगर निगम की बड़ी कार्रवाई: अतिक्रमण हटाए, 25 हजार वसूले, 17 कैंटर सामान जब्त

**जयपुर, एजेंसी।** नगर निगम जयपुर आयुक्त ओम कसेरा के निर्देशानुसार एवं पूर्व से प्राप्त शिकायतों पर उपायुक्त सतर्कता के नेतृत्व में सोमवार को सतर्कता शाखा की द्वारा नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बड़ी चैपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज के सामने घाटगेट रोड़, सोफियां स्कूल के पास घाटगेट, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड़, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड़, रीको पुलिया मानसरोवर सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किंग्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक अस्थाई अतिक्रमण करने वालों के विरुद्ध 25 हजार रुपये का कैरिंग चार्ज वसूल कर 17 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता ने बताया कि नगर निगम जयपुर क्षेत्राधिकार में बड़ी चैपड़, जौहरी बाजार, संजय बाजार सब्जी मंडी सांगानेरी गेट, अग्रवाल कॉलेज के सामने घाटगेट रोड़, सोफियां स्कूल के पास घाटगेट, ट्रांसपोर्ट नगर, पुराना घाट, दिल्ली बाईपास रोड़, बंगाली बाबा की बगीची, इंडिया गेट सीतापुरा रीको, श्योपुर रोड़, रीको पुलिया मानसरोवर सांगानेर, रामपुर फाटक, रिद्धि सिद्धि से मोहन नगर कट तक, किंग्स रोड निर्माण नगर मानसरोवर तक अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्रवाई के दौरान 17 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया।

# सीएम भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान के इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट ने पकड़ी रफ्तार

### सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की 'पैमाना' रिपोर्ट में दिखी विकास की तस्वीर

### 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक के 81 प्रोजेक्ट्स से मजबूत हो रही आधारभूत संरचनाएं

**जयपुर, एजेंसी।** यदि दूरदर्शी और सकारात्मक परिणाम देने की सोच के साथ कार्य किया जाए, तो कुछ भी असंभव नहीं है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के इसी विजन के चलते राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट नई रफ्तार पकड़ रहा है। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की ओर से जारी 'पैमाना' रिपोर्ट के आंकड़े विकास की यही कहानी बयां कर रहे हैं। इसके अनुसार राजस्थान में रेलवे, सड़क, ऊर्जा, पेट्रोलियम और नागरिक उड्डयन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों की लगभग 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक की कुल 81 परियोजनाएं प्रगतिरत हैं।

#### राजस्थान रिफाइनरी : पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में क्रांतिकारी कदम

प्रदेश की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक राजस्थान रिफाइनरी परियोजना का जल्द ही उद्घाटन किया जाना है। पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अंतर्गत संचालित इस परियोजना की लागत 79 हजार 459 करोड़ रुपये है। बाड़मेर के पचपदरा में बनी इस रिफाइनरी से ना केवल राजस्थान बल्कि पूरे पश्चिमी और उत्तर-पश्चिमी भारत में पेट्रोलियम उत्पादों की आपूर्ति में क्रांतिकारी बदलाव आएगा और रोजगार के अवसर सृजित होंगे। इसके साथ ही बाड़मेर में एचपीसीएल द्वारा 461 करोड़ रुपये की लागत से पेट्रोकेमिकल निकासी एवं विपणन टर्मिनल परियोजना भी प्रगति पर है, जिसे दिसंबर 2026 तक पूर्ण करने का लक्ष्य निर्धारित है।

#### एनर्जी ट्रांसमिशन से ऊर्जा आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता राजस्थान

राजस्थान में ऊर्जा के क्षेत्र में काफी संभावनाएं होने के कारण बड़े स्तर पर इंफ्रास्ट्रक्चर विकसित किया जा रहा है। प्रदेश में 75 हजार करोड़ रुपये से अधिक की एनर्जी ट्रांसमिशन की 19 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनमें बहुराज्यीय प्रोजेक्ट्स भी शामिल हैं। इनमें 25 हजार करोड़ रुपये की लागत वाली 'राजस्थान पार्ट-1 पावर ट्रांसमिशन परियोजना' राजस्थान के साथ मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश तक फैली है।

#### पटरी पर रफ्तार पकड़ रहा रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर

रेलवे क्षेत्र की बात की जाए, तो राजस्थान में उत्तर-पश्चिम रेलवे की 23 परियोजनाएं चल रही हैं, जिनकी लागत 1 लाख 64 हजार 998 करोड़ रुपये है। जिनमें लगभग 1 लाख 55 हजार 524 करोड़ रुपये की लागत की 10 बहुराज्यीय परियोजनाओं के अलावा प्रदेश में भी कई महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। एक लाख 24 हजार करोड़ रुपये की लागत से गुजरात-हरियाणा-महाराष्ट्र-राजस्थान और उत्तरप्रदेश से गुजरने वाले वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का कार्य पूर्ण होने जा रहा है। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने वाले प्रोजेक्ट्स में 968 करोड़ रुपये की देवगढ़ मदारिया से नाथद्वारा, 166 करोड़ रुपये की नाथद्वारा-नाथद्वारा टाउन, 799 करोड़ रुपये की पुष्कर-मेड़ता सिटी, 189 करोड़ रुपये लागत की पोकरण-रामदेवरा नई रेल लाइन ऐतिहासिक कदम साबित होंगे। वहीं, 166 करोड़ रुपये की वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के रखरखाव एवं कार्यशाला डिपो परियोजना, 1 हजार 634 करोड़ की अजमेर-चंदेरिया दोहरीकरण, 468 करोड़ की सादुलपुर-चूरू दोहरीकरण, 747 करोड़ की धौलपुर-सरमथुरा गेज परिवर्तन, 967 करोड़ की गुढ़ा-ठाठा मीठड़ी नई रेल परियोजना, 1 हजार 203 करोड़ की सवाईमाधोपुर-जयपुर रेलवे लाइन तथा 1 हजार 390 करोड़ रुपये की आगरा फोर्ट-बांदीकुई दोहरीकरण जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स भी प्रदेश में चल रहे हैं।

#### सरपट दौड़ रहा सड़कों के विकास का रथ

राजस्थान में सड़क मार्गों के विकास के जरिये आधारभूत संरचनाओं का विकास रथ भी तेज गति से दौड़ रहा है। प्रदेश में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय के साथ एनएचएआई के द्वारा लगभग 18 हजार करोड़ रुपये की 28 सड़क एवं राजमार्ग परियोजनाएं चल रही हैं। इनमें राजस्थान से गुजरने वाला लगभग 6 हजार 500 करोड़ रुपये के अधिक की लागत का दिल्ली-वडोदरा ग्रीनफील्ड अलाइनमेंट भी शामिल है। वहीं, लगभग 195 करोड़ की लागत से एनएच-25 पर पचपदरा-बागुंडी खंड का चार लेन और 379 करोड़ की लागत से अजमेर-जोधपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर ब्यावर-गोमती चार लेन का कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है। इसी प्रकार एनएच-11 पर फतेहपुर, मंडावा और झुंझुनूं बाईपास 186 करोड़ की लागत से पूर्ण हो चुका है। एनएच-162 पर 606 करोड़ रुपए की लागत से नाथद्वारा से भटेवर तक का उन्नयन जैसे कई राजमार्गों पर विकास कार्य प्रगतिरत हैं।

#### रनवे पर राजस्थान की ऊंची 'उड़ान'

राजस्थान में भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण 2 हजार 874 करोड़ रुपये लागत की 3 महत्वपूर्ण परियोजनाएं क्रियान्वित कर रहा है। बूंदी-कोटा में 1 हजार 507 करोड़ की नई ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजना को अगस्त 2025 में स्वीकृति मिली और नवंबर 2027 तक पूर्ण होने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। यह परियोजना हाड़ौती क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक उपलब्धि है। इसी प्रकार उदयपुर हवाई अड्डे पर 887 करोड़ रुपए की एकीकृत टर्मिनल परियोजना को पूर्ण करने का लक्ष्य सितंबर 2026 तय किया गया है। वहीं, जोधपुर हवाई अड्डे पर 480 करोड़ रुपए की नए घरेलू यात्री टर्मिनल परियोजना लगभग पूर्ण हो चुकी है।

सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय की रिपोर्ट से स्पष्ट है कि राजस्थान एक आधुनिक और सुदृढ़ अवसंरचना वाले राज्य के रूप में उभर रहा है। लगभग 2.72 लाख करोड़ रुपये से अधिक की 81 केंद्रीय परियोजनाएं, राजस्थान रिफाइनरी, सौर ऊर्जा संचरण नेटवर्क, रेलवे का आधुनिकीकरण, नए हवाई अड्डे और चौड़े राजमार्गों के जरिये राजस्थान अपनी नई पहचान स्थापित कर रहा है।

## कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान से राजस्थान में होगा नई ऊर्जा का संचार : टीकाराम जूली

**पुष्कर, एजेंसी।** राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने पुष्कर में 'संगठन सृजन अभियान' के तहत नवनियुक्त जिला अध्यक्षों के लिए आयोजित विशेष प्रशिक्षण शिविर को राजस्थान कांग्रेस के इतिहास में एक मील का पत्थर बताया है। इस 10 दिवसीय शिविर में पूर्ण रूप से शामिल रहे नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि इस गहन प्रशिक्षण से पार्टी के जमीनी नेतृत्व में एक नई ऊर्जा और संकल्प का संचार हुआ है, जो आने वाले समय में राज्य में कांग्रेस को एक अभेद्य शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। शिविर के समापन के अवसर पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के नेता राहुल गांधी ने वर्चुअल माध्यम से शिविर को संबोधित किया। राहुल गांधी ने अपने संबोधन में राजस्थान में कांग्रेस के नेतृत्व और आपसी समन्वय की खुलकर सराहना की। उन्होंने राजस्थान में प्रदेश कांग्रेस कमेटी (PCC) अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष (LoP) के बीच के आपसी तालमेल और मिलकर काम करने की कार्यशैली को पूरे देश के लिए एक 'बेहतरीन उदाहरण' (Good Example) बताया। नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने राहुल गांधी के इन शब्दों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा: 'राहुल जी का यह प्रोत्साहन हमारे लिए बेहद गौरवपूर्ण है। राजस्थान में संगठन और विधायक दल पूरी एकजुटता के साथ जनता की आवाज उठा रहे हैं। हम इस भरोसे पर पूरी तरह खरा उतरेंगे और आपसी समन्वय के इसी उत्कृष्ट उदाहरण को बूथ स्तर तक लेकर जाएंगे। '

जूली ने बताया कि इस 10 दिवसीय शिविर के दौरान अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) के सचिव सचिन राव सहित पार्टी के कई वरिष्ठ राष्ट्रीय एवं प्रादेशिक नेताओं ने नवनियुक्त जिला अध्यक्षों को बेहद महत्वपूर्ण सांगठनिक ट्रेनिंग दी। शिविर में मुख्य रूप से गांधीवादी विचारधारा, कांग्रेस की मूल नीतियां, ऐतिहासिक कार्यक्रम और सिद्धांतों को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की रणनीतियों पर विस्तार से मंथन हुआ।

जूली ने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने हमेशा संगठन में मेहनत करने वालों को आगे बढ़ाया है। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत, AICC प्रभारी सुखजिन्दर रंधावा, प्रदेश अध्यक्ष गोविन्द डोटासरा और मैं स्वयं अपने-अपने जिले के कांग्रेस जिला अध्यक्ष रहे हैं। पार्टी सभी का काम देखती रहती है और उचित समय पर उन्हें नई जिम्मेदारी देती है।

## भोजन की पौष्टिकता एवं गुणवत्ता जांचने लिए अधिकारी राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करें– मुख्य सचिव

**जयपुर, एजेंसी।** प्रदेश के मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के वरिष्ठ अधिकारी एवं पी एम पोषण योजना से जुड़े संबंधित अधिकारियों की उपस्थिति में सोमवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय समीक्षा एवं संचालन समिति (State Steering cum Monitoring Committee ) की बैठक संपन्न हुई। बैठक में केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी पी एम पोषण योजना की वर्ष 2026-27 की वार्षिक कार्ययोजना पर विस्तृत चर्चा की गई। भारत सरकार द्वारा उक्त योजना हेतु राज्य के लिए 953.97 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसे समिति द्वारा अनुमोदित किया गया। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने योजना के पारदर्शी एवं प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए पीएम पोषण योजना के RAJSIMS पोर्टल को तत्काल अद्यतन करने के निर्देश दिए। साथ ही उन्होंने विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारियों को राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करने के निर्देश भी प्रदान किए। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास ने भारत सरकार की ओर से राज्य में संचालित प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण एवं पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के लिए अधिकारी राज्य के विभिन्न विद्यालयों में निरंतर भ्रमण एवं निरीक्षण करें।

मुख्य सचिव को अवगत कराया गया कि बच्चों को निर्धारित मानकों के अनुसार संतुलित व पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराकर उनके स्वास्थ्य, पोषण स्तर व शैक्षणिक विकास को सशक्त आधार दिया जा रहा है। यह भी बताया गया कि योजना से बच्चों में कुपोषण की समस्या कम हो रही है, विद्यालय छोड़ने की प्रवृत्ति भी घट रही है और शिक्षा के प्रति रुचि बढ़ रही है। मुख्य सचिव को श्री कृष्ण भोग योजना से भी अवगत कराया गया तथा यह बताया गया कि यह योजना राज्य सरकार का नवाचार है जिसका बेहतरीन प्रभाव देखा गया है।

## पाली में पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील 8000 रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

**पाली, एजेंसी।** ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. पाली-प्रथम इकाई द्वारा आज कार्यवाही करते हुये विक्रम, पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील बाली जिला पाली को 8,000 रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों ट्रेप किया है। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ए.सी. बी. चौकी पाली-प्रथम को एक शिकायत इस आशय की मिली कि विक्रम पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील बाली जिला पाली द्वारा परिवादी स्वयं के नाम से पूर्व में क्रय भूमि के नामान्तरण व विभाजन करने की एवज में 11,000 रूपये की मांग कर पूर्व में 5,000 रूपये प्राप्त कर लेना एवं वर्तमान में परिवादी की माता के नाम पटवार हल्का लाटाडा में स्थित भूमि खसरा संख्या 80 के सीमांकन हेतु 2000 रूपये की मांग करना तथा पूर्व में परिवादी के किये गये कार्यों की एवज में बकाया 6,000 रूपये इस प्रकार कुल 8,000 /- रूपये रिश्वत राशि मांग परेशान किया जा रहा था। जिस पर एसीबी जोधपुर रेंज के उप महानिरीक्षक नारायण टोगस के सुपरवीजन में ए.सी.बी. पाली प्रथम के धर्मेन्द्र डुकिया अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में आज के ट्रेप कार्यवाही करते हुए विक्रम, पटवारी, पटवार हल्का लाटाडा तहसील बाली जिला पाली को 8000/- रुपये रिश्वत राशि लेते रंगे हाथों ट्रेप किया गया है।

## रूफ टॉप सौर ऊर्जा में बढ़ रही भागीदारी, मई माह में अब तक का सर्वाधिक इंस्टॉलेशन

**जयपुर, एजेंसी।** प्रदूषण रहित सौर ऊर्जा को प्रोत्साहित करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी पहल पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना में राजस्थान की भागीदारी बढ़ रही है। बिजली बिल पर खर्च से मुक्ति पाने के लिए विद्युत उपभोक्ता सौर ऊर्जा से जुड़ रहे हैं। योजना के अन्तर्गत हाल के मई माह में प्रदेश में रिकॉर्ड 26,632 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए हैं। फरवरी 2024 में योजना शुरू होने के बाद यह प्रदेश में किसी भी एक माह का अब तक का सर्वाधिक रूफ टॉप सोलर इंस्टॉलेशन है। इसके अन्तर्गत जोधपुर डिस्कॉम में 9,316, जयपुर डिस्कॉम में 9,204 तथा अजमेर डिस्कॉम में 8,112 उपभोक्ताओं ने अपने घर की छत पर सौर ऊर्जा संयंत्र लगाकर ऊर्जा सुरक्षा की ओर कदम बढ़ाए हैं। इस दौरान सर्वाधिक 5484 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र जयपुर जिले में इंस्टॉल हुए हैं। इसके पश्चात् श्रीगंगानगर में 3264, हनुमानगढ़ में 2084, सीकर में 1606 तथा झुंझुनूं में 1534 रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किए गए।

**सर्वाधिक निरीक्षण एवं सब्सिडी भी**

राजस्थान डिस्कॉम्स इस योजना को गति दे रहे हैं। इसके अन्तर्गत मई माह में डिस्कॉम के कार्मिकों ने 27 हजार 700 से अधिक उपभोक्ताओं के रूफ टॉप सोलर आवेदनों का भौतिक सत्यापन किया। यह किसी भी माह में सर्वाधिक आवेदनों का निरीक्षण है। डिस्कॉम चेयरमैन सुश्री आरती डोगरा ने बीते दिनों तीनों वितरण निगमों के सभी सर्किलों में निरीक्षण के प्रकरणों की वीडियो कांफ्रेंस से समीक्षा कर निरीक्षण प्रक्रिया में तेजी से लाने के निर्देश दिए थे। इसी का नतीजा रहा कि अभियंताओं ने सर्वाधिक निरीक्षण प्रक्रियाओं को सम्पन्न किया जिससे माह सर्वाधिक 31,437 उपभोक्ताओं को सबसिडी भी प्राप्त हुई। साथ ही, 177 नए वेंडरों को भी योजना से जोड़ा गया।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री सूर्यघर योजना में प्रदेश में 830 मेगावाट क्षमता के लगभग 2.17 लाख रूफ टॉप सोलर लगाए जा चुके हैं। भारत सरकार से इसके लिए लगभग 1460 करोड़ रूपए की सब्सिडी भी लाभार्थी उपभोक्ताओं के बैंक खातों में हस्तांतरित की जा चुकी है।

## वैदिक संस्कारों की अलख जगाने को तृतीय विप्र बालक संस्कार शिविर का शुभारंभ

**लालसोट, एजेंसी।** ब्राह्मण समाज लालसोट एवं श्री परशुराम सेना संघ के संयुक्त तत्वावधान में भगवान श्री परशुराम मंदिर परिसर में रविवार से तृतीय विप्र बालक संस्कार शिविर का शुभारंभ हुआ। शिविर के प्रथम दिवस पर बालकों को सनातन संस्कृति, वैदिक परंपराओं, नित्यकर्म, पूजा-पाठ एवं ब्राह्मणोचित संस्कारों का प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविर में आचार्य दीपक शर्मा ने बच्चों को दैनिक पूजा-पद्धति और वैदिक नित्यकर्मों का व्यावहारिक प्रशिक्षण देते हुए त्रिकाल संध्या, विभिन्न मुद्राएं, योग, प्राणायाम, सूर्य नमस्कार, अर्घ्य प्रदान करने की विधि, गायत्री मंत्र जप तथा उपनयन संस्कार के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि नियमित संध्या-उपासना और गायत्री साधना से व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास होता है तथा जीवन में अनुशासन और सकारात्मकता का संचार होता है। आचार्य श्याम भारद्वाज ने ब्राह्मण धर्म, कर्तव्यों एवं संस्कारों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि व्यक्ति अपने श्रेष्ठ कर्मों, ज्ञान और संस्कारों से ही ब्राह्मणत्व को प्राप्त करता है। उन्होंने 'जन्मना जायते शूद्रः' के भावार्थ को समझाते हुए बताया कि उपनयन संस्कार के माध्यम से ज्ञान और संस्कृति की दिशा में होने वाला परिवर्तन व्यक्ति के जीवन को नई दिशा प्रदान करता है।

आचार्य पवन शर्मा बिचपुरी ने सरल एवं सहज शैली में बालकों को ब्राह्मणोचित आचरण, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों की जानकारी देते हुए उन्हें जीवन में सदाचार, अनुशासन और संस्कारों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

शिविर में प्रथम दिवस पर प्रणव शर्मा, वंश शर्मा, मोहित शर्मा, आशीष बोहरा, शौर्य चतुर्वेदी, तनिष्क शर्मा, निखिल शर्मा, वैभव शर्मा, यथार्थ शर्मा, चिराग जैमिनी, प्रत्यक्ष भट्ट, मनन शर्मा, राघव वैष्णव, पीयूष पुरोहित, अथर्व दीक्षित, हर्ष शर्मा, आदित्य शर्मा, प्रियांशु शर्मा एवं आनंद शर्मा सहित बड़ी संख्या में बालकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर नवीन सुकार, रामचरण बोहरा, लक्ष्मण शर्मा, मनोज भट्ट, गोविंद बगड़ी, दीपक बोहरा सहित समाज के अनेक गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। महंगाई, पेयजल संकट और कानून व्यवस्था को लेकर कांग्रेस का सोमवार को प्रदर्शनलालसोट। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निर्देशानुसार ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालसोट एवं चांदसेन के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार, 1 जून को विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर भाजपा सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। प्रदर्शन के बाद उपखंड कार्यालय में राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा।

ब्लॉक कांग्रेस नेताओं ने बताया कि लगातार बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल एवं रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि, क्षेत्र में व्याप्त पेयजल संकट, बिगड़ती कानून व्यवस्था तथा विभिन्न भर्ती परीक्षाओं में पेपर लीक की घटनाओं से छात्रों के भविष्य के साथ हो रहे खिलवाड़ के विरोध में यह प्रदर्शन आयोजित किया जा रहा है। कांग्रेस पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि आमजन महंगाई और मूलभूत सुविधाओं की समस्याओं से जूझ रहा है, जबकि सरकार इन मुद्दों के समाधान के प्रति गंभीर नजर नहीं आ रही है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में पेयजल संकट विकराल रूप ले चुका है तथा युवाओं में भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं को लेकर भारी रोष व्याप्त है।

प्रदर्शन सोमवार प्रातः 10:30 बजे उपखंड कार्यालय परिसर में आयोजित होगा। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी लालसोट एवं चांदसेन ने सभी वरिष्ठ कांग्रेसजनों, ब्लॉक कार्यकारिणी सदस्यों, मंडल अध्यक्षों, सेवादल पदाधिकारियों, अग्रिम संगठनों के प्रतिनिधियों, जिला परिषद एवं पंचायत समिति सदस्यों, पार्षदों, सरपंचों, वार्ड अध्यक्षों तथा समस्त कांग्रेस कार्यकर्ताओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने का आह्वान किया है।

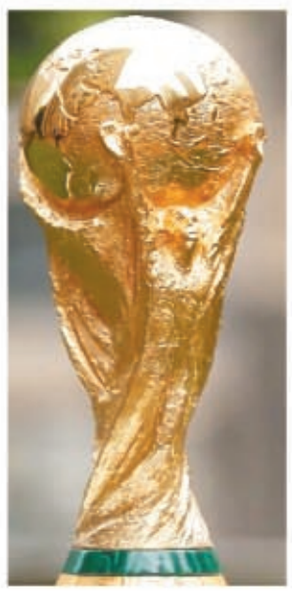

# फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले 5 खिलाड़ी

**नई दिल्ली ।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 का आगाज 11 जून से होने जा रहा है। दिग्गज खिलाड़ी लियोनेल मेसी और क्रिस्टियानो रोनाल्डो का यह आखिरी विश्व कप माना जा रहा है। मेसी की अगुवाई में अर्जेंटीना अपने खिताब का बचाव करने उतरेगी। आइए आपको उन पांच खिलाड़ियों के नाम बताते हैं, जिन्होंने वर्ल्ड कप में दागे हैं सबसे ज्यादा गोल।

### मिरोस्लाव क्लोस

जर्मनी के स्टार खिलाड़ी क्लोस फीफा वर्ल्ड कप के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ी रहे हैं। उन्होंने 2022 से लेकर 2014 के बीच में चार विश्व कप में हिस्सा लिया और इस दौरान खेले 24 मुकाबलों में कुल 16 गोल किए। 2002 और 2006 में क्लोस ने 5-5 गोल दागे थे, जबकि साल 2010 में 4 और अपने करियर के आखिरी विश्व कप में उन्होंने 2 गोल किए थे।

### रोनाल्डो

ब्राजील के लिए खेलने वाले रोनाल्डो फीफा वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा गोल करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर हैं। द फेनोमेनन के नाम से मशहूर रोनाल्डो ने अपने 1994 से लेकर 2006 के बीच में कुल 15 गोल किए। उन्होंने यह उपलब्धि महज 19 मुकाबलों में हासिल की। 2002 विश्व कप में रोनाल्डो ने 8 गोल दागते हुए ब्राजील को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका निभाई थी।

### लियोनेल मेसी

साल 2022 में अर्जेंटीना को अपनी कप्तानी में चैंपियन बनाने वाले लियोनेल मेसी फीफा विश्व कप के इतिहास में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ियों की सूची में चौथे पायदान पर हैं। मेसी ने 2006 से लेकर 2022 के बीच वर्ल्ड कप में अब तक कुल 13 गोल किए हैं। कतर में खेला गया आखिरी विश्व कप मेसी के लिए यादगार रहा था और उन्होंने 7 गोल करके अर्जेंटीना को खिताब दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।

### किलियन एमबाप्पे

कतर में हुए आखिरी विश्व कप में भले ही अर्जेंटीना चैंपियन बनी थी, लेकिन एमबाप्पे सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरने वाले खिलाड़ी रहे थे। फाइनल में एमबाप्पे के खेल ने विरोधियों को भी उनका मुरीद बना दिया था।

### जस्टन फोंटेन

फ्रांस के इस खिलाड़ी ने 1958 विश्व कप के दौरान ऐसा रिकॉर्ड कायम किया था, जिसे तोड़ना बेहद मुश्किल नजर आता है। जस्टन ने इस विश्व कप में शानदार खेल दिखाते हुए अकेले 13 गोल किए थे। सबसे बड़ी बात यह है कि उन्होंने यह कारनामा महज 6 मुकाबलों में ही करके दिखाया था। यह रिकॉर्ड आजतक कोई भी फुटबॉलर नहीं तोड़ सका है।

## अंतर्राष्ट्रीय स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप में नव्यम निहान बोरा ने जीता रजत पदक

**गुवाहाटी, 2 जून।** असम के खेल जगत के लिए गर्व की खबर सामने आयी है। इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप-2026 में असम के युवा खिलाड़ी नव्यम निहान बोरा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीतकर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। 29 से 31 मई तक आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में नव्यम ने भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व किया। प्रतियोगिता में भारत के अलावा सिंगापुर, मलेशिया, म्यांमार तथा मेजबान इंडोनेशिया के प्रतिभाशाली खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। नव्यम ने बेसिक इनलाइन स्केटिंग बॉयज कैटेगरी-सी की 400 मीटर स्पीड रेस में शानदार प्रदर्शन करते हुए दूसरा स्थान हासिल किया और रजत पदक अपने नाम किया। कठिन प्रतिस्पर्धा के बीच उन्होंने अपनी गति, कौशल और आत्मविश्वास का उत्कृष्ट परिचय दिया। 400 मीटर स्पर्धा में पदक जीतने के अलावा नव्यम ने अन्य प्रतियोगिताओं में भी प्रभावशाली प्रदर्शन किया। उन्होंने भारत के दो अन्य स्केटरों के साथ टीम इवेंट में भी भाग लिया और सफलतापूर्वक रेस पूरी की, हालांकि मामूली समय अंतर के कारण टीम पदक जीतने से चूक गयी। गौरतलब है कि यह नव्यम की पहली बड़ी उपलब्धि नहीं है। इससे पहले इसी वर्ष जनवरी में चेन्नई में आयोजित 25वीं राष्ट्रीय स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप में भी उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए चैंपियन का खिताब अपने नाम किया था। इस अंतर्राष्ट्रीय सफलता ने नव्यम निहान बोरा के खेल कैरियर को नयी ऊंचाई प्रदान की है। उनकी उपलब्धि से न केवल असम के खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है, बल्कि राज्य के हजारों उभरते खिलाड़ियों को भी अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने की प्रेरणा मिली है।

## ओकले ने एम्बाप्पे व जेलन ब्राउन के साथ प्लेयर्स कलेक्शन कैंपेन किया लांच

**गुवाहाटी, 2 जून।** एक समय था जब एक खिलाड़ी के लिए सबसे जरूरी चीज उसकी यूनिफॉर्म होती थी। वह समय अब बीत चुका है। अब खेल स्पॉटलाइट से पहले, शोर-शराबे से पहले ही शुरू हो जाता है; एक ऐसा पल आता है जब सब कुछ एक लय में आ जाता हैयानी असली स्टेज से ठीक पहले का स्टेज। प्लेयर्स कलेक्शन के इस नए चैप्टर के साथजिसे आज के स्पोर्ट्स कल्चर को आकार देने वाले एथलीट्स के साथ मिलकर तैयार किया गया है ओकले दो ऐसे एथलीट्स के सिग्नेचर आईवियर पेश कर रहा है, जिनमें से हर एक ने अपने लिए एक खास डिजाइन तैयार करवाया है। ओकले की प्लेयर्स कलेक्शन अब टीम ओकले के एथलीट्स जेलन ब्राउन और किलियन एम्बाप्पे की नयी सिग्नेचर सीरीज के साथ आगे बढ़ रही है। ये ऐसे आइकन्स हैं जो न सिर्फ खेल खेलते हैं, बल्कि अपनी एक अलग छाप छोड़कर, पुरानी सोच को बदलकर और नई कम्युनिटी बनाकर खेल के आस-पास के कल्चर को भी नया आकार देते हैं। जेलन ब्राउन के आईवियर कलेक्शन में एक खास कोकोआ ब्राउन कलर पेलेट का इस्तेमाल किया गया है, जो इसे एक अनोखी और आसानी से पहचानी जाने वाली पहचान देता है। इस कलेक्शन के मुख्य हिस्सों पर ब्राउन का पर्सनल लोगो भी उकेरा गया है। ओकले हाईलैंड जेलन ब्राउन सिग्नेचर सीरीज का एक हिस्सा प्रिज्म रूबी लेंसेज से लैस है। इन लेंसों को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि ये आंखों को पूरी तरह से ढकते हैं और सूरज की तेज रोशनी से बेहतरीन सुरक्षा प्रदान करते हैं।

## फीफा को भारत में मिला ब्रॉडकास्टर

### जी को मिले फुटबॉल विश्व कप 2026 से 2034 तक कई बड़े टूर्नामेंटों के राइट्स

**नई दिल्ली।** फीफा वर्ल्ड कप 2026 को टूर्नामेंट शुरू होने से ठीक एक हफ्ते पहले भारत में प्रसारणकर्ता मिल गया है। जी एंटरटेनमेंट एंटरप्राइजेज लिमिटेड ने सोमवार (1 जून) को कहा कि उसने फीफा के साथ करार किया। इसके तहत वह 39 वैश्विक फुटबॉल टूर्नामेंट का प्रसारण करेगा। इसमें इस साल का वर्ल्ड कप, 2027 महिला वर्ल्ड कप और 2030 वर्ल्ड कप भी शामिल है। फुटबॉल मैच जी के नए लॉन्च हुए यूनाइट8 स्पोर्ट्स चैनेल यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 1 HD, यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 और यूनाइट8 स्पोर्ट्स 2 ।ष्ट पर दिखाए जाएंगे और जी5 पर स्ट्रीम किए जाएंगे। माना जा रहा है कि इस डील की कीमत लगभग 35 मिलियन अमेरिकी डॉलर (332 करोड़ रुपये) है।

# 44 की उम्र में वापसी को तैयार सेरेना

## ● चार वर्ष तक खेल से रहीं दूर

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका की दिग्गज सेरेना विलियम्स लगभग चार वर्ष तक खेल से दूर रहने के बाद 44 साल की उम्र में आगामी क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट से पेशेवर टेनिस में वापसी करेंगी। 23 बार की ग्रैंड स्लैम एकल चैंपियन सेरेना इस ग्रास कोर्ट टूर्नामेंट में युगल वर्ग के जरिए प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी करेंगी। डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा की कि सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है। क्वीन्स क्लब टूर्नामेंट अगले सोमवार (8 जून) से शुरू होगा। हालांकि सेरेना के युगल जोड़ीदार के नाम की घोषणा अभी नहीं की गई है। सेरेना ने पिछली बार 2022 यूएस ओपन में प्रतिस्पर्धी मुकाबला खेला था। उस समय उन्होंने टेनिस को अलविदा कहने की बात तो की थी, लेकिन 'संन्यास' शब्द का इस्तेमाल करने से बचते हुए कहा था कि वह टेनिस से आगे बढ़ रही हैं। सेरेना 23 ग्रैंड स्लैम एकल खिताबों के अलावा 14 ग्रैंड स्लैम युगल खिताब भी जीत चुकी हैं।

डब्ल्यूटीए ने सोमवार को घोषणा कर कहा सेरेना ने टूर्नामेंट में खेलने के लिए वाइल्ड कार्ड स्वीकार कर लिया है।

### सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं

सेरेना ने फरवरी में प्रतिस्पर्धी टेनिस में वापसी के लिए पात्रता हासिल की थी। इसके लिए उन्होंने छह महीने पहले अनिवार्य डोपिंग रोधी कार्यक्रम में दोबारा पंजीकरण कराया था, जो वापसी की दिशा में पहला कदम माना जाता है। ग्रास कोर्ट पर वापसी के बाद यह अटकलें भी तेज हो गई हैं कि सेरेना विंबलडन में भी खेल सकती हैं, जिसकी शुरुआत 28 जून से होगी। वह विंबलडन में सात बार एकल खिताब जीत चुकी हैं। **बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो शेयर किया था-** सेरेना ने हाल ही में इंस्टाग्राम पर अपनी बेटी के साथ हार्ड कोर्ट पर अभ्यास करते हुए एक वीडियो साझा किया था। उनकी दूसरी बेटी का जन्म 2023 में हुआ था। दिलचस्प बात यह है कि पिछले वर्ष जब उनके डोपिंग परीक्षण पूल में शामिल होने की खबर सामने आई थी, तब उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा था, 'मैं वापसी नहीं कर रही हूं, यह अफवाह काफी बढ़ गई है।'

**फ्रेंच ओपन 2026**

# माटेओ अर्नाल्डी ने बनाई क्वार्टर फाइनल में जगह

## ● कड़े मुकाबले में टियाफो को दी मात

**पेरिस ।** माटेओ अर्नाल्डी ने फ्रेंच ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में अपनी जगह बना ली है। पांच सेट तक चले मुकाबले में अर्नाल्डी ने फ्रांसिस टियाफो को हराकर पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल का टिकट हासिल किया। 25 साल वर्षीय खिलाड़ी ने मंगलवार को 19वें नंबर के अमेरिकी खिलाड़ी को 7-6(5), 6-7(5), 3-6, 7-6(3), 6-4 से हराया। यह रोमांचक मुकाबला पांच घंटे 26 मिनट तक चला। इटली के खिलाड़ी ने फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में कुल 17 घंटे 42 मिनट का समय लगाया है। यह 1991 से अब तक के रिकॉर्ड के अनुसार किसी भी ग्रैंड स्लैम में क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने का सबसे लंबा समय है।

यह पिछले रिकॉर्ड से लगभग 1 घंटा 58 मिनट ज्यादा है। दोनों खिलाड़ियों ने पहले सेट में बराबरी की, लेकिन इसके बाद अमेरिकी खिलाड़ी टियाफो ने बेहतरीन खेल खेलते हुए अपनी क्षमता दिखाई। उन्होंने चौथे सेट में 4-1 की बढ़त बना ली और ऐसा लग रहा था कि वह लगातार दूसरे साल फ्रेंच ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंच जाएंगे। टाईब्रेक में 25 साल के टियाफो ने आक्रामक खेल दिखाया और कई तेज और रोमांचक रैलियों में बढ़त बनाई। हालांकि, अर्नाल्डी ने भी शानदार वापसी की, उन्होंने हवा में कूदकर एक जोरदार बैकहैंड मारा और कुछ ही देर बाद निर्णायक अंक जीत लिया।

इस समय अर्नाल्डी पूरी तरह लय में थे और अपने शानदार ग्राउंडस्ट्रोक्स की मदद से उन्होंने 4-2 की बढ़त बना ली। हालांकि, टियाफो ने हार नहीं मानी और एक दमदार फोरहैंड लगाकर स्कोर 4-4 से बराबर कर दिया। रोमांचक मुकाबले के दौरान एक ही रैली में टियाफो दो बार गिर भी पड़े। इसके बाद अर्नाल्डी ने फिर से अपना नियंत्रण वापस पाया और आखिर में अपने तीसरे मैच पॉइंट को जीत में बदलकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

## सबालेंका ने बनाई चौथे राउंड में जगह

### रोमांचक मैच में ओसाका को हराया

**पेरिस ।** एरिना सबालेंका ने रोलैंड गैरोस (फ्रेंच ओपन 2026) में चौथे राउंड के रोमांचक मैच में नाओमी ओसाका को 7-5, 6-3 से हराकर लगातार 14वें ग्रैंड स्लैम के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। महिला ड्रॉ में सबालेंका अकेली ऐसी खिलाड़ी बची हैं जिन्होंने मेजर फाइनल खेला है। सबालेंका का अब सामना 25वीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी डायना श्नाइडर से होगा, जिन्होंने 19वीं वरीयता प्राप्त मैडिसन कीज को तीन सेट में हराकर अपने करियर के पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। ओसाका ने मैच की शानदार शुरुआत की और पहले दो गेम जीत लिए। दूसरी ओर, सबालेंका शुरू से ही संघर्ष करती नजर आईं। उन्होंने पांच ऐसी गलतियां कीं जो बिना दबाव के हुईं, जिनमें एक डबल फॉल्ट भी शामिल था। यह डबल फॉल्ट ब्रेक पॉइंट पर हुआ, जिससे ओसाका को शुरुआती बढ़त बनाने में मदद मिली।

शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी सबालेंका ने खराब शुरुआत के बाद शानदार वापसी की। उन्होंने दो शानदार फोरहैंड विनर लगाए और तुरंत ब्रेक की भरपाई कर ली। इसके बाद उन्होंने पूरे मैच में अपनी सर्विस मजबूत रखी। डब्ल्यूटीए की रिपोर्ट के अनुसार, मैच के बाकी हिस्से में उन्हें एक भी ब्रेक पॉइंट का सामना नहीं करना पड़ा और उनके सर्विस गेम शायद ही कभी ड्यूस तक पहुंचे।

### आईसीसी बैठक में हुआ फैसला

# टेस्ट में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल को मंजूरी

## ● 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकेंगे कोच

**नई दिल्ली।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल प्रभावित होने की स्थिति में टेस्ट मैचों में परीक्षण के आधार पर गुलाबी गेंद के इस्तेमाल और 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मुख्य कोच को मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से चर्चा करने की अनुमति देने जैसे कई महत्वपूर्ण बदलावों को अपनी वार्षिक बैठक में मंजूरी दे दी।

अहमदाबाद में आयोजित दो दिवसीय बैठक में आईसीसी बोर्ड ने भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों के चलते क्रिकेट कनाडा की सदस्यता तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का भी फैसला किया। इसके साथ ही बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के चुनावों की निगरानी के लिए आईसीसी के वरिष्ठ अधिकारियों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

**क्या भारतीय टीम व्यवस्था स्वीकार करेगी-** मौजूदा नियमों के तहत एक दिन में 90 ओवर फेंके जाते हैं। उदाहरण के तौर पर अगर 75 ओवर लाल गेंद से खेले जाने के बाद रोशनी कम हो जाए और 15 ओवर बाकी हों, तो दोनों टीमों की पूर्व सहमति होने पर उन ओवरों को दुधिया रोशनी में गुलाबी गेंद से पूरा कराया जा सकेगा।

### फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल

आईसीसी के बयान के अनुसार, 'दोनों टीमों की पूर्व सहमति से टेस्ट मैचों में गुलाबी गेंद के इस्तेमाल का परीक्षण किया जाएगा, ताकि खराब रोशनी की आशंका होने पर अधिक से अधिक खेल संभव हो सके।' समझा जाता है कि मैच की शुरुआत पारंपरिक लाल गेंद से होगी, लेकिन यदि रोशनी कम हो जाती है तो फ्लडलाइट्स की मदद से गुलाबी गेंद का इस्तेमाल कर उन ओवरों को पूरा कराया जा सकेगा जो कम रोशनी के कारण प्रभावित होने वाली होगी।

- **गुलाबी गेंद से खेलने की अनिच्छा-** भारतीय खिलाड़ी घरेलू परिस्थितियों में गुलाबी गेंद से टेस्ट खेलने को लेकर पहले भी अनिच्छा जता चुके हैं। गुलाबी गेंद से सीम मूवमेंट अधिक मिलने के कारण मैच का रुख बदल सकता है। आईसीसी बोर्ड ने खराब रोशनी के कारण खेल का नुकसान कम करने के लिए मैच अधिकारियों और मैदानों में प्रकाश व्यवस्था से जुड़ी नई तकनीकों पर शोध को भी मंजूरी दी है। इस अनुसंधान एवं विकास परियोजना को आईसीसी और मेरिलबोन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) संयुक्त रूप से वित्तपोषित करेंगे।
- **ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जा सकते हैं कोच-** आईसीसी ने खेल नियमों में संशोधन करते हुए मुख्य कोच या उनके प्रतिनिधियों को निर्धारित 'ड्रिंक्स ब्रेक' के दौरान मैदान पर जाकर खिलाड़ियों से रणनीतिक चर्चा करने की अनुमति दे दी है। टी20 क्रिकेट में रणनीतिक टाइम आउट के दौरान कोचिंग स्टाफ के मैदान पर आने की व्यवस्था पहले से लागू है और अब इसी तरह की सुविधा टेस्ट क्रिकेट में भी उपलब्ध होगी। इसके अलावा टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 15 मिनट के अनिवार्य अंतराल तथा खेल दोबारा शुरू होने पर बल्लेबाजों के तैयार रहने से जुड़े नियमों को भी मंजूरी दी गई है।

# आईपीएल-2026 के बाद भारतीय टीम का शेड्यूल

## ● आयरलैंड, इंग्लैंड, जिम्बाब्वे और न्यूजीलैंड का करेगी दौरा

**नई दिल्ली।** रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने गुजरात टाइटंस को रविवार (31 मई) को हराकर लगातार दूसरा खिताब जीता और दो महीने से चल रहा इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल2026) समाप्त हो गया। सिर्फ एक हफ्ते के अंदर भारतीय टीम मैदान पर दिखाई देगी। भारत को 6 से 20 जून के बीच अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट और तीन वनडे मैच खेलेगा। न्यू चंडीगढ़ में खेला जाने वाला टेस्ट मैच वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप साइकल का हिस्सा नहीं होगा।

इसके बाद मेन इन ब्लू यूरोप के लिए उड़ान भरेंगे, जहां वह आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ सात टी20 और तीन वनडे मैच खेलेंगे। श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैच अगस्त में होने हैं, यह सीरीज डब्ल्यूटीसी का हिस्सा होगी। हालांकि, शेड्यूल अभी जारी नहीं किया गया है।

## रेनॉल्ट की नौवें महीने में भी थोक बिक्री में वृद्धि

**गुवाहाटी, 2 जून।** रेनॉल्ट समूह की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी रेनॉल्ट इंडिया ने मई 2026 में लगातार नौवें महीने थोक बिक्री में वृद्धि दर्ज करके अपनी मजबूत विकास यात्रा जारी रखी है। इसके साथ ही कंपनी ने सितंबर 2025 से शुरू हुए अपने सकारात्मक प्रदर्शन के सिलसिले को आगे बढ़ाया है। वाहन निर्माता ने सितंबर 2025 और मई 2026 के बीच 38,225 यूनिट्स की संचयी थोक बिक्री दर्ज की है, जो पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 46 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि दर्शाती है। यह प्रदर्शन कड़ी प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय यात्री वाहन बाजार में कंपनी के निरंतर विस्तार को रेखांकित करता है। वाहन डेटा के अनुसार, रेनॉल्ट देश के उन केवल दो यात्री वाहन निर्माताओं में से एक रही जिसने मई 2026 में सकारात्मक खुदरा बिक्री वृद्धि दर्ज की। कंपनी ने इस महीने के दौरान थोक बिक्री में साल-दर-साल 64 प्रतिशत की मजबूत वृद्धि दर्ज की, जो मजबूत उपभोक्ता मांग और इसके उत्पाद पोर्टफोलियो की बढ़ती बाजार स्वीकृति को दर्शाती है। रेनॉल्ट इंडिया ने कहा कि यह निरंतर गति देश भर में अपनी उपस्थिति को मजबूत करने के साथ-साथ भारतीय उपभोक्ताओं के अनुकूल उत्पाद पेश करने पर उसके निरंतर ध्यान केंद्रित करने के कारण रही है। कंपनी का यह प्रदर्शन ऐसे समय में आया है जब बदलते बाजार परिदृश्य के बीच कई वाहन निर्माताओं को बिक्री में वृद्धि बनाये रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। गुवाहाटी में, रेनॉल्ट की सकारात्मक बिक्री का यह रुझान उत्तर-पूर्व भारत में व्यक्तिगत गतिशीलता में बढ़ती उपभोक्ता रुचि को दर्शाता है। गुवाहाटी में ऑटोमोबाइल डीलरों ने कॉम्पैक्ट और वैल्यू-ड्रिवेन वाहनों के लिए लगातार पूछताछ की रिपोर्ट दी है, जिसमें बेहतर होता बुनियादी ढांचा और बढ़ती आकांक्षाएं इस क्षेत्र के यात्री वाहन सेगमेंट में मांग को सहारा दे रही हैं।

## सोनी इंडिया ने ब्राविया 7II किया लांच

**गुवाहाटी, 2 जून।** सोनी इंडिया ने आज ब्राविया 7II लांच करने की घोषणा की, जिसमें टू आरजीबी तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। यह तकनीक बेहतर रंगों, अधिक गहराई और अधिक प्रभावशाली दृश्य अनुभव के साथ घरेलू मनोरंजन को एक नया रूप देती है। चुनिंदा ब्राविया 7II मॉडलों के लिए प्री-बुकिंग आज से शुरू हो रही है। सोनी की उन्नत डिस्प्ले तकनीक और इंटेलिजेंट प्रोसेसिंग तकनीकों को मिलाकर बनाया गया ब्राविया 7II सिनेमा-स्तरीय पिक्चर क्वालिटी प्रदान करता है, जो रोजमर्रा के देखने को एक असाधारण मनोरंजन अनुभव में बदल देता है। ब्राविया 7II का मुख्य आधार टू आरजीबी है, जो सोनी की मालिकाना बैकलाइट नियंत्रण तकनीक आरजीबी बैकलाइट मास्टर ड्राइव प्रो' द्वारा संचालित है। यह तकनीक लाल, हरे और नीले प्रकाश को स्वतंत्र रूप से नियंत्रित करती है, जिससे असाधारण रंग सटीकता, गहरा कंट्रास्ट और उल्लेखनीय यथार्थता प्राप्त होती है। कॉग्निटिव प्रोसेसर एक्सआर के साथ मिलकर ब्राविया 7II सामग्री को उसी तरह से फिर से प्रस्तुत करता है जैसे मनुष्य स्वाभाविक रूप से देखते और सुनते हैं, जिससे बेहतर गहराई, जीवंत रंग और सजीव विवरण वाले दृश्य बनते हैं।

### पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है

# फिर सस्ता हुआ क्रूड लेकिन भोपाल में पेट्रोल 114 तो डीजल 99 के पार

**नई दिल्ली, एजेंसी।** अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक बार फिर से कच्चे तेल की कीमतों में मिला जुला संकेत है। एक ओर इंडियन बॉस्केट क्रूड सस्ता हुआ है तो मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में मामूली तेजी दिखी है। हालांकि, भारत में पेट्रोल-डीजल बेचने वाली सरकारी तेल कंपनियां ने आज यानी मंगलवार, 2 जून 2026 को दाम में कोई बदलाव नहीं किया। पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव बीतने के बाद ही पेट्रोलियम कंपनियों ने 11 दिनों में चार बार दाम बढ़ा चुकी है। सरकारी पेट्रोलियम कंपनियों ने सबसे पहले 15 मई 2026 को पेट्रोल 3 रुपये और डीजल 3.29 पैसे महंगा किया था। इसके बाद 19 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे, 23 मई को पेट्रोल 87 पैसे तो डीजल 91 पैसे और 25 मई 2026 को पेट्रोल 2.61 रुपये और डीजल 2.71 रुपये महंगा किया था।

4 महानगरों में पेट्रोल का दाम

तेल कंपनियों की तरफ से मिली जानकारी के अनुसार दिल्ली में आज पेट्रोल 102.12 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। कोलकाता में इसकी कीमत 113.51 रुपये, मुंबई में 111.21 रुपये और चेन्नई में 107.77 रुपये है। एक अनुमान के मुताबिक क्रूड ऑयल महंगा होने से सरकारी तेल कंपनियों को

रोजाना पेट्रोल, डीजल, एलपीजी और जेट फ्यूल पर करीब 750 करोड़ रुपये का घाटा हो रहा है।

**डीजल की कीमत क्या है:** सरकारी ऑयल कंपनियों के मुताबिक सोमवार को दिल्ली में डीजल का प्रति लीटर दाम 95.20 रुपये है। कोलकाता में यह 99.02 रुपये, मुंबई में 97.83 रुपये और चेन्नई में 99.55 रुपये प्रति लीटर है। कच्चे तेल की कीमत में हाल में काफी बढ़ोतरी हुई है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद यह करीब 50 फीसदी महंगा हो गया है।

**क्रूड ऑयल के मामूली तेजी:** ग्लोबल मार्केट में सोमवार को फिर से कच्चे तेल में मिलाजुला रूख दिखा। एक ओर इंडियन बॉस्केट क्रूड का दाम 0.92 फीसदी कम होकर 96.60 डॉलर प्रति बैरल रह गया तो दूसरी ओर मानक ब्रेंट क्रूड के दाम में मामूली 0.02 फीसदी की तेजी दिखी। सुबह के कारोबार में यह 94.96 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था। डब्ल्यूटीआई क्रूड में 0.17 फीसदी की गिरावट दिखी। यह 92.00 प्रति बैरल पर ट्रेड हो रहा था।

**ऐसे चेक करें भाव:** पेट्रोल-डीजल के भाव जब बदलते हैं, तब सुबह 6 बजे अपडेट हो जाते हैं। पेट्रोल-डीजल का रोज़ का रेट के जरिए भी जान सकते हैं । इंडियन ऑयल के कस्टमर के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9224992249 नंबर पर और बीपीसीएल उपभोक्ता ऋक्ष के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9223112222 नंबर पर भेज जानकारी हासिल कर सकते हैं। वहीं, एचपीसीएल उपभोक्ता के बाद स्पेस देकर अपने शहर का कोड लिखकर 9222201122 नंबर पर भेजकर भाव पता कर सकते हैं।

### भारतीय कंपनियों को अभी भी नुकसान

केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पहले बताया था कि भारत की सरकारी तेल कंपनियों को हर दिन करीब 1,000 करोड़ रुपये का नुकसान हो रहा था। लेकिन चार चरणों में दाम बढ़ाने के बाद यह घट कर हर रोज करीब 750 करोड़ रुपये रह गया है। हालांकि, पिछले साल इंडियन ऑयल, हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम ने 77,821 करोड़ रुपये का मुनाफा दर्ज किया है।

### एलपीजी की बिक्री में 24 प्रतिशत की भारी गिरावट, पेट्रोल-डीजल की बिक्री बढ़ गई

*नई दिल्ली, एजेंसी। एलपीजी यानी लिक्विड पेट्रोलियम गैस की किल्लत की खबरों के बीच भारत में इसकी बिक्री घटी है। जी हां, बीते मई महीने के दौरान एलपीजी की बिक्री में 24 प्रतिशत की भारी गिरावट आई है। हालांकि, इसी दौरान पेट्रोल की बिक्री में 4.8 प्रतिशत जबकि डीजल की बिक्री में 6.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। हवाई जहाज के ईंधन या एटीएफ की बिक्री में भी 1.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। सरकारी तेल कंपनियों की तरफ से जारी सेल्स आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। ये आंकड़े बीते मई के हैं और इसकी तुलना बीते साल के मई के आंकड़ों से की गई है। उल्लेखनीय है कि पेट्रोल-डीजल एवं हवाई जहाज के ईंधन के बाजार में इंडियन ऑयल हिन्दुस्तान पेट्रोलियम और भारत पेट्रोलियम की हिस्सेदारी करीब 90 फीसदी की है। यदि एलपीजी की बात करें तो इसमें तो इन तीनों कंपनियों की हिस्सेदारी करीब शत-प्रतिशत है। उल्लेखनीय है कि अप्रैल 2026 के दौरान भारत में एलपीजी की बिक्री में करीब 16 फीसदी का इजाफा हुआ था। माना जा रहा है कि उस समय ईरान-इजरायल युद्ध के आलोक में घर में रखे खाली सिलेंडरों को भी बदल कर भरे सिलेंडर ले रहे थे। इसलिए इसकी बिक्री बढ़ी थी। मई में यह इसलिए घट गया क्योंकि सप्लाई सामान्य हो गई और ग्राहकों के घर के अतिरिक्त सिलेंडर पहले से भरे पड़े थे। डीजल की खपत मुख्य रूप से सड़क परिवहन के साधनों में होता है। इसके साथ ही खेती-बारी के लिए ट्रैक्टर और पम्पिंग सेट चलाने के लिए भी डीजल का ही उपयोग होता है। सरकारी तेल कंपनियों के आंकड़े कहते हैं कि भारत में पेट्रोल के मुकाबले डीजल की खपत करीब ढ़ाई गुना है।*

### मनचाहा पैसा देने को तैयार हैं कंपनियां

# वैभव सूर्यवंशी को साइन करने के लिए ब्रांड्स में मची होड़

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारतीय क्रिकेट के नए स्टार वैभव सूर्यवंशी पर पैसों की बारिश हो रही है। हाल में संपन्न आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले सूर्यवंशी को साइन करने के लिए कम से कम छह टॉप ब्रांड्स लाइन में खड़े हैं। इनमें स्पोर्ट्स ड्रिंक, क्रिकेट बैट, न्यूट्रीशन और हाई परफॉरमेंस फुटवियर बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। हालांकि सूर्यवंशी की टीम राजस्थान रॉयल्स फाइनल में पहुंचने में नाकाम रही लेकिन 15 साल के इस बल्लेबाज ने अपने प्रदर्शन से सबका दिल जीत लिया। ईटी की एक रिपोर्ट में इंडस्ट्री के एग्जीक्यूटिव्स के हवाले से बताया गया है कि कई टॉप ब्रांड्स सूर्यवंशी को साइन करने के लाइन में लगे हैं। एक एग्जीक्यूटिव ने कहा कि सूर्यवंशी को साइन करने के लिए ब्रांड्स में होड़ मची है। इस रेस में कोई पिछड़ना नहीं चाहता है। इसकी बड़ी वजह यह है कि अभी उनके सामने लंबा करियर है। साथ ही अभी एक वैक्यूम भी है क्योंकि बड़े क्रिकेटर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर पा रहे हैं।

एक ब्रांड के मार्केटिंग चीफ ने कहा, 'सूर्यवंशी की फीस अभी 50 लाख रुपये प्रति डील है जो 1 करोड़ रुपये से ज्यादा हो सकती है। लेकिन यह नेगोशिएशंस और इस बात पर निर्भर करेगा कि उनका परिवार उनको कितना एक्सपोजर देना चाहता है।

### वैभव सूर्यवंशी का कैरियर

डेब्यू : 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में पदार्पण आईपीएल : 2025 के ऑक्शन में राजस्थान रॉयल्स ने 1.1 करोड़ में खरीदा मौजूदा एंडोर्समेंट : कॉम्प्लान, झारखंड हेल्थ डिपार्टमेंट संभावित ब्रांड डील : स्पोर्ट्स ड्रिंक, न्यूट्रीशन, फुटवियर

### कमर्शियल वैल्यू

एग्जीक्यूटिव ने कहा कि पहले की तरह ब्रांड्स अब 3 से 5 साल की डील नहीं करना चाहते हैं। अब वे 2 से 3 साल की डील चाहते हैं। खिलाड़ी के प्रदर्शन के आधार पर उनके पास कॉन्ट्रैक्ट को आने नहीं बढ़ाने का विकल्प रहेगा। इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि एंडोर्समेंट फीस के इतर बड़ी बात यह है कि उनके ब्रांड को कितनी सावधानी के साथ गढ़ा जा रहा है। सूर्यवंशी ने हाल में संपन्न आईपीएल में 16 मैचों में 237.30 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाए।

# यूपीआई पर रिकॉर्ड ट्रांजेक्शन, पिछले महीने 30 लाख करोड़ का पेमेंट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पड़ोस की दुकान पर आप खरीदारी करने गए। आपने 17 रुपये का सामान लिया और 100 का नोट दिया। दुकानदार कहता है, खुले पैसे दो या यूपीआई कर दो। आप अपना मोबाइल फोन निकालते हैं, क्यूआर कोड स्कैन करते हैं और पेमेंट हो जाता है। इसी आसानी की वजह से यूपीआई ने इतिहास बना दिया है। जी हां, बीते मई महीने के दौरान कुल 29.90 लाख करोड़ रुपये का ट्रांजेक्शन हुआ। यूपीआई करना बेहद सरल हो गया है। देश में जैसे-जैसे स्मार्टफोन रखने वालों की संख्या

बढ़ी, वैसे-वैसे इसकी स्वीकार्यता बढ़ी। यही नहीं, अब तो पारंपरिक फोन में भी यूपीआई पेमेंट की सुविधा आने लगी है। यही नहीं इससे पेमेंट स्वीकारने वालों की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। अब चाय की टपरी से लेकर बड़े शॉपिंग मॉल्स और हवाई अड्डे तक में यूपीआई स्वीकार किया जा रहा है।

### 19 फीसदी की बढ़ोतरी

नेशनल पेमेंट्स कार्पोरेशन ऑफ इंडिया या एनपीसीआई के आंकड़ों के मताबिक बीते मई महीने में करीब 30 लाख करोड़ रुपये का यूपीआई ट्रांजेक्शन हुआ जो कि एक साल पहले के इसी महीने के मुकाबले 19 फीसदी ज्यादा है। यही नहीं, एक महीने पहले यानी अप्रैल 2026 के मुकाबले भी यह तीन फीसदी ज्यादा है। मई 2026 में कुल 23.2 अरब ट्रांजेक्शन हुए जबकि अप्रैल 2026 में 22.35 अरब ट्रांजेक्शन हुए थे। यूपीआई का 'औसत टिकट साइज' (प्रति लेनदेन की औसत रकम) घटी है।

# 8वें वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों को दी राहत 15 जून तक जमा कर सकेंगे मेमोरेंडम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अगर केंद्रीय कर्मचारी हैं तो ये खबर आपके काम की हो सकती है। दरअसल, 8वें केंद्रीय वेतन आयोग ने सुझाव और मांगपत्र (मेमोरेंडम) जमा करने की अंतिम तिथि एक बार फिर बढ़ा दी है। वेतन आयोग के इस फैसले का असर देश के करीब 50 लाख केंद्रीय कर्मचारियों और 65 लाख पेंशनर्स पर पड़ेगा, जिनमें रक्षा कर्मी और सेवानिवृत्त रक्षा कर्मचारी भी शामिल हैं।

**क्या है नई समयसीमा:** आठवें वेतन आयोग ने अब यह समयसीमा 15 जून 2026 तक कर दी है। इससे पहले अंतिम तिथि 31 मई 2026 निर्धारित की गई थी। बता दें कि यह दूसरी बार है जब वेतन आयोग ने मेमोरेंडम जमा करने की समयसीमा बढ़ाई है। इससे पहले 30 अप्रैल की समयसीमा थी।

दरअसल, वेतन आयोग ने इसी साल फरवरी महीने में एक वेबसाइट को लॉन्च किया था। इस वेबसाइट के जरिए वेतन आयोग ने केंद्रीय कर्मचारियों और कर्मचारी संगठन समेत अन्य हितधारकों से सुझाव मांगे थे। सुझाव भेजने के लिए वेबसाइट पर कर्मचारियों, पेंशनर्स, यूनियनों और सरकारी विभागों को पहले अपनी श्रेणी का चयन करना होगा, फिर मोबाइल नंबर या ई-मेल के जरिए सत्यापन कर ऑनलाइन फॉर्म भरना होगा। फॉर्म में वेतन संशोधन, फिटमेंट फैक्टर, भत्ते, पेंशन ढांचे और पे मैट्रिक्स से जुड़े सुझाव दर्ज किए जा सकते हैं। इसके अगले स्टेप में यूनिक मेमो आईडी जारी की जाएगी, जिसके आधार पर आवेदन की ट्रैकिंग और आयोग से बैठक के लिए अनुरोध किया जा सकेगा। बता दें कि सभी मेमोरेंडम केवल वेतन आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर ऑनलाइन जमा करने होंगे। केंद्र सरकार ने पिछले साल जनवरी में आठवें वेतन आयोग के गठन का ऐलान किया था लेकिन यह नवंबर 2025 में अमल में आया। पूर्व सुप्रीम कोर्ट न्यायाधीश रंजना प्रकाश देसाई की अध्यक्षता वाले 8वें वेतन आयोग ने इस साल अपना कामकाज शुरू किया है। आयोग में पूर्व आईएएस अधिकारी पंकज जैन, सदस्य-सचिव और प्रोफेसर पुलक घोष सदस्य के रूप में शामिल हैं। आइए जान लेते हैं कि आठवें वेतन आयोग की जून और जुलाई में कब-कब बैठक होने वाली है। जम्मू और कश्मीर: श्रीनगर में बैठक 1-4 जून (सोमवार-गुरुवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लद्दाख केंद्र शासित प्रदेश में संबंधित हितधारकों के साथ बैठक 8 जून (सोमवार) को निर्धारित है और उनके पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 16 मई तक का समय था। लखनऊ में बैठक 22-23 जून (सोमवार और मंगलवार) तक निर्धारित है और हितधारकों के पास अपॉइंटमेंट लेने के लिए 10 जून तक का समय है।

# महीने में दो बार सैलरी दीजिए', अनुपम मित्तल ने अपील करके मचा दी सनसनी

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शादी डॉट कॉम के संस्थापक अनुपम मित्तल ने सनसनी मचा दी है। उन्होंने कंपनियों से बड़ी अपील कर दी है। अपील यह है कि वे इस बात पर फिर से सोचें कि कर्मचारियों को सैलरी कैसे और कब दी जाए। उनका तर्क है कि सैलरी आदर्श रूप से महीने में दो बार दी जानी चाहिए। न कि उस 'ब्रिटिश-जमाने' के सिस्टम को फॉलो करते हुए जिसमें सैलरी अगले महीने दी जाती है। मित्तल ने सोमवार को लिंक्डइन पर एक पोस्ट किया। इसमें उन्होंने कहा कि कई कंपनियां खुद को कर्मचारी-केंद्रित दिखाने के लिए ज्यादा छुट्टियां, मुफ्त खाना और रिमोट वर्क जैसे फायदों को बढ़ावा देती हैं। लेकिन, अक्सर कर्मचारियों के लिए सबसे जरूरी मुद्दों में से एक को नजरअंदाज कर देती हैं। वह है - समय पर सैलरी का पेमेंट। उन्होंने लिखा, 'ज्यादातर कंपनियां 7 तारीख को सैलरी देती हैं। कुछ 1 तारीख को देती हैं सिवाय तब जब उस दिन वीकेंड हो, जिसका मतलब है कि सैलरी 2, 3 या 4 तारीख को मिलेगी।' उन्होंने कहा, 'कुछ साल पहले हमने कंपनी में फैसला किया कि सैलरी मौजूदा महीने के आखिर में ही दी जानी चाहिए, न कि अगले महीने। यह कोई 'पर्क' (अतिरिक्त सुविधा) नहीं है, बल्कि यह तो 'कॉमन सेंस' (सामान्य समझ) की बात

है।' मित्तल के अनुसार, सैलरी मिलने में देरी का कर्मचारियों के रोजमर्रा के खर्चों पर काफी असर पड़ सकता है। उन्होंने आगे कहा, 'कारण है कि कुछ लोगों के लिए एक हफ्ते की देरी शायद सिर्फ एक 'अकाउंटिंग डिटेल' (हिसाब-किताब की छोटी-मोटी बात) हो सकती है। लेकिन, ज्यादातर लोगों के लिए इसका मतलब हो सकता है - श्वस्थ्य का बाउंस होना, किराए का जुगाड़ करने की हड़बड़ी, किसी को फोन करके पैसे मांगने की शर्मिंदगी या फिर किसी ऐसी समस्या को ठीक करने में आधा दिन बर्बाद करना जो असल में कभी पैदा ही नहीं होनी चाहिए थी।'उन्होंने तर्क दिया कि सैलरी का समय पर और आसानी से मिलना कर्मचारियों की आर्थिक स्थिरता को बेहतर बनाता है। उन्होंने आगे कहा, 'कैश फ्लो ही असल 'गरिमा' है।' मित्तल ने एक कदम और आगे बढ़ते हुए सुझाव दिया कि कंपनियों को कर्मचारियों को महीने में दो बार सैलरी देने पर विचार करना चाहिए।

# ठेलेवाला कितना कमाता होगा ये न सोचना, 5 लाख के लोन से आज 3 करोड़ का बिजनेस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** किस्मत चमकते देर नहीं लगती। बस, आप अपना काम ईमानदारी से करते रहिए। ऐसा ही कुछ अब्दुल रईस के साथ हुआ है। वह मध्य प्रदेश के बुरहानपुर के रहने वाले हैं। एक समय था जब उन्हें ठेले पर फल बेचने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। लेकिन, 5 लाख रुपये के लोन और कड़ी मेहनत ने सबकुछ बदल दिया। आज अब्दुल रईस ने 3 करोड़ सालाना के टर्नओवर वाला बिजनेस खड़ा कर दिया है। अपनी मुश्किलों को उन्होंने कामयाबी का किस्सा बनाया है। आइए, यहां अब्दुल रईस की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

विपरीत परिस्थितियों में भी टिके रहने की हिम्मत किसी की भी जिंदगी बदल सकती है। अब्दुल रईस ने करीब 30 साल पहले अपना सफर शुरू किया था। उस समय वह बेहद मुश्किल हालात में एक साधारण से ठेले पर फल बेचा करते थे। चुनौतियां इम्तिहान लेती रहीं। खासकर बारिश के मौसम में। तब बिजनेस पूरी तरह से ठप हो जाता था। इन रुकावटों के बावजूद उन्होंने अपने सफर में आगे बढ़ने का फैसला किया। आखिरकार उन्हें कामयाबी मिल ही गई। अपने रिश्तेदारों और परिवार की मदद से रईस ने करीब 5 लाख रुपये का लोन लेकर अपना बिजनेस दोबारा शुरू किया। यह उनकी जिंदगी का बड़ा टर्निंग पॉइंट साबित हुआ।

धीरे-धीरे उनकी मेहनत और लगन रंग लाने लगी। उनका छोटा सा बिजनेस बड़ा होने लगा। समय के साथ रईस ने अपने छोटे से ठेले वाले बिजनेस को बहुत बड़े और सफल

फलों के बिजनेस में बदल दिया। अब्दुल रईस का बिजनेस अब 'नीलम फ्रूट' के नाम से जाना जाता है। बुरहानपुर में यह एक जाना-माना नाम बन चुका है। ग्राहक दूर-दूर से उनकी दुकान पर फल खरीदने आते हैं। उनकी दुकान ने अपनी अच्छी क्वालिटी और भरोसे के दम पर खास पहचान बनाई है।

तेजी से फल-फूल रहा कारोबार

हर दिन फलों से लदी करीब 2-3 गाड़ियां उनकी दुकान पर पहुंचती हैं। रिटेल ग्राहकों के अलावा, कई छोटे व्यापारी भी उनसे फल खरीदते हैं। उन्हें स्थानीय बाजारों में बेचते हैं। इससे उनके व्यवसाय का विस्तार और भी बढ़ जाता है। जो काम एक साधारण ठेले के व्यवसाय के रूप में शुरू हुआ था, वह अब फलता-फूलता उद्यम बन गया है। अब्दुल रईस की यह यात्रा इस बात की मिसाल है कि लगन, साहस और निरंतर प्रयास से कठिन से कठिन चुनौतियों पर भी विजय पाई जा सकती है।

### अब 3 करोड़ का सालाना टर्नओवर

न्यूज18 की रिपोर्ट के अनुसार, आज अब्दुल रईस का सालाना टर्नओवर करीब 3 करोड़ रुपये है। उन्होंने लगभग 15 लोगों को रोजगार दिया हुआ है। जो सफर कभी सिर्फ गुजारा करने के संघर्ष के तौर पर शुरू हुआ था, आज वह कई और लोगों की रोजी-रोटी का जरिया बन चुका है। रईस ने फलों की सप्लाई का बहुत बड़ा नेटवर्क खड़ा किया है। इसके तहत वह भारत के करीब 10 राज्यों से फल मंगवाते हैं। न सिर्फ वह फलों की खरीद-फरोख्त का काम संभालते हैं।

## दिसपुर का सियासी महासंग्राम

# यूसीसी की पिच पर असम सरकार की धुआंधार बैटिंग

**अजहर आलम**

गुवाहाटी की उमस भरी हवाओं में 27 मई आम दिनों जैसी सुस्ती बिल्कुल नहीं थी, क्योंकि दिसपुर के विधायी गलियारों का पारा सातवें आसमान को छू रहा था। वजह भी तो बड़ी थी, समान नागरिक संहिता (यूसीसी) असम विधेयक-2026। पांच घंटे से भी अधिक समय तक लोकतंत्र के इस अखाड़े में शब्दों के ऐसे तीखे तीर चले और मेजों की थाप से पूरा सदन ऐसा थर्राया कि देखने वाले दांतों तले उंगली दबा लें।

विपक्ष ने विरोध का पूरा चक्रव्यूह तैयार कर रखा था, लेकिन सत्तापक्ष ने उस घेरे को मरोड़ते हुए आखिरकार इस विधेयक को ध्वनिमत से पारित करा ही लिया। विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास की अंतिम हुंकार के साथ ही असम के कानूनी इतिहास ने एक ऐसी नई करवट ले ली है, जिसकी गूंज आने वाले कई दशकों तक सुनाई देगी।

अब असम की इस पावन माटी पर शादी, तलाक, जायदाद का हक और बदलते दौर के लिव-इन रिलेशनशिप जैसे बेहद निजी मामलों से मजहब और जाति का चश्मा हमेशा के लिए उतर जाएगा, यानी सबके न्याय के लिए सिर्फ और सिर्फ एक ही तराजू का इस्तेमाल होगा। हालांकि सरकार ने यहां के मूल निवासियों यानी अनुसूचित जनजाति (एसटी) के भाई-बहनों की अनूठी परंपराओं और सामाजिक ताने-बाने का पूरा मान रखते हुए उन्हें इस नए कानून के चक्कर से एकदम आजाद और सुरक्षित रखा है।

सदन के भीतर का नजारा तो किसी सस्पेंस-थ्रिलर फिल्म के क्लाइमेक्स जैसा हाई-वोल्टेज ड्रामा पेश कर रहा था। विपक्ष इस बात पर अड़ा था कि समाज के दिल को छूने वाले इस संवेदनशील विधेयक को सीधे कानून की शक्ल मत दो, बल्कि इसे पहले एक चयन समिति के सुपुर्द करो ताकि इसकी हर एक धारा को बारीकी की सान पर परखा जा सके। लेकिन जैसे ही अध्यक्ष ने विपक्ष के इस पैंतरे को खारिज किया, सदन के भीतर मानो बारूद के ढेर में चिंगारी सुलग गई।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी सूरमा मर्यादा की सीमाएं लांघकर सीधे वेल में कूद पड़े और सरकार विरोधी नारों से आसमान सिर पर उठा लिया। इसी घमासान, हंगामे और अशांति के बवंडर के बीच अध्यक्ष के एक इशारे पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने पूरी दृढ़ता के साथ विधेयक को पटल पर रख दिया। अब एक तरफ विरोध की तीखी चीखें तैर रही थीं, तो दूसरी तरफ सत्तापक्ष के सदस्य फौलादी जोश के साथ मेजें थपथपाते हुए *भारत माता की जय* और *जय श्रीराम* के गगनभेदी जयघोष कर रहे थे।

> एक तरफ विरोध की तीखी चीखें तैर रही थीं, तो दूसरी तरफ सत्तापक्ष के सदस्य फौलादी जोश के साथ मेजें थपथपाते हुए *भारत माता की जय* और *जय श्रीराम* के गगनभेदी जयघोष कर रहे थे। इसी अद्भुत माहौल के बीच विधेयक पर मुहर लग गई।
>
> सरकार ने साफ लफ्जों में ऐलान कर दिया है कि अब असम की धरती पर सदियों पुरानी बहुविवाह यानी एक से अधिक शादी करने की कुप्रथा के लिए कोई जगह नहीं होगी।
>
> आधुनिकता के नाम पर पनपने वाले नए दौर के रिश्तों यानी लिव-इन रिलेशनशिप की बेलगाम रफ्तार पर भी कानून की नकेल कस दी गई है। अब ऐसे जोड़ों को अपने रिश्ते का सरकारी पंजीकरण कराना ही होगा और अगर किसी ने इस नियम को ठेंगा दिखाने की जुर्रत की, तो उसे सीधे तीन महीने की जेल की हवा खानी पड़ेगी।

इसी अद्भुत माहौल के बीच विधेयक पर मुहर लग गई। ऊपरी तौर पर देखने वालों के लिए भले ही यह महज कागजों पर लिखा एक सरकारी दस्तावेज हो, लेकिन इसकी परतों के भीतर समाज की पुरानी रूढ़ियों को भस्म करने वाले कई कड़े और क्रांतिकारी सुधारात्मक प्रावधान छिपे हैं। सरकार ने साफ लफ्जों में ऐलान कर दिया है कि अब असम की धरती पर सदियों पुरानी बहुविवाह यानी एक से अधिक शादी करने की कुप्रथा के लिए कोई जगह नहीं होगी।

जो भी इस सामाजिक अपराध का दोषी पाया जाएगा, उसे पूरे सात साल तक सलाखों के पीछे चक्की पीसनी होगी। इतना ही नहीं, आधुनिकता के नाम पर पनपने वाले नए दौर के रिश्तों यानी लिव-इन रिलेशनशिप की बेलगाम रफ्तार पर भी कानून की नकेल कस दी गई है। अब ऐसे जोड़ों को अपने रिश्ते का सरकारी पंजीकरण कराना ही होगा और अगर किसी ने इस नियम को ठेंगा दिखाने की जुर्रत की, तो उसे सीधे तीन महीने की जेल की हवा खानी पड़ेगी।

सरकार का इरादा बिल्कुल साफ और फौलादी है कि आधी आबादी यानी महिलाओं के अधिकारों और उनके सम्मान की रक्षा के लिए ये कदम बेहद जरूरी थे।

इस ऐतिहासिक और साहसिक कदम के साथ ही असम ने देश के राजनीतिक मानचित्र पर एक ऐसी लंबी लकीर खींच दी है, जिसे पार करना विरोधियों के लिए टेढ़ी खीर साबित होगा। उत्तराखंड और गुजरात के पदचिह्नों पर चलते हुए असम देश का वो तीसरा सूरमा सूबा बन गया है, जिसने अपनी चुनी हुई विधानसभा के दम पर इस आधुनिक यूसीसी कानून को हरी झंडी दिखाई है।

कहने को तो लोग गोवा का उदाहरण भी देते हैं, लेकिन वहां का कानून देश की आजादी से पहले के पुर्तगाली औपनिवेशिक शासन की दी हुई पुरानी विरासत है। इस लिहाज से देखा जाए तो असम का यह ताजा फैसला पूरी तरह से भारतीय लोकतांत्रिक चेतना और संप्रभुता से उपजा एक युग परिवर्तकारी बदलाव है। यह ऐतिहासिक दिन असम की सियासत और सामाजिक ताने-बाने को एक ऐसे मोड़ पर ले आया है, जिसकी गूंज आने वाले लंबे समय तक देश की राजनीति के गलियारों में पूरी धमक के साथ धड़कती रहेगी।

# हिमंत का तीखा वार और विपक्ष का चित्कार

**अब सबके लिए सिर्फ और सिर्फ देश का कानून ही सर्वोपरि होगा। हालांकि सरकार ने असम के असली माटी-पुत्रों अनुसूचित जनजाति (एसटी) के भाई-बहनों की सदियों पुरानी सतरंगी परंपराओं का पूरा आदर करते हुए उन्हें इस कानून के झंझट से एकदम दूर और आजाद रखा है।**

असम विधानसभा का गलियारा 27 मई महज कोई सूनी-सूनी सरकारी इमारत नहीं लग रहा था, बल्कि यह तो एक ऐसा सियासी अखाड़ा बन चुका था, जहां राजनीति के दो धुरंधर सूरमा आमने-सामने ताल ठोक रहे थे। जैसे ही समान नागरिक संहिता (यूसीसी) असम विधेयक-2026 को पटल पर उतारा गया, वैसे ही पूरे सदन का पारा ऐसा चढ़ा कि थर्मामीटर भी शर्मा जाए।

पूरे पांच घंटे से भी अधिक समय तक लोकतंत्र के इस रंगमंच पर वैधानिक महाभारत चली, जहां शब्दों के तीखे बाण छूटे, मेजों की ऐसी धड़ाधड़ थाप गूंजी कि पूरा सदन थर्रा उठा और आखिरकार विपक्ष के हंगामे वाले चक्रव्यूह की धज्जियां उड़ाते हुए इस ऐतिहासिक विधेयक को ध्वनिमत से पारित करा ही लिया गया।

विधानसभा अध्यक्ष रंजीत कुमार दास ने जैसे ही इस पर अपनी अंतिम मुहर लगाई, असम के इतिहास में एक ऐसा कड़क और चमचमाता स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया जिसने सामाजिक समरसता की बिल्कुल नई और ताजा परिभाषा लिख दी है।

अब असम की इस खूबसूरत माटी पर शादी-ब्याह, तलाक, जायदाद का हिस्सा और आजकल के नौजवानों के लिव-इन रिलेशनशिप जैसे नितांत निजी मामलों से मजहब और जाति की पुरानी बेड़ियां हमेशा के लिए टूटकर बिखर जाएंगी।

अब सबके लिए सिर्फ और सिर्फ देश का कानून ही सर्वोपरि होगा। हालांकि सरकार ने असम के असली माटी-पुत्रों अनुसूचित जनजाति (एसटी) के भाई-बहनों की सदियों पुरानी सतरंगी परंपराओं का पूरा आदर करते हुए उन्हें इस कानून के झंझट से एकदम दूर और आजाद रखा है। इस पूरे सियासी दंगल के असली जादूगर और सूबे के धाकड़ मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा एक अलग ही रौद्र और चुलबुले मूड में दांवपेंच खेल रहे थे। उन्होंने विपक्ष, खासकर कांग्रेस की दुखती रग पर ऐसा अंगूठा दबाया कि विरोधी खेमे में मानों मिर्ची लग गई। मुख्यमंत्री ने पूरे रौब में गरजते हुए कहा कि यह कानून किसी धर्म-वर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि हर नागरिक को उसका असली हक और इंसाफ दिलाने की एक पवित्र दवा है।

उन्होंने चुनाव के दिनों की हुंकार याद दिलाते हुए सीना ठोककर कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने जनता की अदालत में जो कसम खाई थी, उसे 16वीं विधानसभा के बिल्कुल पहले ही सत्र में प्रचंड बहुमत के जोर पर पूरा करके दिखा दिया है। हिमंत के तीखे और रसीले बयानों ने कांग्रेस के पंथनिरपेक्षता वाले मुखौटे को तार-तार कर दिया।

उन्होंने तो सीधे-सीधे कह दिया कि आज की कांग्रेस देश की नहीं बल्कि सिर्फ एक विशेष समुदाय की वकालत करने वाली सीमित संस्था बन चुकी है, तभी तो वे पूरे समाज के भले को भूलकर सिर्फ कुरान और शरिया की दुहाई देकर इस प्रगतिशील कानून के आगे रोड़े अटका रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने पूरे रौब में गरजते हुए कहा कि यह कानून किसी धर्म-वर्म के खिलाफ नहीं है, बल्कि हर नागरिक को उसका असली हक और इंसाफ दिलाने की एक पवित्र दवा है।




उन्होंने इतिहास की धूल झाड़ते हुए कांग्रेस को ऐसा आईना दिखाया कि सब देखते रह गए, याद दिलाया कि जिस यूसीसी का सपना कभी 1925 में खुद कांग्रेस और 1937 में चाचा नेहरू ने देखा था, आज वोट बैंक के चश्मे के चक्कर में वे उसी से मुंह चुरा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि उत्तराखंड और गुजरात के बाद अब असम देश का वो तीसरा शेर राज्य बन गया है, जो अपनी चुनी हुई सरकार के दम पर इस ऐतिहासिक संहिता का शंखनाद कर रहा है। वैसे इस पूरे कानून का सबसे मजेदार, जादुई और भावनात्मक मोड़ आदिवासियों को दी गई विशेष छूट रही, जिसे मुख्यमंत्री ने बड़े ही जिंदादिल और अनोखे अंदाज में पेश किया। उन्होंने सीधे सपाट शब्दों में कहा कि संविधान का अनुच्छेद 44 इस बड़े बदलाव की आत्मा है और सीधी-सी बात है कि दवा भी सिर्फ उसी को दी जाती है जो बीमार हो।

हमारा आदिवासी समाज तो सदियों से व्यावहारिक रूप से खुद ही यूसीसी को जी रहा है। उनके यहां न तो एक से ज्यादा शादी का कोई कलंक है, न बेटियों के अधिकारों पर कोई रूपांतरण होती है और न ही वहां लिव-इन रिलेशनशिप जैसी पाश्चात्य संस्कृति की हवा लगी है। तो भला जो समाज पहले से ही इतना अनुशासित और संस्कारी है, उसे किसी नए बंधन में बांधने की क्या तुक है?

सरकार का असली इरादा तो समाज के उन अंधेरे कोनों में मशाल जलाना है, जहां विसंगतियां छिपी हैं। मुख्यमंत्री ने साफ कर दिया कि सूबे में विकास की द्रुतगामी रेल थमेगी नहीं। स्कूल, अस्पताल, चकाचक सड़कें और पुल भी धड़ाधड़ बनेंगे और साथ ही साथ महिलाओं को न्याय दिलाने के लिए यूसीसी का डंडा भी पूरी कड़ाई से घूमेगा, ताकि लिव-इन रिलेशनशिप के मायाजाल में फंसने वाले मासूम बच्चों को समाज में उनका पूरा हक और कानूनी पहचान मिल सके।

सदन के भीतर चल रहे इस जबरदस्त महामंथन में कुल 38 सियासी सूरमाओं ने अपनी-अपनी वाकपटुता के कड़क जौहर दिखाए। सत्तापक्ष के लड़ाकों ने तो इस विधेयक को आधी आबादी का मसीहा बताते हुए आसमान ही सिर पर उठा लिया। जहां भाजपा के युवा नेता दिप्लु रंजन शर्मा ने इसे हिमंत सरकार की फौलादी इच्छाशक्ति का जीता-जागता सबूत करार दिया, वहीं पीयूष हजारिका ने विपक्ष के हर एक तीर को अपनी ढाल से कुंद करते हुए साफ किया कि यह कानून किसी की पूजा-पद्धति पर चोट नहीं मारता, बल्कि हमारी माताओं-बहनों को संपत्ति में बराबर का हिस्सेदार बनाकर उन्हें असीमित शक्ति देता है।

असम गण परिषद (अगप) के पृथ्वीराज राभा ने इसे सूबे की बदलती जनसांख्यिकीय को नियंत्रित करने वाला अचूक ब्रह्मास्त्र बताया, तो वहीं बोड़ोलैंड पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) के रबीराम नरज़ारी ने आदिवासियों की आन-बान और शान की रक्षा के लिए सरकार की तारीफों के पुल बांधते हुए कुछ कानूनी बारीकियों पर और थोड़ी सी स्पष्टता की मांग रख दी।

अब जब सत्तापक्ष की तरफ से इतनी तगड़ी बल्लेबाजी हो रही हो, तो भला विपक्ष कैसे शांत बैठता! उन्होंने इस पूरी कवायद को महज एक सियासी नौटंकी और आम नागरिकों के अधिकारों का सरेआम कत्लेआम घोषित कर दिया। कांग्रेस के वाजेद अली चौधरी ने इसे बहुरंगी असम पर जबरन थोपा गया कानून बताया और तंज कसा कि जब बाल विवाह और बहुविवाह के इलाज के लिए पहले से ही दवाइयां मौजूद थीं, तो सरकार यह नई कड़वी गोली सिर्फ बाढ़, बदहाली और महंगाई जैसे असली और जलते हुए मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने और समाज में ध्रुवीकरण का तड़का लगाने के लिए लाई है।

जाकिर हुसैन सिकदर ने पुराने विधि आयोग की दुहाई देते हुए इसे बेवक्त की शहनाई कह दिया, तो एआईयूडीएफ के मजीबुर रहमान ने इसे अल्पसंख्यकों के हक पर सीधा डाका बताते हुए मुस्लिमों के लिए भी आदिवासियों जैसी विशेष छूट की मांग उठा दी। उधर तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के शेरमन अली अहमद तो इस कानून को सीधे पवित्र कुरान के खिलाफ बताकर गुस्से में ऐसे लाल-पीले हुए कि पैर पटकते हुए सदन का बहिष्कार ही कर गए।

वहीं दूसरी तरफ राइजर दल के अकेले शेर अखिल गोगोई ने लिव-इन रिलेशनशिप के कड़े नियमों को नागरिकों के शयनकक्ष में सरकार की तांक-झांक और नैतिक पहरेदारी की घटिया पटकथा करार दिया।

हंगामे, शोर-शराबे और विरोध के इस भयंकर बवंडर के बीच असम ने अपनी एक बहुत लंबी लकीर खींच दी है और अब देखना बड़ा मजेदार होगा कि यह ऐतिहासिक कानून आने वाले दिनों में असम की राजनीति की हांडी में और कितनी नई चिंगारियों को पकाता है।

# छोटा सत्र, बड़ा इतिहास

असम के विधायी इतिहास में कुछ सत्र अपनी अवधि से नहीं, बल्कि अपने निर्णयों के प्रभाव से नापे जाते हैं। नवगठित 16वीं विधानसभा का पहला सत्र इसका सबसे ताजा और सटीक उदाहरण है। महज पांच दिनों का यह संक्षिप्त सत्र 27 मई को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया, लेकिन इस छोटे से कार्यकाल में सदन ने राज्य की सामाजिक, कानूनी और राजनीतिक दिशा को बदलने वाले कई दूरगामी फैसले लिए। इस संक्षिप्तता के बीच सदन के फैसलों ने देशव्यापी बहस को एक नया मोड़ दे दिया है।

इस नई विधानसभा के सफर की शुरुआत विधायी परंपराओं के अनुरूप हुई। सत्र के पहले दिन कार्यवाहक अध्यक्ष चंद्र मोहन पटवारी ने नवनिर्वाचित विधायकों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया को आगे बढ़ाया। इसके तुरंत बाद सदन ने सर्वसम्मति की एक सुखद मिसाल पेश करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कद्दावर नेता रंजीत कुमार दास को असम विधानसभा का नया अध्यक्ष चुना।सत्र के दूसरे दिन राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य का अभिभाषण हुआ। राज्यपाल ने अपने संबोधन में न केवल राज्य सरकार की भावी प्राथमिकताओं और प्रशासनिक रोडमैप को रेखांकित किया, बल्कि असम के आगामी विकासात्मक एजेंडे की एक स्पष्ट तस्वीर भी सदन के सामने रखी।

इस सत्र की सबसे बड़ी गूंज समान नागरिक संहिता (यूसीसी) असम विधेयक-2026 को मिली हरी झंडी रही। असम सरकार ने इस संवेदनशील और ऐतिहासिक विधेयक को सदन के पटल पर रखकर और इसे पारित कराकर देश के कानूनी सुधारों की बहस में खुद को सबसे आगे खड़ा कर लिया है। यह विधेयक आने वाले समय में राज्य के सामाजिक ताने-बाने और कानूनी एकरूपता पर गहरा असर डालने वाला साबित होगा। वैधानिक बदलावों के साथ-साथ यह सत्र आधी आबादी के हक में उठी एक मजबूत आवाज का गवाह भी बना।

अपनी कार्यवाही के अंतिम दौर में सदन ने दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सर्वसम्मति से एक ऐतिहासिक सरकारी प्रस्ताव पारित किया। असम विधानसभा ने केंद्र सरकार से पुरजोर मांग की है कि देश में आगामी परिसीमन की प्रक्रिया पूरी होते ही संसद और सभी राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए।

कार्यवाही के अंतिम दिन विधानसभा अध्यक्ष ने जब सदन के कामकाज का लेखा-जोखा पेश किया, तो यह साफ हो गया कि यह सत्र सिर्फ औपचारिकताओं तक सीमित नहीं था। महज पांच दिनों के भीतर दो महत्वपूर्ण विधेयकों को मंजूरी देना और महिला आरक्षण पर राष्ट्रीय स्तर का संदेश भेजना, नई विधानसभा की विधायी इच्छाशक्ति को दर्शाता है।

अध्यक्ष ने इस ऐतिहासिक सत्र पर गहरा संतोष व्यक्त करते हुए नई टीम को बधाई दी। भले ही सदन अनिश्चितकाल के लिए स्थगित हो गया हो, लेकिन इन पांच दिनों में लिए गए फैसलों की गूंज असम की राजनीति और समाज में लंबे समय तक सुनाई देगी।

**असम सरकार ने इस संवेदनशील और ऐतिहासिक विधेयक को सदन के पटल पर रखकर और इसे पारित कराकर देश के कानूनी सुधारों की बहस में खुद को सबसे आगे खड़ा कर लिया है।**

# नमस्कार अपर असम

**प्रातः खबर**

बुधवार, 3 जून 2026


**मौसम**

| स्थान | अधिकतम | न्यूनतम |
|---|---|---|
| जोरहाट | 30° | 19° |
| डिब्रुगढ़ | 29° | 17° |
| तिनसुकिया | 30° | 18° |
| शिवसागर | 30° | 19° |

**वरिष्ठ शिक्षक एवं समाजसेवी योगेश्वर बोरा का निधन**

खबर संवाददाता

**जोरहाट, 2 जून।** असम वरिष्ठ नागरिक सम्मेलन के अंतर्गत जोरहाट वरिष्ठ नागरिक फोरम के सबसे उम्रदराज सदस्य, अरुणाचल प्रदेश के राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षक योगेश्वर बोरा का आज 94 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उन्होंने जोरहाट के निरामय अस्पताल में सुबह 11:15 बजे अंतिम सांस ली। श्री बोरा फरकाटिंग कॉलेज, जोरहाट डीसीबी कॉलेज, प्रेरणा प्रतिबंधी शिशु विद्यालय, जोरहाट चुकाफा भवन तथा महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव कला शोध केंद्र के आजीवन सदस्य थे। वे विभिन्न सामाजिक संस्थाओं से गहराई से जुड़े हुए थे। उनके निधन पर विभिन्न संगठनों और व्यक्तियों ने शोक व्यक्त किया है।


Ph. : 2548109
2730431
L. GOPAL JEWELLERS
9-11-14, Kuber A.C. Market
Guwahati - 781001
शुद्ध चांदी के बर्तनों एवं शुद्ध चांदी की सिल्ली व चांदी के सिक्कों का एकमात्र विश्वसनीय प्रतिष्ठान
22/22 KDM Gold Jewellery, Hallmark Gold Jewellery Branded Diamond Jewellery, Platinum & Silver Utensils & Articles

0361-2601385
9678211156
D. M. Jeweller's
(As You Like We are)
7/8 (L) Akram's Business
Fancy Bazar, Guwahati-1
शुद्ध सील चांदी के बर्तन एवं असली सिक्कों का प्रतिष्ठित स्थान
We also deal in 22/22 KDM hallmark Jewelleries


## ड्रग्स विरोधी अभियान में जोरहाट पुलिस की बड़ी बरामदगी

## एक करोड़ की हेरोइन के साथ दो ड्रग पैडलर गिरफ्तार

खबर संवाददाता

**जोरहाट 2 जून।** जोरहाट पुलिस ड्रग्स के अवैध धंधे को लेकर लगातार चौकस और सख्त नजर आ रही है। पुलिस जहां दिनदहाड़े ड्रग्स का धंधा करने वालों को दबोच रही है, वहीं रात के अंधेरे में इस अवैध कारोबार को करने वालों का पीछा भी नहीं छोड़ रही। इस क्रम डीएसपी (मुख्यालय) कर्णव पटवारी और सदर थाना प्रभारी ऋषिकेश हजारिका के नेतृत्व में पुलिस दल ने कल रात लगभग डेढ़ बजे संदिग्ध हेरोइन की बड़ी खेप जब्त की। पलसर बाइक (एएस-05-एन-0929) पर सवार दो युवक मेरापानी से मादक पदार्थ की यह खेप लेकर आ रहे थे। खुफिया इनपुट के आधार पर पुलिस ने इन्हें चोलाधारा चारिआली (टीआरपी तोड़) पर रोका। इनके पास से पुलिस ने 17 डिब्बियों में भरकर रखी गई लगभग 200 ग्राम संदिग्ध हेरोइन बरामद की है। बीते महीनों में ड्रग्स

विरोधी अभियान के दौरान पुलिस के लिए यह सबसे बड़ी बरामदगी है। आरोपियों की पहचान देरगांव निवासी शमीम अख्तर और नाजिम अहमद के रूप में हुई है। इनके पास से बरामद माल की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत लगभग एक करोड़ रुपए बताई जा रही है। पुलिस ने मादक पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की विभिन धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक शुभ्रज्योति बोरा की सरपरस्ती में जोरहाट पुलिस लगातार ड्रग्स के खिलाफ अभियान चला रही है। इस दौरान पुलिस ने ड्रग्स का बड़ा जखीरा जब्त किया है, जिसमें कई किस्मों के मादक पदार्थ शामिल हैं। अभिजात श्रेणी से लेकर निचले तबके तक ड्रग्स की यह लत जोरहाट में भी जोर पकड़ चुकी है। अपने हिसाब और बजट से यह लतखोर नशा तय करते है और फिर मस्त हो जाते है। इनकी मांग को देखते हुए ड्रग्स का धंधा करने वालों की संख्या भी बढ़ी है। पुलिस की कड़ी निगरानी और लगातार अभियान के बावजूद यह धंधेबाज खतरा उठाने को तैयार है, चूंकि कमाई भी मोटी होती है। ड्रग्स सेवन के इस बढ़ते ट्रेंड पर डीसीपी कर्णव पटवारी का कहना है कि नशा करने वाले जब तक नशे से तौबा नहीं करेंगे, पुलिस हाथ पर हाथ धरे नहीं बैठेगी और अभियान जारी रहेगा।

## जोनाई प्रेस क्लब का बारहवां अधिवेशन एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ सफलतापूर्वक संपन्न

### हरेन सारोह अध्यक्ष और कोरबी दोले बनी महासचिव

खबर संवाददाता,

जोनाई, 2 जून। जोनाई प्रेस क्लब का 12 वां अधिवेशन विभिन्न कार्यक्रमों के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। सुबह सबसे पहले वृक्षारोपण, शहीदों को स्मृति तर्पण, प्रतिनिधि सभा जिसमें नई समिति का गठन हुआ उसके बाद खुली सभा हुई जिसमें स्कूल, कॉलेजों के अध्यक्ष व प्रोफेसर, बुद्धिजीवी ,लेखक व विभिन्न छात्र संगठनों के नेता शामिल हुए। जोनाई के विधायक भुवन पेगू भी इसमें शामिल हुए। उक्त अवसर पर जीवन पर्यंत साधना, विशिष्ट पत्रकार व मेधावी छात्र छात्राओं को सम्मानित किया गया। प्रतिनिधि सभा में एक नई समिति का गठन किया गया जिसमें रोयल पेगु व विजय बोरी ( ) सलाहकार व हरेन सारोह अध्यक्ष, प्रफुल्ल कमान उपाध्यक्ष, कोरबी दोले महासचिव, अमित कुबांग सहसचिव, अशोक पारीक कोषाध्यक्ष, भास्कर ज्योति तायुंग आलोचनी सचिव, अजय मेदक कार्यालय सचिव, व देबेन तायुंग, मनोज कुमार प्रजापति, गौतम पेगू, अनुज कुमार प्रजापति, प्रानजीत दोले, दिगंतो पेगू,धीराज मिरी,सूरज कुमार पांडेय, सत्य हजारिका, राहुल दोले, गौतम बसुमतारी को लेकर एक कमिटी का गठन किया गया।

## विभिन्न संस्थाओ ने किया नवनिर्वाचित विधायक पुलक गोहाई का भव्य अभिनंदन

खबर संवाददाता

**तिनसुकिया, 2 जून।** तिनसुकिया पूजा मंदिर परिसर में आज एक विशेष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया।जहाँ तिनसुकिया के नवनिर्वाचित विधायक पुलक गोहाई का विभिन्न सामाजिक,सांस्कृतिक एवं जनहितैषी संस्थाओं द्वारा भव्य अभिनंदन किया गया।इस अवसर पर बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिकों,संस्थाओं के पदाधिकारियों एवं स्थानीय लोगों की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की। तिनसुकिया पूजा मंदिर समिति के अध्यक्ष नगेन बरदोलोई की अध्यक्षता में आयोजित अभिनंदन समारोह में विधायक पुलक गोहाई को विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियो द्वारा असमिया फुलाम गमछा एवं अभिनंदन पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया।जिसमे तिनसुकिया पूजा मंदिर समिति,बरपथार मातृ मंदिर जनकल्याण समिति,गोलापचंद्र रबीचंद्र पूजा मंदिर,चलिहा-बारदोलोई नगर नागरिक संस्था,चलिहा-बारदोलोई नगर बिहू सम्मेलन, बाजलतोली काली मंदिर,उन्नयन महिला समिति, तिनसुकिया,उत्तर पूर्व उद्यमी महिला संघ,कृषि उद्यान समिति,लेखिका समारोह समिति,तिनसुकिया जिला महिला समिति,ताई सांस्कृतिक अनुसंधान और विकास केंद्र,पार्वतीया शंकरधाम नामघर,समन्वय संघ सहित अन्य संस्थाओं के प्रतिनिधियो द्वारा विधायक पुलक गोहाई अभिनंदन किया गया। इस समारोह में समाज सेवक मनोज बोरा,पार्षद अशोक अग्रवाल,परिवेश सुरक्षा समिति के जिला अध्यक्ष जीवन दत्त सहित बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति एवं वरिष्ठ नागरिक उपस्थित थेसभी वक्ताओं ने विधायक को शुभकामनाएं देते हुए तिनसुकिया के सर्वांगीण विकास एवं जनकल्याण के क्षेत्र में उनके सफल नेतृत्व की कामना की।वही तिनसुकिया शहर के विभिन्न समस्याओं जैसे जर्जर सड़क,कृतिम बाढ़ की समस्या सहित अन्य समस्याओं के संदर्भ में उन्हे अवगत कराया गया।साथ ही इन समस्याओं के समाधन करने का आह्वान किया गया। इस दौरान अपने संबोधन में विधायक पुलक गोहाई ने भव्य स्वागत एवं अभिनंदन हेतू सभी संस्थाओं एवं नागरिकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वे तिनसुकिया की जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरने तथा क्षेत्र के विकास को नई गति देने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।उन्होंने सभी वर्गों के सहयोग से एक विकसित एवं समृद्ध तिनसुकिया के निर्माण का संकल्प भी दोहराया। सौहार्दपूर्ण वातावरण में संपन्न हुए इस समारोह में विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों तथा सामाजिक कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

## मोरान नगर की खराब स्ट्रीट लाइटों की शीघ्र मरम्मत की मांग

संवाददाता

**मोरानहाट, 2 जून।** मोरान नगर के विभिन्न क्षेत्रों में स्थापित उच्च क्षमता वाली स्ट्रीट लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं, जिससे आम लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस समस्या को लेकर मोरान आंचलिक छात्र संस्था (आसू) ने गहरी चिंता व्यक्त करते हुए खराब स्ट्रीट लाइटों को अविलंब चालू करने की मांग की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोरान नगरपालिका द्वारा नगर के सात महत्वपूर्ण स्थानों पर उच्च क्षमता वाली स्ट्रीट लाइटें लगाई गई थीं। हालांकि, इनमें से कई लाइटें लंबे समय से खराब पड़ी हैं। इसके कारण रात के समय राहगीरों, वाहन चालकों तथा व्यापारिक प्रतिष्ठानों को विभिन्न समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि अंधेरे का लाभ उठाकर कुछ असामाजिक तत्व गतिविधियों को अंजाम दे रहे हैं, वहीं छोटी-बड़ी दुर्घटनाओं की घटनाएं भी बढ़ी हैं। इसी संदर्भ में मंगलवार को मोरान आंचलिक छात्र संघ के अध्यक्ष शैल्य बड़ा और महासचिव सौरभ गोगोई के हस्ताक्षरयुक्त एक ज्ञापन महमरा सह-जिला आयुक्त तथा मोरान नगरपालिका के अध्यक्ष को अलग-अलग सौंपा गया। ज्ञापन में संगठन ने खराब स्ट्रीट लाइटों की शीघ्र मरम्मत कर उन्हें पुनः कार्यशील बनाने की मांग की है। छात्र संस्था ने चेतावनी दी है कि यदि संबंधित अधिकारी जल्द आवश्यक कदम नहीं उठाते हैं, तो संगठन स्थानीय जनता के सहयोग से व्यापक लोकतांत्रिक आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होगा। यह जानकारी संगठन की ओर से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में दी गई है।

## मोरान में होटल, रेस्तरां और ढाबों पर छापेमारी, भारी मात्रा में शराब और नशीले पदार्थ बरामद

**मोरानहाट, 2 जून (सं)।** अवैध शराब बिक्री और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ प्रशासन और पुलिस ने मोरान क्षेत्र में संयुक्त रूप से विशेष अभियान चलाया। अभियान के दौरान कई होटल, रेस्तरां और ढाबों में तलाशी ली गई, जहां से बड़ी मात्रा में शराब और अन्य नशीले पदार्थ बरामद किए गए। प्रशासन को लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि क्षेत्र के कुछ होटल, रेस्तरां और ढाबों में बिना वैध लाइसेंस या अनुमति के भारतीय निर्मित विदेशी मदिरा () की बिक्री और सेवन कराया जा रहा है। शिकायतों के आधार पर प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरू की। छापेमारी के दौरान कई प्रतिष्ठानों में लोगों को शराब का सेवन करते हुए पाया गया। तलाशी के दौरान भारी मात्रा में शराब और अन्य मादक पदार्थ भी जब्त किए गए। प्रशासन का कहना है कि इस तरह की अवैध गतिविधियों के कारण क्षेत्र में असामाजिक घटनाओं और सड़क दुर्घटनाओं में वृद्धि हो रही है, जिसे रोकने के लिए यह अभियान चलाया गया। यह अभियान मोरान राजस्व चक्राधिकारी अंकुरज्योति फुकन के नेतृत्व में संचालित किया गया। अभियान में टिंगखांग समजिला पुलिस अधिक्षक ब्रादन दैमरी, मोरान थाना प्रभारी दांतेजीत देउरी, उपनिरीक्षक मानस ज्योति पाठक तथा बाबली खनिकर सहित अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि आने वाले दिनों में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे। जब्त किए गए सामान और मामले से संबंधित विवरण आबकारी विभाग को भेजे जाएंगे तथा असम आबकारी नियमों के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मोरान में अवैध शराब कारोबार और असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ चलाए गए इस अभियान को लेकर क्षेत्रभर में व्यापक प्रतिक्रिया देखने को मिल रही है।

## जोरहाट पुलिस ने सौंपे 23 खोये मोबाइल फोन

खबर संवाददाता

**जोरहाट 2 जून।** जोरहाट पुलिस ने उल्लेखनीय सफलता हासिल करते हुए 23 खोए हुए मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस द्वारा बरामद किए गए सभी मोबाइल फोन उनके वास्तविक मालिकों को सत्यापन के बाद वापस सौंप दिए गए। पुलिस के अनुसार यह अभियान जनता के खोए हुए सामान को सुरक्षित वापस दिलाने और मोबाइल चोरी जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। मोबाइल फोन वापस मिलने पर लाभार्थियों ने जोरहाट पुलिस के प्रयासों की सराहना करते हुए आभार व्यक्त किया। जोरहाट पुलिस ने नागरिकों से अपील की है कि मोबाइल फोन खोने या चोरी होने की स्थिति में तुरंत नजदीकी पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराएं तथा पोर्टल पर फोन की जानकारी अपलोड करें, ताकि उसकी ट्रैकिंग और रिकवरी में मदद मिल सके। इस कार्रवाई को पुलिस और जनता के बीच विश्वास को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। पुलिस ने भविष्य में भी ऐसे अभियान जारी रखने की बात कही है।

## जेल रोड और न-आली रेल क्रॉसिंग विवाद का समाधान

### विधायक धीराज ग्वाला ने दिया आश्वासन, बनेगा रेल अंडर पास

खबर सवांददाता

**जोरहाट/तिताबर, 2 जून।** जोरहाट के जेल रोड और न-आली को जोड़ने वाले रेल क्रॉसिंग को लेकर जारी विवाद का आज सुखद पटाक्षेप हो गया। तिताबर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत इस महत्वपूर्ण रास्ते को रेलवे द्वारा बंद कर दिए जाने के बाद आज स्थानीय लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। इस बीच जनता की पीड़ा को समझने और समाधान तलाशने के लिए इलाके के विधायक धीराज ग्वाला मौके पर पहुंचे। विधायक ने लोगों से बातचीत की और समाधान का फॉर्मूला पेश किया, जिसके बाद पूरा इलाका उनकी जिंदाबाद के नारों से गूंज उठा। तय फार्मूले के तहत अब यहां रेल अंडर पास (आरयूबी) बनाया जाएगा, जिससे होकर इलाके के लोग आवागमन कर पाएंगे। विधायक ने कहा कि आवागमन के दृष्टिकोण से यह एक अहम मार्ग है। हाबीचुक कमलाबड़िया पथ इतना पुराना है कि जब यह पटरियां नहीं बिछी थी, तब भी इसका अस्तित्व था। उन्होंने कहा कि वे खुद भी इसी मार्ग का उपयोग करते है। रोजाना हजारों छात्र यहां से गुजरते है। जोरहाट मेडिकल कॉलेज की निकटता के चलते रोगियों के लिए यह एक अहम गलियारा है, जिससे होकर वे अस्पताल पहुंच पाते है। ऐसे में मार्ग को बंद करना व्यावहारिक नहीं है। ऐसे में अंडर पास का विकल्प सबसे मुफीद है। मालूम हो कि रेलवे अंडरपास एक ज़मीनी सुरंग होती है, जो रेलवे ट्रैक के ठीक नीचे से बनाई जाती है। इसका मुख्य उद्देश्य बाइक, साइकिल या पैदल यात्रियों को पटरियों के पार सुरक्षित और निर्बाध रूप से निकालना है, जिससे ट्रेन के गुजरने के दौरान होने वाले हादसों और जाम को पूरी तरह रोका जा सके। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने हाल ही में देश भर में ऐसे भूमिगत मार्ग बनाए जाने के निर्देश दिए है। यह भूमिगत मार्ग उन स्थानों पर बनाए जाएंगे, जहां पटरियों के एक तरफ आवासीय बस्ती और दूसरी तरफ स्कूल, अस्पताल, खेत या अन्य आवश्यक सुविधाएं है। ऐसे में विधायक ने अंडर पास का विकल्प देकर रेलवे और प्रशासन दोनों को धर्मसंकट से बचा लिया। जिला आयुक्त जय शिवानी से इस संबंध में चर्चा कर उन्होंने योजना पर अमल की बात कही। उन्होंने कहा कि अभी सरकार बनी ही है और मंत्रीपरिषद का भी पूरी तरह गठन नहीं हुआ। ऐसे में योजना के लिए बजट एवं अन्य प्रक्रियाओं में थोड़ा समय लग सकता है, लेकिन इस काम को जल्द से जल्द पूरा किया जाएगा। विधायक के इस प्रस्ताव पर स्थानीय लोगों ने भी खुशी जताई। उन्होंने कहा कि फाटकविहीन रेल क्रॉसिंग कोई नहीं चाहता, लेकिन इसके चलते रास्ता बंद करना सही नहीं है। असम जातीयतावादी युवा छात्र परिषद की जोरहाट जिला समिति ने भी इस पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि लोगों की आवाजाही सुगम बनी रहे, यह सुनिश्चित करना ही परिषद की प्राथमिकता थी। उल्लेखनीय है कि अजायुछाप ने स्थानीय लोगों के विरोध को आवाज देने में बड़ी भूमिका निभाई थी। इस संबंध में रेल मंत्री को ज्ञापन भी भेजा गया।

# मंत्री पद को लेकर मार्घेरिटा में बढ़ी उम्मीदें, भास्कर शर्मा के नाम की चर्चा तेज

संवाददाता

**जागुन, 2 जून।** असम सरकार के संभावित मंत्रिमंडल विस्तार को लेकर पूरे राज्य में राजनीतिक चर्चाओं का दौर तेज हो गया है। आगामी 5 जून को प्रस्तावित मंत्रिमंडल विस्तार से पहले तिनसुकिया जिले के मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र में भी राजनीतिक सरगर्मियां चरम पर पहुंच गई हैं। स्थानीय मतदाताओं, भाजपा के वरिष्ठ नेताओं, पदाधिकारियों तथा बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं के बीच इन दिनों एक ही चर्चा प्रमुखता से सुनाई दे रही हैक्या इस बार मार्घेरिटा के विधायक भास्कर शर्मा को राज्य मंत्रिमंडल में स्थान मिलेगा? क्षेत्र के राजनीतिक गलियारों से लेकर चाय की दुकानों, बाजारों, राशन की दुकानों और गांवों तक इस विषय पर व्यापक चर्चा हो रही है। स्थानीय लोगों का मानना है कि मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र का राजनीतिक इतिहास स्वयं इस बात का साक्षी है कि यहां से निर्वाचित प्रतिनिधियों ने राज्य की राजनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसे में इस बार भी क्षेत्र को मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए। मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र के गठन के बाद हुए पहले विधानसभा चुनाव में जनता दल के उम्मीदवार कुल बहादुर क्षेत्री विजयी हुए थे। राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार उन्हें तत्कालीन सरकार में मंत्री पद भी मिला था। इसके बाद भी वे लंबे समय तक क्षेत्र की राजनीति में सक्रिय रहे और जनता के बीच प्रभावशाली नेता के रूप में अपनी पहचान बनाए रखी। वर्ष 1996 में इस सीट से कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे तरुण गोगोई ने आगे चलकर राज्य की राजनीति में इतिहास रचा। वर्ष 2001 में वे असम के मुख्यमंत्री बने और लगातार पंद्रह वर्षों तक राज्य का नेतृत्व किया। उनके कार्यकाल में मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र को राज्य की राजनीति में विशेष महत्व प्राप्त रहा। इसके बाद वर्ष 2001 से 2016 तक इस सीट का प्रतिनिधित्व करने वाले कांग्रेस नेता प्रद्युत बरदलै भी लगातार तीन कार्यकाल तक राज्य सरकार के महत्वपूर्ण विभागों के मंत्री रहे। इस प्रकार मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र ने राज्य को मुख्यमंत्री और कई प्रभावशाली मंत्री दिए हैं। राजनीतिक पर्यवेक्षकों का मानना है कि इस ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के कारण आज भी क्षेत्र के लोगों की अपेक्षा रहती है कि मार्घेरिटा को राज्य मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व मिले। भाजपा कार्यकर्ताओं का तर्क है कि जिस सीट ने अतीत में राज्य को मुख्यमंत्री और मंत्री दिए हों, उस सीट की अनदेखी नहीं की जानी चाहिए। वर्ष 2016 में भाजपा नेता भास्कर शर्मा ने कांग्रेस के मजबूत गढ़ माने जाने वाले मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र में बड़ा राजनीतिक बदलाव लाया था। उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रद्युत बरदलै को पराजित कर पहली बार इस सीट को भाजपा की झोली में डाला। इसके बाद लगातार चुनावी सफलताओं के माध्यम से उन्होंने क्षेत्र में अपनी मजबूत राजनीतिक पकड़ बनाए रखी है। भाजपा कार्यकर्ताओं का कहना है कि संगठन को मजबूत करने, पार्टी के विस्तार तथा जनता के बीच निरंतर सक्रिय रहने के कारण भास्कर शर्मा ने क्षेत्र में अपनी अलग पहचान बनाई है। स्थानीय लोगों का मानना है कि भाजपा को लगातार समर्थन देने वाले इस विधानसभा क्षेत्र की जनता अब विकास और राजनीतिक प्रतिनिधित्व के रूप में अपने समर्थन का प्रतिफल देखना चाहती है। कई लोगों का कहना है कि यदि इस बार भी मार्घेरिटा को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं मिलता है तो इसका राजनीतिक संदेश दूरगामी हो सकता है। मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र केवल राजनीतिक दृष्टि से ही महत्वपूर्ण नहीं है, बल्कि आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से भी इसकी विशेष पहचान है। कोयला नगरी के नाम से प्रसिद्ध यह क्षेत्र लंबे समय तक कोयला उद्योग का प्रमुख केंद्र रहा है। लीडू, टीपौंग और बरगोलाई जैसे इलाके मुख्य रूप से कोयला उद्योग पर निर्भर रहे हैं। इन क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था दशकों तक कोयला खदानों, परिवहन, श्रम और उससे जुड़े छोटे-बड़े व्यवसायों के इर्द-गिर्द घूमती रही है। हालांकि पिछले कई वर्षों में कोल इंडिया की विभिन्न परियोजनाओं के बंद होने तथा कई खदानों में गतिविधियां सीमित होने के कारण क्षेत्र में बेरोजगारी की समस्या गंभीर रूप धारण कर चुकी है। स्थानीय व्यापारियों का कहना है कि खदानों के बंद होने का असर केवल मजदूरों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि परिवहन, खुदरा व्यापार, होटल व्यवसाय और अन्य सेवाओं से जुड़े हजारों परिवार भी प्रभावित हुए हैं। रोजगार के अवसरों में कमी के कारण बड़ी संख्या में युवाओं को अन्य शहरों की ओर पलायन करना पड़ रहा है। दूसरी ओर क्षेत्र के कई ग्रामीण इलाके कृषि आधारित अर्थव्यवस्था पर निर्भर हैं। किसानों का कहना है कि कृषि उत्पादों के लिए प्रभावी बाजार व्यवस्था तथा न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) जैसी सुविधाओं के अभाव में उन्हें उचित लाभ नहीं मिल पा रहा है। परिणामस्वरूप ग्रामीण अर्थव्यवस्था भी अपेक्षित गति से आगे नहीं बढ़ पा रही है। भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता तथा संगठन के संघर्षकाल से जुड़े रहे नेता रामराज जायसवाल के पुत्र सुनील जायसवाल का कहना है कि मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि यदि राज्य सरकार इस क्षेत्र की प्राकृतिक, ऐतिहासिक और औद्योगिक विरासत को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करे तो यह क्षेत्र असम के प्रमुख पर्यटन और औद्योगिक केंद्रों में शामिल हो सकता है। जायसवाल के अनुसार लीडू स्थित ऐतिहासिक स्टिलवेल रोड, टीपौंग और लीडू की बंद पड़ी कोयला खदानें, पटकाई पर्वतमाला की मनमोहक प्राकृतिक सुंदरता, ब्रिटिश शासनकाल के दौरान निर्मित ऐतिहासिक ढांचे तथा क्षेत्र में मौजूद अन्य पुरातात्विक और सांस्कृतिक धरोहरें पर्यटन के बड़े आकर्षण बन सकती हैं। उन्होंने कहा कि देश-विदेश से आने वाले पर्यटकों के लिए यह क्षेत्र एक विशिष्ट गंतव्य बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने यह भी कहा कि यदि मार्घेरिटा को उद्योग, पर्यटन अथवा किसी अन्य महत्वपूर्ण विभाग के माध्यम से प्रभावी प्रतिनिधित्व प्राप्त होता है, तो यहां रोजगार सृजन, आधारभूत संरचना विकास और पर्यटन उद्योग को नई दिशा मिल सकती है। उनके अनुसार इससे न केवल स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि क्षेत्र की आर्थिक स्थिति में भी व्यापक सुधार आएगा। स्थानीय राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि वर्तमान समय में मार्घेरिटा विधानसभा क्षेत्र विकास के एक महत्वपूर्ण मोड़ पर खड़ा है। एक ओर यहां बेरोजगारी, औद्योगिक गतिविधियों में गिरावट और कृषि क्षेत्र की चुनौतियां हैं, तो दूसरी ओर पर्यटन, उद्योग और व्यापार के क्षेत्र में असीम संभावनाएं भी मौजूद हैं। ऐसे में यदि क्षेत्र को राज्य मंत्रिमंडल में प्रभावी प्रतिनिधित्व मिलता है तो विकास की नई संभावनाओं के द्वार खुल सकते हैं। फिलहाल 5 जून को होने वाले संभावित मंत्रिमंडल विस्तार पर पूरे क्षेत्र की निगाहें टिकी हुई हैं। राजनीतिक चर्चाओं के बीच एक बात स्पष्ट रूप से उभरकर सामने आ रही है कि मार्घेरिटा की जनता और भाजपा कार्यकर्ताओं की बड़ी अपेक्षाएं इस बार विधायक भास्कर शर्मा के नाम से जुड़ी हुई हैं। अब देखना यह होगा कि पार्टी नेतृत्व और राज्य सरकार इन उम्मीदों पर कितना खरा उतरती है और क्या मार्घेरिटा को एक बार फिर असम मंत्रिमंडल में प्रतिनिधित्व प्राप्त होता है।

# डिब्रूगढ़ के महापौर डॉ. सैकत पात्रा ने बढ़ाया विद्यार्थियों का उत्साह

कार्यालय संवाददाता

**डिब्रूगढ़, 2 जून।** डिब्रूगढ़ के श्री अग्रसेन अकादमी द्वारा आयोजित प्रथम श्री अग्रसेन अकादमी मॉडल यूनाइटेड नेशंस समिट का भव्य समापन रविवार को हुआ। दो दिवसीय इस अंतर-विद्यालयीय सम्मेलन के समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में डिब्रूगढ़ म्युनिसिपल बोर्ड के चेयरमैन एवं महापौर डॉ. सैकत पात्र मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। अपने प्रेरणादायी संबोधन में डॉ. सैकत पात्र ने विद्यार्थियों की तार्किक सोच, नेतृत्व क्षमता और वैश्विक मुद्दों पर उनकी समझ की सराहना करते हुए कहा कि मॉडल यूनाइटेड नेशंस जैसे मंच विद्यार्थियों को भविष्य का जिम्मेदार नागरिक और प्रभावशाली नेतृत्वकर्ता बनने की दिशा में तैयार करते हैं। उन्होंने कहा कि आज के युवाओं को केवल अकादमिक शिक्षा

तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि वैश्विक चुनौतियों को समझकर उनके समाधान में भी सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। इस अवसर पर मारवाड़ी एजुकेशन फाउंडेशन के सचिव सीए महाबीर बागड़िया भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन एवं आयोजन समिति को सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि श्री अग्रसेन अकादमी मॉडल यूनाइटेड नेशंस26 ने विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति, संवाद- कौशल और नेतृत्व विकास का उत्कृष्ट अवसर प्रदान किया है। दो दिवसीय सम्मेलन में असम के विभिन्न विद्यालयों से आए 120 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों ने विभिन्न देशों का प्रतिनिधित्व करते हुए वैश्विक मुद्दों पर चर्चा, बहस और प्रस्ताव प्रस्तुत किए। सम्मेलन का उद्देश्य विद्यार्थियों में नेतृत्व, कूटनीति, सहयोग, आलोचनात्मक चिंतन तथा वैश्विक दृष्टिकोण का विकास करना था। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। डॉ. सैकत पात्रा ने विजेताओं को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा ऐसे आयोजनों को शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम बताया। विद्यालय प्रशासन ने बताया कि श्री अग्रसेन अकादमी मॉडल यूनाइटेड नेशंस26 की सफलता भविष्य में इसे और बड़े स्तर पर आयोजित करने की प्रेरणा देगी। कार्यक्रम का सफल आयोजन श्री अग्रसेन अकादमी की समग्र शिक्षा, नेतृत्व विकास और वैश्विक नागरिकता के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाता है। विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं अभिभावकों ने इस पहल की सराहना करते हुए इसे डिब्रूगढ़ के शैक्षणिक क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

## एक करोड़ की कफ सिरप की बोतलें जब्त

**सिलचर, 2 जून (ख.सं)।** उदारबंद पीएस के तहत विश्वसनीय जानकारी के आधार पर दुर्गानगर पीटी-5 (गुराली) में स्थित साहिद अहमद बरभुइयां के गोदाम से कफ सिरप (कोडीन) की 1,420 बोतलें बरामद की गयी। इस संबंध में एक व्यक्ति जिसका नाम अजीजुल हक बरभुइया (54) को गिरफ्तार किया गया। आगे की आवश्यक औपचारिकताओं का पालन किया जा रहा है। सिलचर पीएस के तहत विश्वसनीय स्रोतों के आधार पर सिलचर पीएस के तहत बिलपर में वाहन से कफ सिरप (कोडीन) की 7,200 बोतलें सफलतापूर्वक बरामद की गयी। इसके अलावा सिलचर के श्रीकोना के बिंदुला दास नाम के एक व्यक्ति को भी पकड़ा गया।

## टकेयामारी में कटाव का कहर, स्थानीय जनप्रतिनिधि व अधिकारियों ने लिया जायजा

**कोकराझाड़, 2 जून (ख.सं)।** बाउखुंगरी विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गुमा परिषद क्षेत्र के टकेयामारी 2 नंबर खंड में गरुफेला नदी से हो रहे कटाव से स्थानीय लोग दहशत में हैं। नदी के बढ़ते जलस्तर और कटाव के कारण उपजाऊ भूमि और रिहायशी इलाकों को खतरा पैदा हो गया है। इस समस्या का गंभीरता से संज्ञान लेते हुए स्थानीय बिधायक रूपम चंद्र राय और एनताज अली ने आज प्रभावित क्षेत्र का दौरा किया। उनके साथ जल संसाधन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। मौके पर पहुंचकर उन्होंने स्थिति का जायजा लिया और कटाव की चपेट में आए इलाकों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान स्थानीय निवासियों ने अपनी व्यथा सुनाई और स्थायी समाधान की मांग की। लोगों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए बिधायक रुपम चंद राय ने विभागीय अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से कटाव रोकने के लिए निरोधात्मक कार्य शुरू करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि लोगों की सुरक्षा और उनकी संपत्तियों को बचाना सरकार की प्राथमिकता है और इसके लिए विभाग को हर संभव कदम उठाने होंगे। विभागीय अधिकारियों ने मौके पर ही प्राथमिक रिपोर्ट तैयार की है और आश्वासन दिया है कि जल्द ही कटाव रोकने के लिए आवश्यक तकनीकी और निर्माण कार्य शुरू कर दिये जाएंगे ताकि आगे होने वाले नुकसान को टाला जा सके।

## किशोरी पर सामूहिक अत्याचार, मामला दर्ज

**विश्वनाथ, 2 जून (ख.सं)।** विश्वनाथ चारिआली में एक सनसनीखेज घटना सामने आयी है। विश्वनाथ के चलिया चापरी इलाके में एक 15 वर्षीय किशोरी के साथ सामूहिक अत्याचार किये जाने का आरोप लगा है। परिवार के आरोप के अनुसार जियाबुर इस्लाम, आसिकुल अली, जामिल हक, सैफुल हुसैन और जमूर उद्दीन नाम के पांच युवकों ने किशोरी को उसके घर से बाहर लाकर एक वाहन में जबरन ले गये और उसके साथ यह जघन्य कृत्य किया। इसके बाद उन्होंने किशोरी को उसके घर के आंगन में छोड़ दिया। यह घटना प्रकाश में आने के बाद परिवार ने विश्वनाथ चारिआली सदर थाने में शिकायत दर्ज करवाई। विश्वनाथ पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए छापेमारी कर पांचों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया।

## सड़क निर्माण को लेकर यासी ने विधायक को सौंपा ज्ञापन

**सिलचर, 2 जून (ख.सं)।** यूथ अगेंस्ट सोशल इविल्स (यासी) सेंट्रल कमेटी और छोटा दूधपाटिल कमेटी लंबे समय से उदारबंद विधानसभा क्षेत्र के छोटा दूधपाटिल ग्रांट के ईस्ट लाइन, उत्तरपाड़ा में सड़क बनाने की मांग को लेकर लगातार कोशिश कर रही है। इस मांग के स्पोर्ट में यासी की तरफ से 2 अगस्त 2024 को उस समय के असम पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर को एक ज्ञापन सौंपा गया था। इसके बाद मेंबर इस मामले पर लगातार हर संबंधित सरकारी डिपार्टमेंट और विभाग के संपर्क में रहे हैं। पूर्व मिहिर कांति सोम के कार्यकाल के दौरान भी

कमेटी के मेंबर इस मामले पर उनसे रेगुलर संपर्क में रहे हैं और फॉलो-अप करते रहे हैं। भरोसेमंद सूत्रों के मुताबिक संबंधित डिपार्टमेंट की तरफ से अभी सर्वे किया जा रहा है। इसी सिलसिले में आज सेंट्रल कमेटी ने फिर से मौजूदा राजदीप ग्वाला को एक मेमोरेंडम दिया, जिसमें उनसे मामले में तुरंत दखल देने और सड़क बनाने का काम जल्द शुरू करने की मांग की गयी। आज छोटा दूधपाटिल कमेटी के डेलीगेशन का नेतृत्व प्रेसिडेंट गणेश मंडल ने किया। इस समय सेक्रेटरी मनोज कलवार, नंदू रविदास, बिजन रविदास, अहद बरभुइयां, सजन लस्कर और दूसरे सदस्य मौजूद थे। राजदीप ग्वाला ने प्रतिनिधिमंडल को इस बारे में हर मुमकिन मदद का भरोसा दिलाया।

## नदी में नहाने गया युवक लापता

**बजाली, 2 जून (ख.सं)।** बजाली जिले के भकुवामारी क्षेत्र में एक दर्दनाक घटना सामने आई है। पहुमारा नदी में नहाने गये एक युवक के तेज बहाव में लापता हो जाने से पूरे क्षेत्र में चिंता का माहौल है। युवक की तलाश के लिए बचाव अभियान लगातार जारी है। जानकारी के अनुसार भकुवामारी निवासी नितुल तालुकदार (25), किंकर काकती और अविनाश राजबंशी (22) एक साथ पहुमारा नदी में स्नान करने गये थे। नहाने के दौरान नदी के तेज बहाव में तीनों युवक फंस गए और डूबने लगे। इसी दौरान मौके पर मौजूद एक साहसी युवती ने तत्परता दिखाते हुए नदी में छलांग लगा दी और नितुल तालुकदार तथा किंकर काकती को सुरक्षित बाहर निकाल लिया। हालांकि वह अविनाश राजबंशी को बचा नहीं सकी, जिसके बाद वह नदी के पानी में लापता हो गया।

## लंका में दिनदहाड़े ठगी, बुजुर्ग से 16 हजार रुपये लेकर फरार शातिर

**लंका, 2 जून (ख.सं)।** लंका शहर में दिनदहाड़े ठगी की एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बाइक पर सवार दो शातिर ठगों ने एक बुजुर्ग को झांसे में लेकर उनकी मेहनत की कमाई के 16 हजार रुपये ठग लिए और मौके से फरार हो गए। घटना के बाद क्षेत्र में सनसनी फैल गयी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार लंका के रानीपुखुरी निवासी भुवन चंद्र दास अपनी पत्नी और नातिन के साथ रेलवे गेट नंबर-2 के समीप स्थित एक गैस एजेंसी में किसी काम से आए थे। इसी दौरान बाइक पर सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। दोनों ने स्वयं को बुजुर्ग के परिचित और पड़ोसी बताकर पहले उनका विश्वास जीता। इसके बाद उन्होंने 500 रुपये के खुले पैसे मांगे। बातचीत के दौरान ठगों ने यह भी दावा किया कि पास ही किसी स्थान पर वरिष्ठ नागरिकों के लिए सरकारी वृद्धावस्था पेंशन की राशि वितरित की जा रही है। ठगों की बातों में आकर भुवन चंद्र दास ने बताया कि उनके पास 500 रुपये के खुले पैसे नहीं हैं। यह कहते हुए उन्होंने अपनी जेब से लगभग 20 हजार रुपये निकालकर दिखाये। इसी मौके का फायदा उठाते हुए एक ठग ने तेजी से उनके हाथ से नकदी छीन ली और उसमें से 16 हजार रुपये अपने साथी को सौंप दिये। इसके बाद दोनों आरोपी बाइक पर सवार होकर मौके से फरार हो गये। घटना इतनी तेजी से हुई कि बुजुर्ग और उनके परिजन कुछ समझ ही नहीं पाये। इस घटना ने एक बार फिर लोगों को सतर्क रहने की जरूरत का संदेश दिया है। पुलिस से शिकायत किए जाने की प्रक्रिया जारी है तथा स्थानीय लोगों से अजनबियों की बातों में न आने की अपील की गयी।

## दो दिवसीय प्रकृति शिविर ने युवाओं में बढ़ायी जागरूकता

### डीसी ने सामूहिक जिम्मेदारी व जनभागीदारी का दिया संदेश

**लमडिंग, 2 जून (ख.सं)।** असम विज्ञान, प्रौद्योगिकी एवं पर्यावरण परिषद (एएसटीईसी) की पहल तथा ग्राम विकास परिषद, नगांव के तत्वावधान में पर्यावरण शिक्षा कार्यक्रम के अंतर्गत 30 एवं 31 मई को नगांव जिले के चापनाला स्थित हाथी बंधु शिविर में आयोजित द्विदिवसीय प्रकृति शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, जैव-विविधता, सतत जीवनशैली तथा भावी पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के महत्व के प्रति जनजागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों, पर्यावरण प्रेमियों तथा समाज के विभिन्न वर्गों को प्रकृति के प्रति संवेदनशील बनाने और संरक्षण के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। 31 मई को आयोजित एक विशेष सत्र में नगांव के जिला आयुक्त देवाशीष शर्मा,

आईएएस ने उपस्थित होकर प्रतिभागियों के साथ संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने पर्यावरण संरक्षण को समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बताते हुए कहा कि एक हरित, सुरक्षित और टिकाऊ भविष्य के निर्माण के लिए पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार, सामुदायिक सहभागिता तथा जन-जागरूकता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने युवाओं के बीच पर्यावरणीय चेतना विकसित करने पर विशेष बल देते हुए कहा कि प्रकृति संरक्षण केवल सरकारी प्रयासों तक सीमित नहीं रह सकता, बल्कि इसमें समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी अनिवार्य है। उन्होंने सभी प्रतिभागियों से पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के लिए निरंतर योगदान देने का आह्वान किया। जिले के विभिन्न विद्यालयों के विद्यार्थियों तथा बड़ी संख्या में पर्यावरण प्रेमियों ने इस शिविर में उत्साहपूर्वक भाग लिया। शिविर के दौरान आयोजित विभिन्न शैक्षणिक, जागरूकता एवं सहभागितामूलक गतिविधियों के माध्यम से प्रतिभागियों को प्रकृति संरक्षण और जैव-विविधता के महत्व से अवगत कराया गया। आयोजकों ने शिविर की सफलतापूर्वक पूर्णता पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं में पर्यावरणीय चेतना को मजबूत करने तथा प्रकृति संरक्षण के लिए सामूहिक प्रयासों को प्रोत्साहित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

## कथित पहचान छिपाकर संबंध बनाने व धर्म परिवर्तन के दबाव का मामला उजागर

**धुबड़ी, 2 जून (ख.सं)।** धुबड़ी जिले के बिलासीपाड़ा क्षेत्र में एक महिला द्वारा धोखाधड़ी, उत्पीड़न और कथित जबरन धर्म परिवर्तन के आरोपों से जुड़ा मामला सामने आया है। पीड़िता की शिकायत के आधार पर पुलिस ने पांच लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सूरजखाता पार्ट-2 निवासी मिनार हुसैन पर आरोप है कि उसने अपनी वास्तविक पहचान छिपाकर स्वयं को हिंदू बताकर महिला से संबंध स्थापित किया। शिकायतकर्ता का कहना है कि आरोपी ने विश्वास जीतने के बाद उसके साथ शारीरिक संबंध बनाये। महिला ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि आरोपी ने निजी क्षणों के वीडियो अपने मोबाइल फोन में गुप्त रूप से रिकॉर्ड किए और बाद में उन्हीं वीडियो के आधार पर उसे ब्लैकमेल किया। पीड़िता का दावा है कि धमकी और दबाव बनाकर उस पर धर्म परिवर्तन करने के लिए भी मजबूर किया गया। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया है कि आरोपी ने उसके साथ लगातार शारीरिक, मानसिक और यौन उत्पीड़न किया। महिला के अनुसार जब दोनों के संबंधों की जानकारी परिवारों को हुई और परिवारों ने इस रिश्ते को स्वीकार नहीं किया, तब आरोपी उसे किराये के एक मकान में रखता था, जहां कथित रूप से उत्पीड़न जारी रहा। महिला का कहना है कि बाद में उसे आरोपी की वास्तविक पहचान का पता चला, जिसके बाद उसने न्याय की मांग को लेकर बिलासीपाड़ा पुलिस से संपर्क किया। हालांकि उसका आरोप है कि प्रारंभ में पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गयी, जिसके बाद उसे धुबड़ी के पुलिस अधीक्षक के समक्ष शिकायत दर्ज करानी पड़ी।

## एसएसबी ने लगाया निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर

**कोकराझाड़, 2 जून (ख.सं)।** भारत-भूटान सीमा पर तैनात सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की छठी वाहिनी, रानीधुली द्वारा जन-कल्याणकारी गतिविधियों के तहत एक निःशुल्क पशु चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। यह शिविर सीमावर्ती गांव आईपॉली-1 में आयोजित हुआ, जिसका मुख्य उद्देश्य दूर-दराज के क्षेत्रों में पशुपालकों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर का नेतृत्व क्षेत्रक मुख्यालय बंगाईगांव के पशु चिकित्सा अधिकारी, सहायक कमांडेंट डॉ. यतींद्र सिंह सेंगर ने किया। इस दौरान सीमा चौकी आईपॉली के अंतर्गत आने वाले विभिन्न गांवों से बड़ी संख्या में पशुपालक अपने मवेशियों को लेकर पहुंचे। शिविर में कुल 83 मवेशियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया गया और उन्हें आवश्यक दवाइयां निःशुल्क वितरित की गयी। जन-सेवा और जागरूकता ही उद्देश्य इस अवसर पर उपस्थित एसएसबी अधिकारियों ने कहा कि बल न केवल देश की सीमाओं की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि सीमावर्ती क्षेत्रों के निवासियों के जीवन स्तर को सुधारने और उन्हें स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए भी सदैव तत्पर है। उन्होंने बताया कि ऐसे शिविरों के आयोजन का मुख्य लक्ष्य ग्रामीणों को पशु संरक्षण के महत्व को समझाना और सीमा क्षेत्र में जन-सेवा की भावना को सुदृढ़ करना है। ग्रामीणों ने की सराहना एसएसबी द्वारा किये गये इस मानवीय प्रयास की स्थानीय ग्रामीणों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की।

## रेबीज का आतंक, पागल कुत्ते के काटने से कई पशुओं की मौत

**जामुगुड़ीहाट, 2 जून (ख.सं)।** शोणितपुर जिले के जामुगुड़ीहाट क्षेत्र के चंद्रपुर गांव में रेबीज (जलातंक) को लेकर दहशत का माहौल बना हुआ है। एक पागल कुत्ते के हमले के बाद कई पालतू पशुओं की मौत हो जाने से ग्रामीणों में चिंता और भय व्याप्त है। स्थानीय लोगों के अनुसार कुछ दिन पहले एक संदिग्ध पागल कुत्ते ने गांव के कई पालतू पशुओं को काट लिया था। इसके बाद प्रभावित पशुओं में असामान्य लक्षण दिखाई देने लगे और धीरे-धीरे तीन गायों सहित कई बकरियों की मौत हो गयी। इस घटना से पशुपालकों को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा है। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने के बाद पशुपालन एवं पशु चिकित्सा विभाग की विशेषज्ञ टीम गांव पहुंची और जांच की। जांच के दौरान पशु चिकित्सकों ने पुष्टि की कि पशुओं में फैली बीमारी रेबीज (जलातंक) है। इस पुष्टि के बाद पूरे गांव में चिंता और बढ़ गयी है। गौरतलब है कि रेबीज एक अत्यंत घातक वायरल बीमारी है, जो कुत्ते, बिल्ली, बंदर और अन्य संक्रमित जानवरों के काटने से फैलती है। समय पर उपचार न मिलने पर यह बीमारी मनुष्यों और पशुओं दोनों के लिए जानलेवा साबित हो सकती है। ग्रामीणों ने सरकार और प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। उनका कहना है कि बीमारी को अन्य पशुओं और लोगों तक फैलने से रोकने के लिए प्रभावित क्षेत्र में तत्काल टीकाकरण अभियान चलाया जाए।

## कोकराझाड़ में यूपीपीएल की 28वीं केंद्रीय कार्यकारी समिति की हुई बैठक

**कोकराझाड़, 2 जून (ख.सं)।** यूनाइटेड पीपल्स पार्टी लिबरल की 28वीं केंद्रीय कार्यकारी समिति की बैठक आज कोकराझाड़ जिले के बनारगांव खागराबारी सामुदायिक भवन में आयोजित की गयी। इस महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता यूपीपीएल के अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद प्रमोद बोड़ो ने की। बैठक में पार्टी के कई वरिष्ठ नेता शामिल हुए, जिनमें यूपीपीएल के कार्यकारी अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद वंग्वरा नर्जारी, लोकसभा सांसद जयंत बसुमतारी और पूर्व मंत्री उर्खाव गौरा ब्रह्म प्रमुख रूप से उपस्थित रहे। यह बैठक 2026 के असम विधानसभा चुनावों के मद्देनजर आयोजित की गयी थी। बैठक के दौरान पार्टी नेताओं ने

विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। पार्टी की भविष्य की गतिविधियों और सांगठनिक विकास के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किये गये। पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आगामी समय में संगठन को और अधिक मजबूत बनाने और जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने पर जोर दिया।

## सिलचर माहेश्वरी महिला मंडल ने बांटी खाद्य सामग्री

**सिलचर, 2 जून (ख.सं)।** अधिकमास के पावन अवसर पर सिलचर माहेश्वरी महिला मण्डल द्वारा चिरीपुर क्षेत्र में जरूरतमंद लोगों के बीच खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस सेवा कार्य में मंडल की सभी सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस पुण्य कार्य के संयोजक के रूप में कला डागा एवं खुशबू राठी ने विशेष भूमिका निभाई। कार्यक्रम में मंडल की अध्यक्ष सुधा मुंदड़ा एवं सचिव मुदिता राठी की गरिमामय उपस्थिति भी रही। सभी सदस्यों ने सेवा भावना के साथ जरूरतमंद लोगों तक खाध सामग्री पहुंचाकर अधिकमास के महत्व को सार्थक किया। कार्यक्रम के दौरान लोगों के चेहरे पर खुशी एवं संतोष देखने को मिला। माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा किये गये इस सेवा कार्य की सभी ने सराहना की।

## मायुमं तेजपुर शाखा का 29वां शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

**तेजपुर, 2 जून (ख.सं)।** मारवाड़ी युवा मंच तेजपुर शाखा द्वारा 29वां शपथ ग्रहण एवं वार्षिक पुरस्कार समारोह होटल केआरसी पैलेस में आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उपाध्यक्ष अमित चांडक एवं मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर निवर्तमान अध्यक्ष विष्णु माहेश्वरी, शाखा अध्यक्ष अंकित मंत्री, शाखा मंत्री अमन सारडा एवं शाखा कोषाध्यक्ष शिव कुमार पांडे को मंचासीन कर उनका स्वागत एवं सम्मान किया गया। शपथ समारोह में प्रांतीय पदाधिकारी राजीव जैन विष्णु डागा अरुण बाहेती एवं रूबी जैन तथा वरिष्ठ पत्रकार नथमल टिबड़ेवाल और विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी पूर्व अध्यक्ष, मंच के सलाहकार एवं शाखा के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ उसके पश्चात सभी उपस्थित जनों द्वारा असम का जातीय गीत सामूहिक रूप से प्रस्तुत किया गया । इसके बाद आये हुए

अतिथियों का सम्मान किया गया तथा सत्र 2025-26 के अध्यक्ष विष्णु माहेश्वरी ने अपने अध्यक्षीय संबोधन में सभी का स्वागत करते हुए कार्यकाल के दौरान मिले सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया तथा नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने वर्ष भर विभिन्न प्रकल्पों में सक्रिय योगदान देने वाले शाखा सदस्यों को अध्यक्षीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। शाखा मंत्री अमित भगेरिया ने सत्र 2025-26 की विस्तृत सचिवीय प्रतिवेदन प्रस्तुत किया, जिसके पश्चात शपथ ग्रहण समारोह के अंतर्गत उपाध्यक्ष अमित चांडक ने सत्र 2026-27 के नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंकित मंत्री को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी। इसके पश्चात प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया ने सचिव अमन सारड़ा एवं कोषाध्यक्ष शिव कुमार पांडे को शपथ दिलायी। अरुण बाहेती ने ऑफिस बीयर्स तथा विष्णु डागा ने कार्यकारिणी सदस्यों को शपथ दिलायी। उसके पश्चात राजीव जैन ने नव निर्वाचित पांच नए सदस्यों का शपथ पाठ करवाया। नवनिर्वाचित अध्यक्ष अंकित मंत्री ने अपने संबोधन मे आगामी वर्ष की योजनाओं की जानकारी देते हुए समाज के बच्चों के लिए खेल सहित विभिन्न सामाजिक एवं संस्कृति गतिविधियों के आयोजन का संकल्प व्यक्त किया। मंडल के उपाध्यक्ष अमित चांडक एवं प्रांतीय महामंत्री प्रभात निमोदिया ने नवगठित टीम को शुभकामनाएं देते हुए सफल कार्यकाल की कामना की तथा राष्ट्रीय एवं प्रांतीय स्तर पर संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रम की जानकारी साझा की। कार्यक्रम का सफल संचालन शुभम जैन ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन नवनिर्वाचित सचिव अमन सारडा ने प्रस्तुत किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

Onyx® high technology batteries
An ISO 9001 : 2015 Certified Company
SUPREME POWER INDUSTRIES
Mfg. of all types of Inverter, Automotive & E-Rick Batteries
Mariani Road, Cinnamara, Jorhat (Assam) 785008
E-mail : onyxbatteries@gmail.com
For Trade Enquiry Dial : 94350-52877/91018-74862
DEALER
JORHAT- 99546-01024, 98540-10510, 70026-10137, 94350-96629 NAGAON-94351-62696 LAKHIMPUR- 94351-82787 BORPATHAR-94357-42389 SARUPATHAR- 70020-37117 BOKAJAN- 94351-82777, 70026-02799, 75770-99894, 99545-87019, 70028-58905 AMGURI-73990-23273 SIVASAGAR- 99545-65426, 99545-55870, 94351-56225, 70027-45052 DIBRUGARH- 99544-75308 TINSUKIA- 70027-10942 MOKOKCHUNG- 98626-72609, 84138-48878 DIMAPUR- 94366-02206, 98561-08750, 70051-20250